THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 203 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन कृ.11 2080 मंगलवार, 10 अक्टूबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

5 राज्यों में चुनाव की घोषणा

नतीजे 3 दिसंबर को

तेलंगाना में 30, मध्य प्रदेश में 17, राजस्थान में 23, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर को वोटिंग

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सोमवार को मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। इन राज्यों में चुनावी प्रक्रिया 27 दिन चलेगी। सबसे पहले मिजोरम में 7 नवंबर को मतदान होगा। इसके बाद मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को मतदान होगा।

छत्तीसगढ़ में 2 चरणों में 7 नवंबर और 17 नवंबर को वोटिंग होगी। फिर 23 नवंबर को राजस्थान और 30 नवंबर को तेलंगाना में वोट डाले जाएंगे। सभी 5 राज्यों में एक साथ 3 दिसंबर को रिजल्ट आएंगे। मध्यप्रदेश में अभी भाजपा सत्ता में है, तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। तेलंगाना में केसीआर की पार्टी बीआरएस की तो वहीं, मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता में है।

इस बार 60.2 लाख फर्स्ट टाइम वोटर्स :

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इन राज्यों में कुल 16.14 करोड़ वोटर्स हैं। इनमें 8.2 करोड़ पुरुष, 7.8 करोड़ महिला वोटर्स हैं। इस बार 60.2 लाख नए वोटर्स पहली बार वोट डालेंगे। इनकी उम्र 18 से 19 साल के बीच है। 15.39 लाख वोटर ऐसे हैं, जो 18 साल पूरे करने जा रहे हैं और जिनकी एडवांस एप्लिकेशन प्राप्त हो चुकी हैं।

दिवाली के 5 दिन बाद मतदान : सभी 230 सीटों पर एक ही फेज में 17 नवंबर को वोटिंग :

मध्य प्रदेश में दिवाली के 5 दिन बाद मतदान होगा। प्रदेश की सभी 230 सीटों पर एक ही फेज में 17 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इसके 16 दिन बाद 3 दिसंबर को नतीजे आएंगे। यानी मध्यप्रदेश में आज से 55वें दिन ये तस्वीर साफ हो जाएगी कि किसकी सरकार बनेगी। 2018 में दिवाली के 21 दिन बाद 28 नवंबर को वोटिंग हुई थी और 11 दिसंबर को काउंटिंग हुई थी। 2023 के मध्यप्रदेश में 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 वोटर हैं। 2018 में 5 करोड़ 4 लाख 33 हजार 79 वोटर थे। राजस्थान की सभी 200 विधानसभा सीटों पर एक ही फेज में वोटिंग होगी। 23 नवंबर को मतदान होगा और 10 दिन बाद 3 दिसंबर को चुनाव परिणाम आ जाएंगे, यानी अगले 55 दिन में नई सरकार पर तस्वीर साफ हो जाएगी। चुनावों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में आचार संहिता लागू हो गई है। छत्तीसगढ़ में 2 चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण में 7 नवंबर और दूसरे चरण में 17 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव परिणामों की घोषणा 3 दिसंबर को होगी। ऐसे में आज से 55 दिन बाद प्रदेश को नई सरकार मिल जाएगी। पहले चरण में 20 सीटों पर वोटिंग होगी जिसमें बस्तर की 12 और राजनांदगांव की 8 विधानसभा सीटें शामिल हैं। वहीं दूसरे चरण में बाकी 70 सीटों पर मतदान होगा।

विधानसभा चुनाव 2023

पांच राज्यों में 55 दिन बाद नई सरकार

राज्य	मतदान	मतदाता	सीटें	बहुमत
मध्य प्रदेश	17 नवंबर	5.6 करोड़	230	116
राजस्थान	23 नवंबर	5.25 करोड़	200	101
छत्तीसगढ़	7, 17 नवंबर	2.03 करोड़	90	46
मिजोरम	7 नवंबर	8.52 लाख	40	21
तेलंगाना	30 नवंबर	3.17 करोड़	119	60

नतीजे : 3 दिसंबर

2018 में मध्य प्रदेश में 15 महीने ही सीएम रहे कमलनाथ

मध्य प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव के बाद काफी सियासी ड्रामा हुआ था। चुनाव रिजल्ट में कांग्रेस को भाजपा से पांच सीटें ज्यादा मिली थीं। कांग्रेस के पास 114 सीटें थी वहीं भाजपा के खाते में 109 सीटें आई थीं। बसपा को दो और सपा को एक सीट पर जीत मिली थी। कांग्रेस ने गठजोड़ करके बहुमत का 116 का आंकड़ा पा लिया और कमलनाथ राज्य के मुख्यमंत्री बन गए।

कांग्रेस की सरकार 15 महीने ही टिक पाई। दरअसल, कांग्रेस के 22 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। इसमें 6 मंत्री शामिल थे। स्पीकर ने मंत्रियों का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इस्तीफे के कारण कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गई। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, कोर्ट ने कमलनाथ सरकार को फ्लोर टेस्ट कराने का आदेश दिया। मगर फ्लोर टेस्ट से पहले कमलनाथ ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। बाद में भाजपा ने बागी विधायकों को मिलाकर अपने पास 127 विधायक कर लिए और सरकार बनाई। शिवराज सिंह चौहान चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने।

चंद्रबाबू नायुडू को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट से झटका

खारिज हुईं अग्रिम जमानत की याचिकाएं

अमरावती, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के सीएम रहे चंद्रबाबू नायुडू को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट से करारा झटका लगा है। तीन मामलों में अग्रिम जमानत हासिल करने के लिए लगाई गईं याचिकाएं आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने खारिज कर दी हैं। नायुडू फिलहाल स्किल डेवलपमेंट स्कैम में जेल में बंद हैं।

नायुडू ने अमरावती इनर रिंग रोड अलाइनमेंट (आईआरआर) मामले के साथ फाइबरनेट स्कैम केस में अग्रिम जमानत देने के लिए दरख्वास्त की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि उनकी रिटों को खारिज किया जाता है।

हाईकोर्ट ने इसके साथ ही अन्नामया जिले के अंगालू गांव में हुई हिंसा के मामले में भी उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया। अगस्त 2023 में ये हिंसा तब भड़की थी जब सिंचाई से जुड़े प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने इस इलाके का दौरा किया था। पुलिस ने उनको भी नामजद किया था। नायुडू के वकीलों ने हाईकोर्ट में दलील दी कि उनको राजनीतिक प्रतिशोध के चलते वाईएसआर सरकार ने कई मामलों में फंसा रखा है। ये सारे मामले चुनावी मौसम के नजदीक आते ही खुलने शुरू हो गए। उनका कहना है कि लोकतंत्र को सरकार की इस प्रतिशोधात्मक कार्रवाई से खतरा है। हाईकोर्ट को इसमें दखल देकर नायुडू को राहत देनी चाहिए। पब्लिक प्रासीक्यूटर के साथ सरकार की तरफ से पेश वकीलों ने कहा कि कोई भी केस यूं ही नहीं खोला गया है।

कांग्रेस शासित राज्यों में जातिगत जनगणना होगी : राहुल

जहां बनेगी वहां भी कराएंगे, डेटा रिलीज करेंगे, संस्थानों में दलित, ओबीसी और आदिवासी कम

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय में वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा, जिन राज्यों में उसकी सरकार है, वहां जातिगत गणना होगी। छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना में हमारी सरकार आ रही है। हमारे पास जाति जनगणना का डेटा नहीं, सरकार अगर उस डेटा को रिलीज नहीं करती है तो जब हमारी जब सरकार आएगी, तब हम उसे रिलीज करेंगे। इस देश में कितनी आबादी किसकी है। सवाल यह है कि देश का जो धन है क्या वो इन लोगों के हाथ में है या नहीं। देश के संस्थानों में आदिवासी, ओबीसी, दलित कितने हैं? यही सवाल है। हिंदुस्तान के संस्थानों में कितने हैं। यही हम पूछ रहे हैं। प्रधानमंत्री कह रहे हैं आप देश को तोड़ना चाहते हैं इस पर आप क्या कहेंगे? इससे पहले मीटिंग में सोनिया गांधी, अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस नेता मौजूद रहे। मीटिंग के दौरान खड़गे ने कहा, कल्याणकारी योजनाओं में सही हिस्सेदारी के लिए समाज के कमजोर वर्गों की स्थिति पर सामाजिक-आर्थिक डेटा होना जरूरी। कांग्रेस लगातार देशव्यापी जातीय जनगणना की मांग उठा रही लेकिन इस मुद्दे पर भाजपा चुप है। इससे पहले 16 सितंबर को हैदराबाद में सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई गई थी। इस मीटिंग में सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी शामिल हुए थे।

न्यूजक्लिक केस : प्रबीर-अमित की याचिका पर हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 9 अक्टूबर को न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर हेड अमित चक्रवर्ती की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। दिल्ली पुलिस ने दोनों के खिलाफ विदेशी फंडिंग लेने और आतंकवाद विरोधी कानून गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। प्रबीर और अमित ने मामले में उनकी गिरफ्तारी और 7 दिन की पुलिस रिमांड को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 3 अक्टूबर को प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया था। 4 अक्टूबर को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां ट्रायल कोर्ट ने दोनों को 7 दिन (11 अक्टूबर) की पुलिस रिमांड में भेज दिया। उधर, पुलिस ने न्यूजक्लिक के ऑफिस को भी सील कर दिया।

बालासोर ट्रेन हादसे में 28 शव लावारिस

सीबीआई नगर निगम को डेडबॉडी सौंपेगी, आज अंतिम संस्कार किया जाएगा

भुवनेश्वर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर में ट्रिपल टेन एक्सीडेंट को चार महीने हो चुके हैं। इस हादसे में 297 लोगों की मौत हुई थी। जिसमें 269 शवों को उनके घरवाले ले गए। अभी 28 शव ऐसे हैं जिन्हें लेने कोई नहीं आया। अब इन लावारिस शवों के दाह संस्कार का जिम्मा भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) को सौंपा जा रहा है। बीएमसी के अधिकारियों ने रविवार से 28 अज्ञात शवों को डिस्पोज ऑफ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नगर निगम ने इन शवों को वैज्ञानिक तरीके से डिस्पोज ऑफ करने के लिए एक एसओपी जारी की है।

सीबीआई अधिकारियों की मौजूदगी में निगम को सौंपे जाएंगे शव

बीएमसी मेयर सुलोचना दास ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा- शवों को सीबीआई अधिकारियों की मौजूदगी में निगम को सौंप दिया जाएगा। हम मंगलवार को दाह संस्कार की योजना बना रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि ट्रेन दुर्घटना की जांच कर रही सीबीआई ने खुर्दा जिला कलेक्टर को लेटर लिखकर शवों को डिस्पोज ऑफ करने को कहा था। जून में हुई दुर्घटना के बाद से शव एम्स भुवनेश्वर में रखे गए थे। बीएमसी की तरफ से जारी एसओपी के मुताबिक, पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी।

डीप फ्रीजर कंटेनरों में रखे गए थे शव

एम्स भुवनेश्वर में 162 शव रखे गए थे और उनमें से 81 को मृतकों के परिवार को सौंप दिया गया था। बाद में, डीएनए टेस्ट के बाद अन्य 53 शव परिवार के सदस्यों को दे दिए गए, लेकिन 28 डेडबॉडी को लेने कोई नहीं आया। शवों को पारादीप पोर्ट ट्रस्ट से खरीदे गए कम से कम पांच डीप फ्रीजर कंटेनरों में रखा गया था।

ऐसे हुआ था हादसा

2 जून की शाम को चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस मेन लाइन की बजाय लूप लाइन में चली गई, जहां मालगाड़ी खड़ी थी। ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई। कोरोमंडल और मालगाड़ी की कुछ बोगियां बगल के ट्रैक पर बिखर गईं। इसके थोड़ी देर बाद ही ट्रैक पर बिखरे डिब्बों से हावड़ा-बेंगलुरु एक्सप्रेस टकरा गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हादसे में 293 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए। हादसे में सीबीआई की चार्जशीट में तीन रेलवे अफसरों के नाम हैं। तीनों पर गैर-इरादतन हत्या और सबूत मिटाने के आरोप हैं। इनमें सीनियर सेक्शन इंजीनियर अरुण कुमार मोहंता, सेक्शन इंजीनियर मोहम्मद आमिर खान और टेक्नीशियन पप्पू कुमार शामिल हैं। 7 जुलाई को सीबीआई ने तीनों आरोपियों को अरेस्ट किया था। 11 जुलाई को कोर्ट ने इन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

तीनों आरोपी जानते थे कि उनकी लापरवाही से हादसा हो सकता है

चार्जशीट में जिन तीन रेलवे अफसरों के नाम हैं उनके बारे में सीबीआई ने जुलाई में कहा था कि तीनों जानते थे कि उनकी लापरवाही से बड़ा हादसा हो सकता है।दुर्घटना की जांच कर रहे रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस)ने जुलाई के शुरुआती हफ्ते में हादसे के लिए सिग्नलिंग विभाग के कर्मचारियों की मानवीय भूल को जिम्मेदार ठहराया था।

बिना अप्रूवल पटरी रिपेयरिंग की वजह से हादसा हुआ सीबीआई ने भुवनेश्वर की स्पेशल कोर्ट में 24 अगस्त को अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इसमें जांच एजेंसी ने बताया कि पटरी पर बिना अप्रूवल हो रहे मरम्मत कार्य की वजह से ट्रेन हादसा हुआ था।इससे पहले बहनागा बाजार स्टेशन के लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 94 पर बिना मंजूरी के मरम्मत का काम किया गया था। सीबीआई ने कहा कि सीनियर डिविजनल सिग्नल और टेलिकॉम इंजीनियर की मंजूरी के बिना ही वहां रिपेयरिंग वर्क हुआ था। इसके लिए सर्किट डायग्राम भी पास नहीं कराया गया था।

कावेरी जल विवाद को लेकर तमिलनाडु सीएम ने किया प्रस्ताव पेश, केंद्र से किया खास अनुरोध

चेन्नई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने आज विधानसभा में राज्य सरकार की ओर से कर्नाटक सरकार को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेशों के अनुसार कावेरी जल छोड़ने का निर्देश देने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया।

उन्होंने इस प्रस्ताव को पेश करते हुए कहा, 'कावेरी डेल्टा के किसानों की आजीविका की रक्षा के लिए, जो तमिलनाडु की कृषि का आधार हैं। इस अगस्त सदन ने सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह कर्नाटक सरकार को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने का निर्देश दे।' कर्नाटक सरकार ने अपने कुछ क्षेत्रों में सूखे का हवाला देते हुए तमिलनाडु को पानी की आपूर्ति से इनकार कर दिया था। इस पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, 'हमें 106 हजार मिलियन क्यूबिक फीट (टीएमसी) पानी की जरूरत है, लेकिन कम बारिश होने के कारण हमारे पास वर्तमान में 25 क्यूसेक पानी ही है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें खड़ी फसलों को बचाना है। हमने कृषि विभाग से अगली खेती की अनुमति न देने पर विचार करने के लिए भी कहा है। हम अधिक बारिश की उम्मीद कर रहे हैं। यह एक संकटपूर्ण वर्ष है।'

डेल्टा किसानों को मिलेगा मुआवजा

दोनों राज्यों के किसान कावेरी जल विवाद पर प्रदर्शन कर रहे हैं। कावेरी जल विनियमन समिति ने कर्नाटक को 28 सितंबर से 15 अक्तूबर तक 3000 क्यूसेक कावेरी जल छोड़ने के निर्देश दिए थे। कर्नाटक ने इस निर्देश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट और कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण में समीक्षा याचिका दायर की है।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने इस निर्देश पर निराशा व्यक्त की है। पिछले हफ्ते की शुरुआत में तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने कर्नाटक से अपर्याप्त कावेरी जल के कारण कुरुवई (धान) की खेती से पीड़ित डेल्टा किसानों को 13,500 रुपये प्रति हेक्टेयर का मुआवजा देने का वादा किया था।

सीएम केजरीवाल का एलान

राजस्थान-छत्तीसगढ़ और एमपी में आप पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया। इसी के साथ आम आदमी पार्टी ने भी कहा है कि वो राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ेगी। मीडिया से बातचीत के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे। आगे कहा कि इसके बारे में पूरी जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में दो चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण के लिए सात नवंबर और दूसरे चरण के लिए 17 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं दूसरी तरफ मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

सौतेले पिता को बेटी से बलात्कार में मदद करने वाली मां को अग्रिम जमानत से इनकार

कोच्चि, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने सोमवार को सौतेले पिता द्वारा अपनी नाबालिग बेटी के साथ बलात्कार में सहयोग के लिए आरोप मां को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति पी. गोपीनाथ ने मां के खिलाफ आरोप को गंभीर और अगर यह सच साबित हुआ तो मातृत्व का अपमान करार दिया। आदेश में कहा गया है, मेरा मानना है कि याचिकाकर्ता अग्रिम जमानत का हकदार नहीं है। याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप बहुत गंभीर हैं और अगर ये सच हैं तो ये मातृत्व का अपमान हैं। मामले में अभियोजन पक्ष ने बताया कि 2018 से 2023 की अवधि के दौरान, याचिकाकर्ता की सहमति और जानकारी से सौतेले पिता ने नाबालिग बेटी के साथ यौन प्रकृति की बातचीत की। बलात्कार सहित अन्य गंभीर आरोपों की ओर भी इशारा किया गया और इन सभी में याचिकाकर्ता मां की भूमिका थी। अदालत ने कहा कि अगर जमानत दी गई तो इसका पीड़िता पर असर पड़ सकता है।उच्च न्यायालय ने कहा, विद्वान लोक अभियोजक द्वारा व्यक्त की गई आशंका वास्तविक प्रतीत होती है। याचिकाकर्ता नाबालिग पीड़िता की जैविक मां होने के नाते जमानत दिए जाने पर पीड़िता को प्रभावित करने या डराने-धमकाने की स्थिति में हो सकती है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सभी राज्यों में बनाएगी सरकार : नड्डा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देश के पांच राज्यों - मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव आयोग द्वारा विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान का स्वागत करते हुए यह दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सभी राज्यों में सरकार बनाएगी। चुनाव आयोग द्वारा विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनावों की घोषणा का स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सभी राज्यों में सरकार बनाएगी और आगामी 5 वर्षों के लिए जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कटिबद्ध भाव से काम करेगी। आपको बता दें कि सोमवार को चुनाव आयोग ने देश के पांच राज्यों - मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधान सभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। पांचों राज्यों के चुनावी नतीजे एक ही दिन 3 दिसंबर को आएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दिल्ली में चुनाव की तारीखों को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि मिजोरम में राज्य के विधान सभा चुनाव के लिए 7 नवंबर, मध्य प्रदेश में विधान सभा के चुनाव के लिए 17 नवंबर, राजस्थान में विधान सभा चुनाव के लिए 23 नवंबर और तेलंगाना में विधान सभा चुनाव के लिए 30 नवंबर को एक ही चरण में मतदान होगा। वहीं छत्तीसगढ़ में विधान सभा चुनाव के लिए दो चरणों में 7 नवंबर को 20 सीटों पर और 17 नवंबर को बाकी बची 70 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। पांचों राज्यों में एक ही दिन, 3 दिसंबर को मतगणना होगी।

स्कूल बस 100 मीटर गहरी खाई में गिरी : 7 लोगों की मौत

देहरादून, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के नैनीताल में रविवार रात स्कूल बस 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को हल्द्वानी के अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। मरने वालों में 5 महिला स्टाफ और एक बच्चा शामिल है। पुलिस ने बताया कि हादसा कालाढूंगी रोड पर नालनी के पास रात करीब 8 बजे हुआ। हरियाणा के हिसार के शाहपुर गांव स्थित न्यू मानव इंटरनेशनल स्कूल के 34 लोग शनिवार को नैनीताल घूमने आए थे, जो रविवार को घर लौट रहे थे। तभी बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी।

राज ठाकरे की धमकी : टोल टैक्स बंद करो नहीं तो टोल बूथ जला देंगे

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने टोल टैक्स को राज्य का सबसे बड़ा 'घोटाला' करार देते हुए सोमवार को सड़क टोल टैक्स व्यवस्था को खत्म करने की मांग की, ऐसा नहीं करने पर 'टोल बूथ जलाने की धमकी दी। सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मनसे नेता ने कहा कि बहुत जल्द उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सभी टोल बूथों पर जाएंगे और छोटे वाहनों से टोल टैक्स की वसूली को रोकेंगे।

राज ठाकरे ने धमकी दी,"मैं कुछ दिनों में सीएम एकनाथ शिंदे के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा और देखूंगा कि क्या प्रतिक्रिया मिलती है... इसके बाद, मेरे लोग सभी टोल संग्रह चौकियों पर जाएंगे, और यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी छोटे वाहनों से टोल एकत्र न किया जाए। अगर सरकार हमारे खिलाफ कार्रवाई करती है, तो हम उन टोल बूथों को जला देंगे। "मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने दोहराया कि सड़क टोल टैक्स राज्य का ₹सबसे बड़ा घोटाला₹ है, और सवाल किया कि हर साल उन्हीं कंपनियों को टोल संग्रह का ठेका क्यों मिलता रहता है।

राज ठाकरे ने कहा, "हम पहले से ही रोड टैक्स दे रहे हैं, फिर हमें टोल टैक्स भी क्यों देना चाहिए? इन टोल-बूथों से एकत्र किया गया भारी भरकम टोल राजस्व वास्तव में कहां जा रहा है? इसके बावजूद, बिना किसी सुविधा के सड़कों और राजमार्गों की स्थिति दयनीय बनी हुई है।" प्रारंभिक प्रतिक्रिया में, डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि चार पहिया वाहनों सहित सभी छोटे वाहनों को सरकार के निर्देश के अनुसार टोल टैक्स का भुगतान करने से छूट दी गई है।राज ठाकरे ने पिछले तीन दशकों में लगातार सरकारों की आलोचना की, जिन्होंने टोल टैक्स खत्म करने का वादा किया था, लेकिन अब तक इस मामले में कुछ नहीं किया गया है।

प्रभाव के लिए अपनी ट्रेडमार्क शैली 'लाव रे ते वीडियो' (वह वीडियो चलाएं) पर लौटते हुए, राज ठाकरे ने दिवंगत गोपीनाथ मुंडे, पूर्व सीएम देवेंद्र फड़नवीस और उद्धव ठाकरे और डिप्टी सीएम अजीत पवार जैसे नेताओं के पुराने वीडियो भी चलाए।

आग में झुलसने से छह लोगों की मौत

सामने आई वजह, टीवी पर मैच देख रहा था परिवार... यूं दबे पांव आई मौत

जालंधर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जालंधर के अवतार नगर गली नंबर 12 में एक घर में आग लगने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि हादसा फ्रिज का कंप्रेसर फटने के कारण हुआ था।

इस हादसे में भाजपा कार्यकर्ता यशपाल सिंह घई, उनके बेटे इंद्रपाल, बहू रुचि, पोतियां दीया व मंशा और पोते अक्षय की जिंदा जलने से मौत हो गई थी। परिवार में अब केवल यशपाल घई की बुजुर्ग पत्नी ही बची हैं। पुलिस अधिकारी हरदेव सिंह ने बताया कि अभी तक जांच में सामने आया है कि फ्रिज की गैस लीक होने के कारण ब्लास्ट हुआ था। गैस लीक होने से परिजनों का दम घुट गया। वे बाहर भी नहीं निकल पाए और आग में झुलस गए।

रणदीप सुरजेवाला का शिवराज पर तंज

कहा विदाई का समय आ गया है, उनकी बत्ती और करंट जा चुका है

सीहोर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीहोर जिले के भेरूंदा में रणदीप सुरजेवाला ने कहा शिवराज जी की विदाई का समय आ गया है। सुरजेवाला ने संबोधित करते हुए कहा कि उनकी बत्ती और करंट जा चुका है। शिवराज जी की विदाई का समय आ गया है। कमलनाथ जी और कांग्रेस कहती रही यह एक नकलची बच्चा ऐसा है, जो उसकी नकल मारता गया। 18 सालों तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज शिवराज सिंह चौहान को आज यह कहना पड़ रहा है कि मैं चला जाऊंगा तो बहुत याद आऊंगा... मैं चुनाव लडूं या ना लडू...। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री ने बीते सालों में क्षेत्र के लिए क्या किया।

उन्होंने लाड़ली बहना योजना का हवाला देते हुए कहा कि 18 साल तक शिवराज सिंह को बहनें याद नहीं आई, जब कमलनाथ ने बहनों को हर माह 1500 रुपए देने की बात वचन पत्र में शामिल की तो शिवराज सिंह ने भी कुर्सी बचाने के लिए बहनों को एक हजार रुपए देना शुरू कर दिया। सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में व्यापमं, पटवारी, पुलिस भर्ती जैसे महा घोटाले हुए हैं, जिससे प्रदेश के एक करोड़ से अधिक नौजवानों का भविष्य चौपट हो गया। यदि कांग्रेस की सरकार बनी तो बुदनी विधानसभा क्षेत्र छिंदवाड़ा से भी अच्छा मॉडल बनेगा।

खबरें जरा हटके

काले नाग का वीडियो बना रहा था शख्स मोबाइल लेकर चला गया इतने नजदीक

मुंह पर ही सांप ने मार दिया डंक

आज के समय में लोग सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हो गए हैं. जब से सोशल मीडिया पर मोनेटाइजेशन शुरू किया गया है, तबसे लोग पैसे कमाने के लिए कई तरह के कंटेंट शेयर करने लगे हैं. अगर आपके डाला वीडियो वायरल हो गया, तो अच्छी खासी कमाई भी हो जाती है. इस चक्कर में लोग अजीबोगरीब और शॉकिंग कंटेंट डालने के लिए वीडियो बनाते हैं. कई लोग ऊंची इमारत पर चलते हुए, कूदते हुए वीडियो बनाते हैं. कई लोगों के साथ वीडियो वायरल करने के चक्कर में हादसे हो जाते हैं. आपने ऐसी कई खबरें पढ़ी होंगी, जिसमें वीडियो बनाने के चक्कर में लोगों की मौत भी हो जाती है. सोशल मीडिया पर एक शख्स ने काले नाग का वीडियो डालने के लिए उसका वीडियो बनाना शुरू किया. लेकिन वीडियो में नाग को बेहद पास से दिखाने के चक्कर में उसने अपने लिए ही खतरा मोल ले लिया. शख्स के ऊपर नाग ने ही अटैक कर दिया.

पेड़ के पीछे दिखा था सांप

इंस्टाग्राम पर ये शॉकिंग वीडियो शेयर किया गया. इसमें एक नाग पेड़ के पीछे नजर आया. वो आराम से वहां घूम रहा था. लेकिन इस शख्स की नजर अचानक सांप पर पड़ गई. शख्स ने तुरंत मोबाइल निकाला और उसका वीडियो बनाने लगा. शख्स ने इसकाले नाग को बेहद पास से लोगों को दिखाने का फैसला किया. इस चक्कर में वो नाग के बेहद नजदीक चला गया. अभी वो वीडियो रिकॉर्ड ही कर रहा था कि सांप ने उसके मुंह पर ही डंस लिया.

खटिया के सामने नाच रहा था शख्स अचानक बना ली उसी की ड्रेस

लोगों ने बताया उर्फी जावेद का सगा भाई!

सोशल मीडिया ऐसी जगह है जहां कुछ भी आपको देखने के लिए मिल जाएगा. इसपर प्रेरणादायक वीडियो भी मौजूद है, शॉकिंग चीजें भी नजर आ जाती हैं. साथ ही इसपर कुछ ऐसा कंटेंट भी दिख जाएगा जो आपको हंसने के लिए मजबूर कर देगा. पहले के समय में लोग अपने अच्छे ड्रेस को लोगों के सामने फ्लॉन्ट करते थे. इसके बाद धीरे-धीरे लोग अजीबोगरीब कपड़े पहनने लगे. आज तो जो ड्रेस जितनी वीयर्ड होती है, वो उतनी ही पॉप्युलर हो जाती है. कपड़ों के ट्रेंड की बात कर रहे हैं और उसमें उर्फी जावेद का नाम ना आए, ऐसा कैसे हो सकता है? जब से उर्फी जावेद ने अपने कपड़ों की ऑर्डरशी की है, तब से फैशन स्टेटमेंट ही बदल गया है. जहां कई लोग उसके बोल्ड अवतार की तारीफ करते हैं, वहीं ऐसे भी कई लोग हैं, जो उसका मजाक बनाने में पीछे नहीं हटते. उर्फी जावेद अपनी ड्रेस की वजह होती रहती हैं. लेकिन उन्हें उससे कोई फर्क नहीं पड़ता. लेकिन आज हम आपको उर्फी जावेद का फैशन स्टेटमेंट नहीं, एक ऐसे शख्स का वीडियो दिखाने का रहे हैं, जिसे लोग उर्फी का सगा भाई बताते हैं.

पहन लेता है ऐसे कपड़े

सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर इस शख्स की पहचान उर्फी जावेद के सगे भाई के तौर पर होती है. उसका अकाउंट tik_toker_tharun_nayak के नाम से मौजूद है. उसे लाखों लोग फॉलो करते हैं. अपने अजीबोगरीब फैशन सेन्स की वजह से ये शख्स लोगों में मशहूर है. ये शख्स अभी अखबार से तो कभी किसी और चीज के कपड़े बनाकर पहन लेता है. हाल ही में इसने अपने लेटेस्ट फैशन सेन्स का वीडियो पोस्ट किया. इसमें ये शख्स खटिया के कपड़े पहने दिखा.

ये है रट्टू तोते का बाप! निकाल सकता है दुनिया की कोई भी आवाज, आपकी भी कर लेगा नक़ल

आजतक आपने रट्टू तोते को किसी की नक़ल करते देखा होगा. तोते के सामने अगर बार-बार एक ही चीज दोहराई जाए तो वो उसे सीख जाता है. इसके बाद वो उसे ही दोहराने लगता है. मिट्ठू को बोलते हुए आपने कई बार सुना होगा. सोशल मीडिया साइट कोरा पर जब एक शख्स ने ये सवाल किया कि आखिर वो कौन सा जानवर है जो दुनिया में किसी भी आवाज को कॉपी कर सकता है? तो इसके जवाब में कई लोगों ने तोता लिखा. लेकिन आपको बता दें कि ये जवाब गलत है. दुनिया में एक ऐसा पक्षी है जो तोते से भी अच्छी तरह से नक़ल कर सकता है. ये इस मामले में तोते का भी बाप है. वैसे तो हर पक्षी ही अपनी आवाज और चहचहाने की वजह से जाना जाता है. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पक्षी के बारे में बताने जा रहे हैं जो दुनिया में अगर एक बार किसी आवाज को सुन ले तो दुबारा उसे भूलता नहीं है. इसके बाद वो उस आवाज की ऐसी कॉपी करता है कि आपको भी यकीन नहीं होगा.

जंगलों में रहता है ये पक्षी

हम बात कर रहे हैं ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले लियरबर्ड की. जी हां, ये पक्षी बेहद शानदार है. ये किसी भी आवाज को कॉपी कर सकता है. कई बार ये दूसरे बर्ड्स की आवाज निकालते हैं. इतना ही नहीं, अपनी जिंदगी में सुने हुए किसी भी आवाज को ये सुनकर उसे वापस से निकाल सकता है. कई बार तो इससे कन्फ्यूजन हो जाती है. कई लोग इसकी तस्वीर लेने के लिए जंगल जाते हैं तो उनके कैमरा की फ़्लैश की आवाज भी इन्हें याद हो जाती है और ये वैसा ही साउंड निकालने लगते हैं. इस पक्षी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया. इसमें ये बर्ड कई तरह की आवाजें निकलती नजर आई. ये आवाजें इतनी रियल होती हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 10 अक्टूबर, 2023 3

सुविचार

एक समय में एक काम करो, और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमें डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ।

केंद्रीय मंत्री ने ट्रेनों को झंडी दिखाकर रवाना किया

तेलंगाना क्षेत्र में चार ट्रेन सेवाओं का विस्तार

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन, उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह से तेलंगाना क्षेत्र में चार ट्रेन सेवाओं के विस्तार को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर; भरतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। इसके साथ ही, हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम को देखने के लिए काचीगुडा, बोधन और तांडूर रेलवे स्टेशनों पर भी समारोह आयोजित किए गए। काचीगुडा स्टेशन पर विधान परिषद् के माननीय सदस्य एवीएन रेड्डी ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। डॉ. पटनम महेंद्र रेड्डी सूचना एवं जनसंपर्क और खनन मंत्री, तेलंगाना सरकार और श्रीमती टी. स्वप्ना, माननीय नगरपालिका अध्यक्ष, तांडूर रेलवे स्टेशन पर उपस्थित थे। बोधन रेलवे स्टेशन पर श्रीमती पद्मा, माननीय नगर पालिका अध्यक्ष, बोधन उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि इन चार ट्रेन सेवाओं के विस्तार से तेलंगाना क्षेत्र के नए क्षेत्र देश भर के महत्वपूर्ण शहरों से जुड़ जाएंगे और राज्य के लोगों के लिए अत्यधिक फायदेमंद होंगे। उन्होंने बताया कि पुणे हैदराबाद एक्सप्रेस को भोंगिर और जनगांव होते हुए काजीपेट तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा, जयपुर काचीगुडा एक्सप्रेस को महबूबनगर और गडवाल के रास्ते कुरनूल शहर तक बढ़ा दिया गया है और यह राज्य भर के व्यापारिक समुदाय के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि करीमनगर निज़ामाबाद एक्सप्रेस को बोधन तक और एचएस नांदेड़ तंदूर परभणी एक्सप्रेस को रायचूर तक बढ़ा दिया गया है। जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना राज्य में रेल नेटवर्क को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया है। उसी के हिस्से के रूप में, हाल ही में, सिद्दीपेट से पहली ट्रेन को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाई गई थी, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री और रेल मंत्री के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य के भीतर और देश भर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ रेल कनेक्टिविटी में सुधार के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार ट्रेन सेवाओं का विस्तार लोगों की दीर्घकालिक मांग को पूरा करता है और ट्रेनों को बदलने की परेशानी के बिना विभिन्न गंतव्यों तक सीधी यात्रा की सुविधा प्रदान करता है। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल का काम तेजी से चल रहा है और जनवरी, 2024 तक पूरा होने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में माननीय प्रधान मंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाई गई 34 वंदे भारत ट्रेनों में से 3 ट्रेनें तेलंगाना को आवंटित किया गया। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सिकंदराबाद, काचीगुडा और हैदराबाद (नामपल्ली) रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है और कार्य प्रगति पर है। इससे पहले, एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अवसर है कि चार ट्रेन सेवाओं को नए गंतव्यों तक विस्तारित किया जा रहा है। यह लोगों को बढ़ी हुई ट्रेन कनेक्टिविटी के साथ विकास का लाभ उठाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ये ट्रेन सेवाएं उत्तरी, मध्य और दक्षिणी तेलंगाना के लोगों के लिए न केवल राज्य के भीतर बल्कि राज्य के बाहर के महत्वपूर्ण शहरों के लिए सीधी ट्रेन कनेक्टिविटी लाएगी। चार ट्रेन सेवाएं तेलंगाना के लोगों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा प्रदान करेंगी और सबसे दूर के गंतव्यों तक सीधी ट्रेन सुविधा प्रदान करेंगी। काजीपेट के लोगों को पुणे के लिए सीधी और सुविधाजनक रात्रि यात्रा की सुविधा मिलेगी। शादनगर, महबूबनगर, गडवाल और कुरनूल शहर के लोगों को जयपुर के लिए सीधी और सुविधाजनक यात्रा सुविधा मिलेगी। इसी तरह सेडम, चित्तपुर, यादगीर और रायचूर के आसपास के लोग अब नांदेड़ की ओर यात्रा कर सकेंगे। बोधन के लोगों को अब करीमनगर और वापसी के लिए सीधी ट्रेन सेवा प्रदान की जाएगी।

बीआरएस तेलंगाना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए तैयार : कविता

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पार्टी की एमएलसी और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता ने सोमवार को चुनाव आयोग द्वारा राज्य में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद कहा कि भारत राष्ट्र समिति एक बार फिर तेलंगाना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए तैयार है।

चुनाव आयोग द्वारा तेलंगाना सहित पांच राज्यों के लिए विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश पोस्ट किया कि एक बार फिर तेलंगाना के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए तैयार हैं। तेलंगाना विधानसभा चुनाव 30 नवंबर को होंगे और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। केसीआर के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार आगामी चुनावों में चुनावी जीत की हैट्रिक बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

चुनाव की घोषणा : नगर में भारी मात्रा में सोना-चांदी जब्त

लाखों रुपये की नकदी भी बरामद

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चुनाव की घोषणा हुई कि नहीं, पैसे और कीमती सामान के अवैध परिवहन की घटनाएं सामने आ रही हैं। शेड्यूल जारी होते ही चुनाव नियम लागू हो जाते हैं, इसलिए पुलिस का भी इस पर फोकस है। जब नेता मतदाताओं को बांटने के लिए पैसे, उपहार और कीमती सामान ले जा रहे थे, तो वे पुलिस द्वारा पकड़े जा रहे हैं। आज नगर में मतदाताओं को बांटने के लिए नकदी, सोना और चांदी जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि उचित दस्तावेज नहीं होने के कारण इन्हें जब्त कर लिया गया। हैदराबाद के चंदानगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से ले जाया जा रहा भारी मात्रा में सोना जब्त किया है। करीब 5.65 किलो सोना जब्त किया गया। बशीरबाग में तीन लोगों को हिरासत में लिये जाने के साथ दो बाइक भी जब्त की गयी। निरीक्षण के दौरान भारी मात्रा में सोना जब्त किया गया। एबिड्स पुलिस ने सोने के साथ 300 किलो चांदी भी जब्त की। सोना 16 किलो तक का लगता है। इन दोनों की कीमत 10 करोड़ रुपये आंकी गई है।

सेरिलिंगमपल्ली गोपनपल्ली टांडा में मतदाताओं को वितरित करने के लिए तैयार रखे गए कांग्रेस नेता की तस्वीर वाले 87 चावल कुकर की पहचान की गई और उन्हें जब्त कर लिया गया। इस घटना में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एलबीनगर अंतर्गत वनस्थलीपुरम ऑटोनगर में पुलिस द्वारा की गई वाहन जांच के दौरान एक व्यक्ति के पास से 4 लाख रुपये नकद जब्त कर जब्त कर लिया गया। जहां शादनगर इलाके में तीन पुलिस जांच चौकियां स्थापित की गईं, वहीं रायकल टोलप्लाजा पर की गई जांच के दौरान 11.5 लाख रुपये जब्त किए गए। फिल्म नगर में 30 लाख रुपये कैश पकड़ा गया।

राजनीतिक दलों को चुनाव नियमों का पालन करना चाहिए : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि राजनीतिक दलों को चुनाव नियमों का पालन करना चाहिए। सोमवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन सभाकक्ष में आरडीओ सुरेश सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची एवं निर्वाचन नियमावली पर समीक्षा बैठक की गयी। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि इस माह की 4 तारीख को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है तथा जिले के आसिफाबाद एवं सिरपुर विधानसभा क्षेत्र में 4 लाख 47 हजार 634 मतदाता एवं 414 सर्विस मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव नियम लागू होते ही राजनीतिक दलों को चुनाव नियमों का पालन करना होगा और कोई उल्लंघन नहीं करना होगा। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर पूरी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े और राजनीतिक दलों को अपने प्रचार अभियान की जानकारी भी मिल सके। उन्होंने कहा कि चुनाव नियमों के अनुसार नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा और नियंत्रण कक्ष का विवरण व्हाट्सएप ग्रुप, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित किया जाएगा ताकि सभी लोगों को इसके बारे में पता चल सके। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियों पर कोई भी प्रचार संबंधी सामग्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को मतदाता सूचियां उपलब्ध करायी जाएंगी और चुनाव नियमों के अनुसार चुनाव से संबंधित किसी भी गतिविधि के लिए संबंधित चुनाव अधिकारियों की अनुमति लेनी होगी।

सड़क दुर्घटना में दो महिलाओं की मौत

करीमनगर, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर शहर के बाहरी इलाके में बोम्मकल बाईपास रोड पर रविवार रात एक सड़क दुर्घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब दो महिलाएं जिस दोपहिया वाहन पर एनटीआर चौक से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जा रही थीं, उसे पीछे से एक कार ने टक्कर मार दी। सिरीमल्ला ज्योति (45) और सौजन्या (24) को सड़क पर गिरने से सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की निवासी, ज्योति पेद्दापल्ली जिले के सुल्तानाबाद मंडल में सरकारी हाई स्कूल, रेगादीमद्दीकुंटा की प्रधानाध्यापिका थीं। उसी स्कूल की पूर्व छात्रा सौजन्या विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी और ज्योति उसकी मदद कर रही थी। वह करीमनगर ग्रामीण मंडल के मलकापुर की रहने वाली थी।

सीसीटीवी कैमरों से कम हुई अपराध दर : डीएस चौहान

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान ने कहा कि सीसी कैमरों की निगरानी के कारण राचकोंडा क्षेत्र में अपराध दर में कमी आई है। आयुक्त ने आज क्रांति ग्राउंड, करमन घाट में आयोजित "एलबी नगर निर्वाचन क्षेत्र के तहत 104 कॉलोनियों में नए स्थापित 1080 सीसीटीवी के उद्घाटन" में भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगाने के मामले में तेलंगाना देश में पहले स्थान पर है और यही कारण है कि अपराधी अपराध करने से डरते हैं क्योंकि शहर की हर सड़क सीसीटीवी की निगरानी में आ गई है। कमिश्नर ने कहा कि सीसी कैमरे के इस्तेमाल से वाहन दुर्घटना, घर में डकैती, वाहन चोरी और चेन स्नैचिंग जैसे कई तरह के अपराध में काफी हद तक कमी आई है। कमिश्नर ने कहा कि आज की तेलंगाना पुलिस प्रणाली के निर्माण में सीसी कैमरों की भूमिका ऐसी है कि कोई भी अपराध होने पर अपराधियों को 24 घंटे के भीतर पकड़ा जा सकता है। इस मौके पर कमिश्नर ने लोगों को अपनी कॉलोनी और घर परिसर में सामुदायिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम में एलबी नगर विधायक सुधीर रेड्डी, एमएलसी मल्लेश, एमएलसी दयानंद, एलबी नगर डीसीपी साई श्री, अतिरिक्त डीसीपी, एलबी नगर एसीपी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

अमित शाह आज आदिलाबाद में जनसभा को संबोधित करेंगे

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 10 अक्टूबर को आदिलाबाद में एक सार्वजनिक बैठक और हैदराबाद में बुद्धिजीवियों के एक सम्मेलन को संबोधित करेंगे। राज्य भाजपा महासचिव जी. प्रेमेंदर रेड्डी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि शाह दोपहर एक बजे रैली को संबोधित करेंगे और शाम को बुद्धिजीवियों के सम्मेलन में भाग लेंगे। विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रचार अभियान में भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है।

राजैया ने रैतु बंधु समिति राज्य अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक थातिकोंडा राजैया ने सोमवार को रैतु बंधु समिति के राज्य अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर, जनगांव जिले के स्टेशन घनपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक राजैया ने रैतु बंधु समिति के राज्य अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को धन्यवाद दिया और वादा किया कि वह किसानों के कल्याण के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

राजैया दो साल की अवधि तक इस पद पर बने रहेंगे। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए स्टेशन घनपुर विधानसभा क्षेत्र से राजैया को पार्टी का टिकट देने से इनकार कर दिया है और उनकी जगह पूर्व उप मुख्यमंत्री और एमएलसी कादियाम श्रीहरि को टिकट दिया गया है।

अमित शाह का नगर आगमन आज, तैयारी पर बैठक आयोजित

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भवन में आयोजित बुद्धिजीवियों की सभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भाग्यनगर आगमन के संदर्भ में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय मंत्री एवं तेलंगाना अध्यक्ष किशन रेड्डी ने की। इस अवसर पर उपस्थित रहे एडवोकेट्स, डॉक्टर्स एवं अन्य बुद्धिजिवी ने अपने विचार रखे। सभा को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष के निर्देशानुसार कम समय में सफल कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया। यह जानकारी उत्तर भारतीयों एवं व्यापारियों की ओर से सतीश कुमार जाजू ने मीडिया एवं प्रचार की जिम्मेदारी ली। पूर्व एमएलसी रामचन्द्र राव के धन्यवाद प्रस्ताव से सभा का समापन हुआ। सभा में राजस्थानी समाज के सतीश कुमार जाजू, जसमत भाई पटेल, जिग्नेश दोशी, रिद्धीश जागीरदार, सत्यनारायण शर्मा, अनिल संघी, आनन्द जैन, मुकेश चौहान, विजय सुराणा, सविता रायसोनी, राधिका देशपांडे, नित्या पारीक, एडवोकेट प्रवीण, एडवोकेट भास्कर, पेरेला शेखरजी, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष आले भास्करजी एवं अन्य उपस्थित थे।

आरजीआई हवाईअड्डा को मिली फर्जी बम धमाके की धमकी, हाईअलर्ट

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (आरजीआईए) के अधिकारियों को एक फर्जी बम धमकी वाला ई-मेल मिला है, जिसके बाद अधिकारियों ने हैदराबाद से दुबई के लिए एयर इंडिया की उड़ान रद्द कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि हालाँकि, मेल को एक फर्जी संदेश पाया गया और यात्रियों के लिए दुबई जाने के लिए दूसरी उड़ान की व्यवस्था की गई।

आरजीआईए पुलिस ने कहा कि घटना 8 अक्टूबर को हुई, जब शमशाबाद के मुख्य सुरक्षा अधिकारी बी.एस.एन.रेड्डी को आधिकारिक पते पर एक ई-मेल प्राप्त हुआ। कृपया तिरुपति बादिनेनी से सावधान रहें। वह आईएसआई का मुखबिर है। वह हैदराबाद-दुबई जाने वाली फ़्लाइट में चढ़ेगा और उसे हाईजैक कर लेगा। एयरपोर्ट पर मौजूद कई लोग भी शामिल हैं। हो सके तो उन्हें पकड़ लो। आज भारत के लिए एक बड़ा दिन है।

मानदंडों के अनुसार, खतरे के संदेश का आकलन करने के लिए बीटीएसी (बम खतरा आकलन समिति) बुलाई गई और सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद, इसे 'विशिष्ट' के रूप में मूल्यांकन किया गया। बाद में, तीन व्यक्तियों - तिरुपति बादिनेनी, विनोद कुमार और राकेश कुमार को पुलिस को सौंप दिया गया। इसके अलावा, तिरुपति को छोड़ने आई महिला से पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच चल रही है।

सीईओ ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, वरिष्ठ अधिकारियों को दिये कई निर्देश

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सीईओ विकास राज ने आज सभी जिला चुनाव अधिकारियों, ईआरओ, एसपी आदि को विधानसभा चुनाव के लिए कार्यक्रम जारी होने के बाद उनके कार्यालय और ईसीआई, नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों और दिशानिर्देशों के सख्त कार्यान्वयन के बारे में जागरूक किया। आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लोकेश कुमार, अतिरिक्त सीईओ, सरफराज अहमद, संयुक्त सीईओ, संजय कुमार जैन, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी, महेश भागवत, राज्य व्यय निगरानी नोडल अधिकारी, स्वाति लकड़ा, राज्य सीएपीएफ नोडल अधिकारी आदि के साथ उन्होंने चुनाव की प्रक्रिया में शामिल सभी अधिकारियों को सावधानीपूर्वक काम करने और बिना किसी देरी के समय-समय पर जानकारी को उच्च अधिकारियों के साथ-साथ वेबसाइटों पर अपडेट करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में करीमनगर, वारंगल, खम्मम, जयशंकर भूपालपल्ली, भद्राद्री, सिद्दीपेट, महबूबाबाद, भोंगीर, विकाराबाद के कलेक्टर, रंगा रेड्डी और आयुक्त, जीएचएमसी ने भाग लिया।

वृद्ध महिला की चैन छीनने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला का चेन छीनने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक

5 सितंबर को एक शिकायत प्राप्त हुई। शिकायतकर्ता श्रीमती पेम्माराजू वेदवती पत्नी स्वर्गीय सुब्रमण्यम, (%0 वर्ष) निवासी केपीआर कॉलोनी, पुप्पलगुडा गांव, गांधीपेट मंडल, रंगा रेड्डी ने बताया कि वे किराना दुकान पर गयी थी। बालाजीनगर, पुप्पलागुडा गांव और इसी बीच जब वह फूल चुन रही थी। इसी बीच एक अज्ञात पुरुष जिसकी उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष होगी जो ऑटो में था। चेहरे पर मास्क पहने था। वह शिकायतकर्ता का चार तोले का सोने का मंगलसूत्र छीन कर फरार हो गया। इस दौरान महिला गिरकर घायल हो गई और काफी चोट आई। मामला दर्ज होने पर नरसिंगी पुलिस ने टीमों का गठन किया है। मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों की जाँच की और ईमानदारी से और ज़ोरदार प्रयास किए । मामले का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज के दौरान ऑटो की पहचान हो गई । के रूप में की गई और तकनीकी सबूतों की मदद से आरोपी की पहचान मोहम्मद इमरान के रूप में की गई । सूचना पर अभियुक्त मो इमरान पुत्र मोहम्मद इस्माइल को नरसिंगी थाने की अपराध टीम ने उसके पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना अपराध कबूल लिया और पुलिस ने सामान बरामद कर लिया।

टीएसआरटीसी ने बतुकम्मा और दशहरा की तैयारी की

पुलिस एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ की समन्वय बैठक

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) बतुकम्मा और दशहरा त्योहारों के लिए यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी ने इस महीने की 13 से 24 तारीख तक 5265 विशेष बसों की व्यवस्था की है। उसी के एक भाग के रूप में, सोमवार को हैदराबाद के बस भवन में टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार और आईपीएस की अध्यक्षता में पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की गई।इस अवसर पर वीसी सज्जनार ने कहा कि पुलिस और परिवहन विभाग टीएसआरटीसी के साथ सहयोग कर रहे हैं। वे विशेष रूप से त्योहारों के दौरान कंपनी के कर्मचारियों के साथ काम करते हैं। यात्रियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ तरीके से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है। संगठन के आने वाले नतीजों में पुलिस और परिवहन विभाग की भी भूमिका रहती है। पहले की तरह इस दशहरे के लिए भी संबंधित विभाग सहयोग करें। बैठक के दौरान कहीं एवं मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में हैदराबाद ट्रैफिक डीसीपी राहुल हेगड़े, अशोक कुमार, श्रीनिवास, रचाकोंडा, एलबीनगर ट्रैफिक डीसीपी श्रीनिवास, साइबराबाद ट्रैफिक अतिरिक्त डीसीपी रणवीर रेड्डी, वेणुगोपाल रेड्डी, परिवहन विभाग के आरटीए रघुनंदन गौड़ (इब्राहिमपट्नम), रामचंदर (हैदराबाद सेंट्रल), श्रीनिवास रेड्डी (हैदराबाद उत्तर) टीएसआरटीसी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीवीओ) डॉ. वी. रविंदर, संयुक्त निदेशक डॉ. संग्राम सिंह जी. पाटिल, कार्यकारी निदेशक मुनिशेखर, कृष्णकांत, पुरूषोत्तम, वेंकटेश्वरलू और अन्य ने भाग लिया।

पहले भदोही में भय और आतंक का माहौल था आज अंतरराष्ट्रीय मेला लग रहा है : सीएम

भदोही, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के भदोही जिले में सीएम योगी ने बहुप्रतिक्षित अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला इंडिया कार्पेट एक्सपो का आज शुभारंभ किया। भारतीय कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) ने अनौपचारिक रूप से रविवार को कार्पेट एक्सपो का शुभारंभ किया। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज फीता काटकर कार्पेट एक्सपो का शुभारंभ किया। वस्त्र उद्योग मंत्री राकेश सचान बोले, सभी कालीन उद्यमियों की समस्याओं का समाधान होगा। सभी के साथ बैठकर बात होगी।

भदोही में बोले सीएम

सीएम बोले, पहले भदोही में भय और आतंक का माहौल था आज अंतरराष्ट्रीय मेला लग रहा है। प्रदेश में हुनर को मंच देने का कार्य हो रहा है। भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी का क्षेत्र वस्त्र उद्योग का हब है, पहले भी उनमें हुनर था, लेकिन मंच नहीं मिल रहा था। कारीगरों को टेक्नोलाजी से जोड़ने के साथ मंच देने की आवश्यकता है। हमारी सरकार बोलती कम और काम ज्यादा करती है। लगभग बीस मिनट के संबोधन में सीएम योगी ने कौशल और टेक्नोलॉजी के समन्वय पर जोर दिया। बोले,हमारी सरकार हुनर को सही मंच दे रही है। एक महीने में दो अंतरराष्ट्रीय फेयर का आयोजन कर प्रदेश में ओडीओपी की संभावनाओं को बढ़ाने के साथ ही पीएम मोदी के मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रहे हैं।

जिलाधिकारी गौरांग राठी और पुलिस अधीक्षक डॉ. मीनाक्षी कात्यायन ने रविवार को कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इधर, कार्पेट एक्सपो में पहले ही दिन बायरों में खासा उत्साह देखा गया। सीईपीसी के मुताबिक बायरों ने जमकर ऑर्डर दिए। कार्पेट एक्सपो में 272 निर्यातकों ने स्टॉल लगाया है। लगभग 65 देशों के कुल 500 से अधिक कालीन खरीदार अथवा उनके प्रतिनिधि पंजीकरण करा चुके हैं।

सुल्तानपुर हाइवे पर गाय से टकराई बाइक, हादसे में दो सगे भाइयों की मौत

गोसाईंगंज, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में सोमवार तड़के सूर्या पब्लिक स्कूल के सामने सुल्तानपुर हाईवे पर बाइक गाय से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आननफानन घायलों को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

प्रभारी निरीक्षक सुशांत गोल्फ सिटी अतुल श्रीवास्तव के मुताबिक गोसाईंगंज के अमेठी निवासी गुलाम वारिस के बेटे शाहरुख और ताज सब्जी बेचते हैं। सोमवार तड़के दोनो भाई बाइक से लखनऊ जा रहे थे। तभी रास्ते में सूर्या स्कूल के सामने उनकी बाइक गाय से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दोनो भाई बुरी तरह चोटिल हो गए।

राज्यों के विधानसभा चुनाव का एलान

मायावती बोलीं-स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराना आयोग के सामने बड़ी चुनौती

लखनऊ, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा का बसपा सुप्रीमो मायावती ने स्वागत किया है पर ये भी कहा कि धनबल और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग रोककर निष्पक्ष चुनाव कराना आयोग की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बसपा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में स्थानीय दलों से समझौता कर चुनाव लड़ी है जबकि राजस्थान व तेलंगाना में अकेले ही चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम विधानसभा आमचुनाव अगले महीने कराने की घोषणा का स्वागत है किन्तु चुनाव आयोग के लिए असली चुनौती सरकारी मशीनरी व धनबल आदि के दुरुपयोग को रोककर चुनाव को पूरी तरह स्वतंत्र व निष्पक्ष कराने की है जिस पर लोकतंत्र का भविष्य निर्भर है। उन्होंने आगे कहा कि खासकर सत्ताधारी पार्टी द्वारा चुनाव को गलत दिशा में प्रभावित करने के लिए लुभावने वादे व हवाहवाई घोषणाओं आदि पर अंकुश लगना जरूरी जिसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस भी जारी किया है। जातिवाद व सांप्रदायिकता का उन्माद व हिंसा के खिलाफ सख्त कार्रवाई अत्यावश्यक है।बसपा मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्य में गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी के साथ चुनावी समझौता करने के अलावा, मिजोरम को छोड़कर, राजस्थान व तेलंगाना इन दोनों राज्य में अकेले ही बिना किसी से कोई समझौता किए हुए चुनाव लड़ रही है और इन राज्यों में अच्छे परिणाम की उम्मीद करती है।

इसके पहले सोमवार को बसपा संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर मायावती ने पार्टी नेताओं के सामने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और उनके मिशन को पूरा करने का संकल्प लिया।

चर्चित प्रॉपर्टी डीलर आशुतोष शाही हत्याकाण्ड के दो शूटरों को एसटीएफ ने दबोचा

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर पुलिस ने चर्चित प्रॉपर्टी डीलर आशुतोष शाही हत्याकाण्ड के आरोपित दो शूटरों को धर दबोचा है। पुलिस ने यह कार्रवाई एसटीएफ टीम के साथ मिलकर की है। गिरफ्तार शूटर उज्ज्वल और गोलू को पटना एसटीएफ पकड़ कर ले गई है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

जुलाई में हुई थी हत्या

21 जुलाई की शाम नगर थाना क्षेत्र के मारवाड़ी हाई स्कूल चंदवारा के पास अपने वकील सैयद कासिम हुसैन उर्फ डॉलर के घर पर आशुतोष शाही पहुंचे थे। उसी वक्त घर पर चढ़ कर बदमाशों ने उन्हें गोली से छलनी कर दिया था, जिससे घटनास्थल पर ही आशुतोष शाही की मौत हो गई। इस घटना में घायल बॉडीगार्ड मो. निजामददीन और राहुल कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। ये दोनों उत्तर प्रदेश मउ जिले के मधुबन थाना अंतर्गत जवाहीरपुर के रहने वाले थे। पुलिस का कहना है कि घटना का कारण जमीनी विवाद था।

मृतक की पत्नी ने छह लोगों को बनाया था नामजद अभियुक्त

मृतक की पत्नी ने इस घटना में छह लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया था, जिसमें गैंगस्टर मंटू शर्मा, शूटर गोविंद, ओंकार, प्रॉपर्टी डीलर विक्कू शुक्ला, पूर्व पार्षद शेरू अहम और अधिवक्ता कासिम हुसैन उर्फ डॉलर शामिल है। पुलिस ने इनमें से शुक्ला, शेरू अहमद और अधिवक्ता कासिम हुसैन उर्फ डॉलर को गिरफ्तार कर लिया था। डॉलर का पुलिस कस्टडी में इलाज कराया जा रहा है।

राम बाबू बोले-बहुत गरीब और पिछड़े घर से आता हूं

मां ने खोया बेचकर कराई प्रैक्टिस, अब एशियन गेम्स में जीता मेडल

लिया, गांव वालों ने मिठाई खिलाई

सोनभद्र, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। किराए का छोटा सा कमरा और उसमें बड़े सपने जीने वाले राम बाबू...। जितने मजबूत इनके हौसले थे, उतना ही मुश्किल था इनका जीवन। उन्होंने देश-विदेश में मैच खेले और जीते। लेकिन उसके बाद भी राम बाबू को आज तक कहीं से कोई मदद नहीं मिली। फिर भी वह पीछे नहीं हटे और चीन में होने वाले एशियन गेम्स में सफलता हासिल की। उन्होंने 35 किलोमीटर की मिक्स रेस वॉक में तीसरा स्थान हासिल किया। मेडल जीतने के बाद राम बाबू शनिवार को सोनभद्र से करीब 20 कि.मी. दूर रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बहुअरा गांव लौटे, तो भावुक हो गए।

गांव आने के बाद मां-पिता ने गले लगा

गांव में उनके परिवार और रिश्तेदारों के अलावा कोई उनसे मिलने नहीं आया। एक-दो ग्रामीण थे, जिन्होंने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वहीं मां-पिता ने अपने बेटे को गले से लगा लिया। कुछ देर लोगों से बात करने के बाद वह घर की ओर चल दिए। घर जाते समय वो लोगों को चीन के बारे में बताते रहे। घर पहुंचने पर उनकी मां मीना ने साड़ी के पल्लू से कुर्सी साफ करने के बाद राम बाबू को उस पर बैठाया। कुछ ग्रामीणों ने उनको मिठाई खिलाई और बधाई दी। धीरे-धीरे उनके घर से लोगों की भीड़ कम हो गई। राम बाबू के आराम करने के बाद हमने उनसे बात की। बातचीत में राम बाबू ने अपने उन दिनों की बात बताई, जब वह प्रैक्टिस करने के लिए घर से दूर गए थे। और उनको घर से केवल 3 हजार 2 सौ 25 रुपए खर्च के लिए मिलते थे।

मिट्टी का कच्चा घर है, जहां उनका परिवार गुजर बसर कर रहा है

राम बाबू का घर आज भी छप्पर का है। जो छप्पर उनके घर में पड़ा है, वो भी फटा है। घर का सारा सामान भी टूटा हुआ है। घर पर बस मां और पापा ही रहते हैं। मिट्टी का कच्चा घर है, जहां उनका परिवार गुजर-बसर कर रहा है और बड़ी बात है कि ये घर भी उनका नहीं है।

छड़ी से पीटा... थप्पड़ जड़े फिर जमीन पर पटक दिया

हैवान बना गुरुकुल का आचार्य; सामने आया बर्बरता का वीडियो

सीतापुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीतापुर के सिधौली इलाके के एक गुरुकुल में शिक्षक हैवान बन गया। स्कूल में छात्रों के सामने एक बच्चों को जमकर छड़ी से पीटा।

उसके बाद भी जब गुस्सा शांत नहीं हुआ तो उसने बच्चे को उठाकर पटक दिया। किसी ने इस पूरे मामले का वीडियो बनाकर रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उसके बाद आचार्य ने खुद अपना वीडियो बनाकर सफाई दी। बताते हैं कि वायरल वीडियो में किशोरी बालिका आवासीय गुरुकुल ग्राम झाजन सिधौली के आचार्य सतीश शास्त्री एक बच्चे को गुरुकुल में जमकर पीट रहे हैं। पहले उन्होंने बच्चे को छड़ी से पीटा। उसके बाद बच्चों के सामने उठाकर पटक दिया। इससे वहां पर खड़े अन्य छात्र भी घबरा गए। वीडियो वायरल होने के बाद आचार्य के होश उड़ गए।

एलकेजी की बच्ची को स्कूल वैन ने रौंदा

मुरादाबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद के एक प्राइवेट स्कूल में रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा हुआ है। यहां एलकेजी में पढ़ने वाली 4 साल की एक बच्ची को स्कूल कैंपस में ही स्कूल वैन ने ही कुचल दिया। वैन बच्ची के ऊपर से गुजर गई। इतने पर भी ड्राइवर नहीं रुका और वैन को भगा ले गया। बच्ची को बेहद नाजुक हालत में मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया है।

देवरिया सामूहिक हत्याकांड

आपस में भिड़े भाजपा विधायक शलभ मणि और शिवपाल यादव, बात गुंडा और हैसियत तक पहुंची

गोरखपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। देवरिया जिले में रुद्रपुर के फतेहपुर के लेड़हा टोला में दो अक्तूबर को हुए सामूहिक हत्याकांड को लेकर शहर के देवरिया-सलेमपुर मार्ग पर सोंदा स्थित अक्षय वाटिका में रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया था।

इस सभा में सदर विधायक डॉ. शलभ मणि ने कहा कि दुबे परिवार के लोगों की नृशंस हत्या हुई है उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि इस प्रदेश की जनता ने समाजवादी पार्टी का गुंडाराज देखा है, इस वजह से सदा-सदा के लिए सत्ता से बाहर कर दिया है।कहा कि समाजवादी पार्टी के गुंडे मेरे ऊपर आरोप लगाते हैं, कहते हैं विधायक ने हत्या कराई... अरे मैं चुनौती देता हूं तुम्हारी हैसियत है तो एक हजार जांच करा लो।

शिवपाल यादव ने पलटवार किया इस बात को लेकर शिवपाल यादव ने पलटवार किया है कि उन्होंने कहा ट्विटर यानि एक्स पर पोस्ट किया कि विधायक जी, सपा तो विपक्ष में है। आप सियासी रोटी सेंकना बंद कर प्रशासन की जवाबदेही व जिम्मेदारी तय करा लें और अगर पीड़ितों को निष्पक्ष न्याय दिलाने की आप में हैसियत हो तो न्याय जरूर दिला दें।

इस पर दोबारा एक्स पर शलभ मणि ने जवाब दिया कि शिवपाल जी, आपकी सरकार का आतंक लोग भूले नहीं, ये पूरा विवाद ही 2014 से है, जब आप सत्ता के मद में अन्याय करा रहे थे। जवाहरबाग से लेकर देवरिया तक जमीनें कब्जा करवा रहे थे। आज भी सपा भले विपक्ष में है, पर अराजकता ही इसकी पहचान है, योगी जी की सरकार है, इसीलिए न्याय की उम्मीद है। बाकी फिर कहता हूं, एक हजार मुकदमे करा लीजिए, या धमकियां दिलवा लीजिए, न डरा हूं, न डरूंगा, गुंडों को गुंडा कहूंगा, भू माफिया को भूमाफिया।

ये है पूरा मामला

बता दें कि देवरिया जिले में रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर गांव में बीते सोमवार को सुबह छह बजे जमीन के विवाद में एक पूर्व जिला पंचायत सदस्य की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। इससे गुस्साएं पूर्व जिला पंचायत सदस्य के पक्ष के लोग दूसरे पक्ष के घर में घुसकर पति, पत्नी और उसके तीन संतानों को गोली मारकर और धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी, जबकि एक बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है।

लाडले बेटे को आया हार्ट अटैक...खबर सुन मां की भी थम गईं सांसें

एक साथ जलीं दोनों चिताएं

मैनपुरी, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में नौकरी कर रहे यूपी के मैनपुरी निवासी युवक की रविवार की देर शाम हृदयगति रुकने से मौत हो गई। खबर जब वृद्ध मां को मिली तो बेटे के गम में उनकी भी सांसे थम गईं। कुछ ही पलों में मां-बेटे की मौत से घर में कोहराम मच गया। सोमवार की सुबह मां-बेटे की चिताएं एक साथ जलीं तो हर किसी की आंखें नम हो गईं। बिछवां थाना क्षेत्र के गांव इन्नीखेड़ा निवासी सचिन (36) दिल्ली में ओला कंपनी में अपनी कार चलाता था। रविवार की शाम को वह घर पर था। तभी अचानक उसके सीने में दर्द हुआ। जानकारी होने के बाद परिजन उसे लेकर जब तक अस्पताल पहुंचे। तब तक सचिन की मौत हो चुकी थी।

एएमयू में फिलिस्तीन के समर्थन में रैली, 4 पर एफआईआर

छात्रों ने नारा-ए-तकबीर...ला इल्लाह इल अल्लाह के नारे लगाए

राज्यमंत्री बोले-एएमयू को बंद करना चाहिए

अलीगढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग के बीच अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के छात्र फिलिस्तीन के समर्थन में उतर आए हैं। रविवार देर शाम यूनिवर्सिटी कैंपस में करीब 400 छात्रों ने रैली निकाली। इसमें फ्री फिलिस्तीन, नारा-ए-तकबीर...अल्लाह हू अकबर। ला इल्लाह इल अल्लाह जैसे नारे लगाए। वहीं इस मामले में सीओ की प्रारंभिक जांच के बाद चौकी इंचार्ज की तहरीर पर पुलिस ने 4 लोगों को नामजद करते हुए एफआईआर दर्ज की है। रविवार रात को एएमयू कैंपस के डक प्वाइंट पर 400 से ज्यादा छात्र इकट्ठा हुए। इनके हाथों में फिलिस्तीन के समर्थन के पोस्टर थे। 10 बजे छात्रों ने कैंपस के अंदर ही रैली निकाली। इस दौरान धार्मिक नारेबाजी भी की। छात्रों के जो वीडियो सामने आए हैं। इसमें वह कह रहे हैं कि फिलिस्तीन को फ्री किया जाए। वहां जुल्म हो रहे हैं।

फिलिस्तीन आजादी मांग रहे हैं, लेकिन उन्हें आजादी नहीं दी जा रही है। एएमयू फिलिस्तीन के साथ खड़ा है। ये छात्र यूनिवर्सिटी के अलग-अलग कोर्स के रहे हैं। हालांकि, इस मार्च का आयोजन किसने किया यह स्पष्ट नहीं है। स संबंध में यूनिवर्सिटी प्रॉक्टर प्रो. मो. वसीम अली बताया, मार्च निकालने की कोई परमिशन नहीं ली गई है। कैंपस में मार्च निकलने की उन्हें सूचना मिली है। इस बारे में वीसी से बात की जा रही है और जांच कराई जाएगी। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।वहीं, एसपी सिटी मृगांग शेखर पाठक ने कहा,कैंपस में मार्च निकलने की सूचना मिली है। एएमयू के अधिकारियों से इस बारे में बात की गई है। जिससे कि वह कैंपस के अंदर इस तरह की गतिविधियों को होने से रोके। इसके बारे में प्रशासन और उच्च अधिकारियों को भी सूचना भेजी गई है। अभी इस प्रकरण में कोई शिकायत नहीं मिली है।

भाजपा नेता विनीत शारदा बोले-कृष्ण रूप में मोदी

अर्जुन रूप में योगी कर रहे सनातन संस्कृति की रक्षा

शामली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। शामली जनपद में भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष विनीत शारदा ने कांग्रेस सहयोगी दलो के इंडिया गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस गठबंधन सनातन धर्म का अपमान करता रहा है। कहा कि सनातन धर्म ऐसा है कि सनातन धर्म को रावण-कंस, गौरी जैसे अत्याचारी शासक खत्म नहीं कर पाए। श्रीराम-कृष्ण आदि ने सनातन धर्म की रक्षा की है। उन्होंने मोदी को कृष्ण और योगी को अर्जुन की जोड़ी की तुलना करते हुए कहा कि दोनों सनातन धर्म की रक्षा करके बढ़ावा दे रहे हैं।विनीत शारदा रविवार को भाजपा नेता मोहित कांबोज के आवास पर मीडिया से रूबरू हुए। बाद में व्यापारी नेता राजेश संगल के घर पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इसके बाद हनुमान धाम स्थित अग्रसैन बरात घर में व्यापारियों के सम्मेलन में पहुंचे। प्रेस वार्ता में उन्होंने कांग्रेस सहयोगी गठबंधन इंडिया को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति और धर्म का कांग्रेस गठबंधन अपमान करता रहा है। कैराना से पलायन का मुद्दा हो या फिर अपराध पर नियंत्रण करने का, प्रदेश में योगी और मोदी की सरकार ने कितने मेडिकल कॉलेज खोले और नेशनल एयरपोर्ट भी बनाए गए हैं। मोदी और योगी की तुलना उन्होंने श्री राम और श्री कृष्ण भगवान से कर डाली। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत शारदा ने पश्चिम उत्तर प्रदेश को अलग करने के मामले में बीजेपी नेता व सांसद संजीव बालियान का उनका निजी बयान करार दिया है।

यात्री के पिट्ठू बैग में मिले इतने रुपये कि पुलिस की आंखें फटी रह गईं, वाराणसी से जा रहे थे पुणे

चंदौली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन (डीडीयू जंक्शन) पर जीआरपी-आरपीएफ को बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त टीम ने दो युवकों के पास मौजूद पिट्ठू बैग से इतने रुपये बरामद किए कि सभी की आंखें फटी की फटी रह गईं। दोनों के बैग से 55 लाख रुपये निकले।

इतनी बड़ी रकम मिलने की सूचना आयकर विभाग को दी गई। वाराणसी से आए आयकर अधिकारियों ने दोनों युवकों से पूछताछ की है। बताया जाता है कि दोनों युवक रुपए लेकर वाराणसी से पुणे जा रहे थे। ट्रेन पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे। दो दिन पहले भी पीडीडीयू जंक्शन से एक युवक 15.13 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार हुआ था।

दोनों युवक महाराष्ट्र के रहने वाले जीआरपी पीडीडीयू निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह और रेलवे सुरक्षा बल के निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत ने बताया कि सोमवार भोर में स्टेशन पर संयुक्त टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान प्लेटफॉर्म संख्या एक और दो पर दो युवक संदिग्ध हाल में दिखे। उनके पास मौजूद पिट्ठू बैग की तलाशी ली गई तो उसमें नोटों के बंडल मिले।

पूछताछ में दोनों ने अपना नाम क्रमशः विशाल जाधव निवासी अरपड़ी सांगली महाराष्ट्र वर्तमान पता वार्ड नंबर 14 कोतवाली रसड़ा बलिया और रविंद्र मंडले निवासी साइरन रेजिडेंसी फ्लैट नंबर 204 लेन नंबर 11, रुनवाल पार्क विजय नगर पुणे महाराष्ट्र बताया। दोनों ने बताया कि वे ज्वेलरी का काम करते हैं। इसी का पैसा लेकर वाराणसी से पुणे जा रहे थे। हालांकि दोनों रुपयों से संबंधित कोई कागजात नहीं दिखा सके। बैग में पांच-पांच लाख रुपये की गड्डी बनाकर रखे गए थे। गिनती करने पर कुल 55 लाख रुपये बरामद हुए। वाराणसी से आई आयकर विभाग को रुपये और आरोपियों को सौंप दिया गया। आगे की कार्रवाई आयकर विभाग करेगी।

लालू अबतक चुप, मगर मांझी ने राजद विधायक को दे दी सीख

बोले-छोटे दिमाग वाले ऐसी ओछी बात कहते हैं

गया, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओछी और छिछली बात कहने वाले छोटे दिमाग के लोग होते हैं। और वैसे भी नीतीश सरकार में पदाधिकारी पूरी तरह बेलगाम हैं। यह बातें बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने गया में कही। जीतनराम मांझी ने कहा कि जब हम सरकार में नीतीश कुमार के साथ में थे तो वह कहा करते थे कि यहां पदाधिकारी मंत्री, विधायक की बातों को नहीं सुनते हैं सिर्फ आपकी बातों को सुनते हैं। यही कारण है सभी अधिकारी भ्रष्टाचारी और घूसखोर हो गये हैं । अब लोग असहाय महसूस कर रहे है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी के मुंह पर थूक दो, जूता का माला पहना दो। जनमानस के साथ अनशन, आंदोलन आदि होनी चाहिए। पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह का दिमागी स्थिति ठीक नही है।

डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे और पुलिस में हुई झड़प, कपड़े फटे-हिरासत में लिया गया

भोपाल, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस्तीफा देकर न्याय यात्रा कर रहीं डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे और पुलिस के बीच भोपाल में जमकर झड़प हो गई। उनकी यात्रा कल रात को ही भोपाल पहुंची थी। सीएम हाउस जाने से पहले वे आज सुबह जब बोर्ड ऑफिस चौराहे पर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचीं तभी पुलिस और निशा के समर्थकों में जमकर विवाद हो गया।

इस बीच झूमझटकी में निशा के कपड़े भी फट गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। निशा सीएम हाउस आमरण अनशन करने जा रही थीं। दरअसल, निशा आमला विधानसभा सीट से चुनाव लडना चाहती हैं। इसके लिए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है लेकिन तीन महीने से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी सरकार ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। ऐसे में निशा न्याय यात्रा पर निकली हैं। उन्होंने अपनी यात्रा 28 सितंबर को आमला से शुरू की थी। उनकी ये यात्रा बोरी, सारणी, सलैया, शाहपुर, केसला, नर्मदापुरम, सलकनपुर, बुधनी, शाहगंज ओब्दुल्लाहा गंज और से मंडीदीप होते हुए भोपाल पहुंचीं हैं।

कांग्रेसी भी पहुंचे समर्थन देने

निशा को समर्थन देने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में बोर्ड ऑफिस चौराहे पर पहुंचे इनमें पूर्व मंत्री पीपी शर्मा जिला अध्यक्ष मोनू सक्सेना सहित तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। इन्हे भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। निशा का आरोप है कि शिवराज सरकार उनके साथ अन्याय कर रही है। 3 महीने से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि एक तरफ भाजपा सरकार महिलाओं को राजनीति में आरक्षण देने की बात करती है, दूसरी ओर जब एक पढ़ी-लिखी महिला राजनीति में आना चाहती है चुनाव लड़ना चाहती है तो उसे रोका जा रहा है। ऐसे में उन्हें इस न्याय का यात्रा पर निकलना पड़ा।

के के मिश्रा ने साधा निशाना

कांग्रेस प्रवक्ता के के मिश्रा ने निशा बांगरे को अरेस्ट करने पर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि 'यह है महिला आरक्षण की कथित पक्षधर भाजपा और प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह की सरकार!! एक दलित महिला डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे,जिन्होंने अपनी नौकरी से इस्तीफा दिया है,सरकार उसे स्वीकार नहीं कर रही है,आज उन्होंने गांधीवादी तरीकों से इसे स्वीकार करने के लिए आग्रह मार्च निकाला..पुलिस ने यह हालत कर दी यहां तक कि बाबा साहेब आंबेडकर को भी अपमानित कर डाला...!!'

कुल्लू में भूकंप के झटके

रिक्टर स्केल पर 2.8 दर्ज की गई तीव्रता

कुल्लू, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुल्लू जिले में तड़के तीन बजकर सात मिनट पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र कुल्लू में पांच किलोमीटर नीचे था। हालांकि भूकंप में किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.8 दर्ज की गई।तीव्रता कम होने और लोगों के नींद में होने से किसी ने झटका महसूस नहीं किया। भूकंप के लिहाज से कुल्लू और लाहौल स्पीति काफी संवेदनशील है। एडीएम कुल्लू अश्वनी शर्मा ने कहा कि भूकंप से किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है।

ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा

पति ने बेरहमी से की थी पत्नी की हत्या शक में उजाड़ लिया अपना ही परिवार

हरिद्वार, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरिद्वार नगर कोतवाली पुलिस और सीआईयू की टीम ने बीते दिनों हुए ब्लाइंड मर्डर केस का सोमवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने महिला की हत्या के आरोप में उसके पति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बताया कि उसने चाल चलन सही न होने के शक में लकड़ी बीनने के बहाने जंगल में ले जाकर पत्नी की गला घोंटकर हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

रोशनाबाद पुलिस कार्यालय सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने पत्रकार वार्ता कर हत्याकांड का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 29 सितंबर को पुराना औद्योगिक क्षेत्र स्थित रबड़ फैक्ट्री के सामने जंगल में एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की गला घोंटकर हत्या करने की बात सामने आई थी। उसके बाद से ही पुलिस और सीआईयू की टीमें लगातार जांच में जुटी थी, लेकिन महिला की पहचान नहीं हो पा रही थी। पुलिस टीम ने कड़े प्रयास करते हुए 300 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले। सीसीटीवी में मृतक महिला के हुलिए से मिलती जुलती महिला एक व्यक्ति के साथ जाती हुई नजर आई। यहां से फिर जब जांच शुरू हुई तो मामले की परत पर खुलती चली गई। बताया कि पुलिस टीम ने खोजबीन करते हुए बांदा के रहने वाले करन उर्फ सागर को रोड़ीबेलवाला के पास से गिरफ्तार किया है।

नाड़े से घोंटा गला, कुर्ते को फांडकर मुंह पर बांधा

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने महिला से शादी की थी। इससे पहले महिला की तीन शादियां हो चुकी थी। तीनों पति से एक-एक बच्चा था। उसका चाल चलन सही न होने पर उसने हत्या की योजना बनाई। 27 सितंबर को लकड़ी बीनने के बहाने औद्योगिक क्षेत्र स्थित जंगल में ले गया। जहां उसका पहले गला दबाया और फिर नाड़े से गला घोंट दिया। चीखने चिल्लाने की आवाज ना आए, इसके लिए उसने कुर्ते को फाड़कर उसके मुंह पर बांध दिया। इसके बाद मौके से फरार हो गया था।

सरपंच विक्रम रावत की गोली मारकर हत्या

ग्वालियर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। यहां बनहेरी ग्राम पंचायत के सरपंच विक्रम रावत की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, बाइक सवार बदमाशों ने सरपंच विक्रम रावत पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गोलियों की आवाज सुन आस-पास के लोग दहशत में आ गए। घटना सोमवार सुबह ग्वालियर शहर के कांतिनगर इलाके में हुई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। किसी ने पुलिस को मामले की सूचना दी। हालांकि अभी तक पुलिस गांव में नहीं पहुंची है। बदमाशों ने घटना को तब अंजाम दिया जब सरपंच विक्रम अपने वकील से मिलने गए थे। वे जैसे ही कार से नीचे उतरे पहले से घात लगाए बदमाशों ने उनके ऊपर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले से मौके पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, लगभग डेढ़ साल पहले सरपंच विक्रम के चेचेरे भाई की भी गोली मारकर हत्या की जा चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, बाइक पर दो बदमाश सवार हो कर आए थे।

जयराम रमेश 2015 में लगाए निराधार आरोपों पर खेद प्रकट करने पहुंचे हमीरपुर

हमीरपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के बड़े नेता दिल्ली से चलकर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल से मुलाकात करने हमीरपुर पहुंचे। यह मुलाकात बीती देर रात को पीडब्ल्यूडी के रेस्ट हाउस में हुई। कांग्रेस के इस बड़े चेहरे का नाम है जयराम रमेश। इस मुलाकात की कड़ियां 2015 कि उसे पत्रकार वार्ता से जुड़ी है। जो कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 2 अगस्त 2015 को दिल्ली में की थी।

इस पत्रकार वार्ता में जयराम रमेश ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल एवं उनके सुपुत्र केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के ऊपर निराधार आरोप लगाए थे। जिस पर पूर्व सीएम धूमल ने शिमला हाईकोर्ट में जयराम रमेश के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा दायर करते हुए एक करोड़ का दावा ठोका था। अदालत में जवाब देते हुए जयराम रमेश ने यह तो मान लिया था कि उन्होंने ऐसी पत्रकार वार्ता की है। पर वह पेशी पर हाजिर नहीं हुए। मुकदमे की पेशी पर गैर

हाजिर रहने के कारण उन्हें 5000 का जुर्माना भी अदालत द्वारा लगाया गया था।

इसके बाद जब जयराम रमेश कोर्ट में पेश हुए तो उन्होंने न्यायाधीश से आग्रह किया था कि वह स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री धूमल से मुलाकात कर इस विषय पर बात करेंगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश इसी सिलसिले में शनिवार देर शाम समीरपुर पहुंचे थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल से मुलाकात कर इस मुद्दे पर बात की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जयराम रमेश ने लिखित रूप में पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल से 2015 में की गई उस पत्रकार वार्ता में लगाए झूठे और निराधार आरोपों के ऊपर खेद प्रकट किया है और यह कहा है कि उन्होंने जो आरोप लगाए थे वह उन्हें वापस लेते हैं। उन्हें गलत जानकारी उपलब्ध करवाई गई उन्हें गलत तथ्य बताए गए जिस कारण ऐसा हुआ जयराम रमेश ने यह भी लिखा है कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल वरिष्ठ राजनीतिज्ञ है और वह उनका बहुत सम्मान करते हैं।

जयराम रमेश ने कहा कि उन्हें खेद है उन्होंने ऐसा किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने जय राम रमेश को कहा है कि अगर वह अपने द्वारा की गई गलती पर बुरा महसूस कर रहे हैं खेद प्रकट करते हैं तो वह इस केस को आगे नहीं चलाएंगे।

मोदी ने तंजानिया की राष्ट्रपति के साथ की द्विपक्षीय वार्ता, आपसी हित पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने भारत-तंजानिया संबंधों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच घनिष्ठ और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा करने के तरीकों पर भी चर्चा की। द्विपक्षीय वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की जिसमें व्यापक क्षेत्रों पर बातचीत हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एजेंडे में व्यापार और निवेश, रक्षा और समुद्री सुरक्षा, विकास साझेदारी, उच्च शिक्षा और लोगों से लोगों के बीच संबंध शामिल हैं। हसन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। वह 8 अक्टूबर को नई दिल्ली पहुंची थीं। इससे पहले उनका राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया।

दिल्ली हाईकोर्ट का नई सीआरपीसी व भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में संशोधन का सुझाव

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सुझाव दिया है कि संसद की चयन समिति नई आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 438, जिसे बीएनएसएस कहा जाता है, में संशोधन पर विचार करे, जो एक आरोपी को दोषमुक्ति पर निजी बांड भरने की आवश्यकता से संबंधित है।

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की खंडपीठ ने होगा शब्द को हो सकता है से बदलने और जमानत या जमानत बांडर को जमानत के साथ या बिना व्यक्तिगत बांड से बदलने का सुझाव दिया। अदालत अनिवार्य आवश्यकता के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, खासकर उन मामलों में जहां आरोपी को जमानत न मिलने के कारण बरी होने के बाद जेल में रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है। सीआरपीसी की धारा 437ए में कहा गया है कि एक आरोपी को जमानतदारों के साथ जमानत

बांड भरना होगा और जब उच्च न्यायालय फैसले के खिलाफ दायर अपील या याचिका के संबंध में नोटिस जारी करता है तो उसे उसके समक्ष उपस्थित होना होगा। यह आवश्यकता बरी होने के बाद छह महीने तक बढ़ जाती है। यह प्रावधान नए विधेयक - भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) विधेयक, 2023 - की धारा 438 में प्रतिबिंबित है, जिसका उद्देश्य 1973 की सीआरपीसी को प्रतिस्थापित करना है। केंद्र के वकील ने अदालत को सूचित किया कि संसद में विचाराधीन नए आपराधिक कानून इस मामले का समाधान करेंगे।हालांकि, पीठ ने कहा कि नई सीआरपीसी में धारा 483 भी इस मुद्दे का समाधान नहीं करती है, क्योंकि यह जमानत बांड को अनिवार्य बनाती है। इसलिए, अदालत ने सुझाव दिया कि चयन समिति करेगा को हो सकता है से बदल दे और जमानत या जमानत बांड को जमानत के साथ या बिना व्यक्तिगत बांड से बदल दें।

यह मानते हुए कि नए आपराधिक कानूनों में संशोधन में कुछ समय लग सकता है, पीठ ने ट्रायल कोर्ट को सीआरपीसी का धारा 437 ए से संबंधित मामलों में होगा को हो सकता है और जमानत या जमानत बांड को जमानत के साथ या बिना व्यक्तिगत बांड के रूप में पढ़ने का निर्देश दिया। अदालत ने इस निर्देश की प्रतियां प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को उनके जिलों के सभी न्यायिक अधिकारियों और चयन समिति को विचारार्थ प्रसारित करने के लिए उपलब्ध कराने का आदेश दिया।

सीएम धामी ने लांच किया रोजगार प्रयाग पोर्टल और युवा उत्तराखंड एप, बांटे नियुक्ति पत्र

देहरादून, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। देहरादून में आयोजित उत्तराखंड युवा महोत्सव में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने 10 हजार से भी अधिक युवाशक्ति को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने रोजगार प्रयाग पोर्टल और युवा उत्तराखंड एप को लांच किया। साथ ही सेवायोजन कार्यालयों में स्वरोजगार केन्द्रों का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर रोजगार मेलों के माध्यम से चयनित 17 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। साथ ही विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन भी किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, विधायक खजानदास, मेयर सुनील उनियाल गामा भी मौजूद रहे।

कारगिल चुनाव में मिली जीत से नेकां-कांग्रेस सदस्यों में खुशी, लड्डू बांटकर मनाया जश्न

जम्मू, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अनुच्छेद 370 के हटाए जाने के बाद केंद्र शासित लद्दाख में हुए पहले चुनाव में नेकां और कांग्रेस को भारी बहुमत मिला है। लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी) कारगिल के चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) कों 12 और कांग्रेस को 10 सीटें मिली हैं। इसे लेकर नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस सदस्यों में खुशी का माहौल है। सोमवार को जम्मू समेत अन्य जिलों में नेकां और कांग्रेस सदस्यों ने लड्डू बांट कर जीत की खुशी मनाई। कई जगहों पर ढोल की थाप पर पार्टी कार्यकर्ता थिरकते भी नजर आए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा- तेलंगाना और मध्यप्रदेश में भी खुलेगी मोहब्बत की दुकान

कारगिल चुनाव में कांग्रेस ने भारी जीत हासिल की है, जिसके चलते जम्मू कश्मीर के कांग्रेस के नेता गदगद हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव व जम्मू नगर निगम के पूर्व चेयरमैन सतीश शर्मा ने अपने समर्थकों के साथ जीत पर जश्न मनाया। मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। पूर्व चेयरमैन ने कहा कि जिस तरह से कारगिल हिल काउंसिल के चुनाव कांग्रेस के प्रत्याशियों को जनता का समर्थन मिला है, उससे एक बात साफ हो गई है कि इंडिया गठबंधन बनने के बाद जीत का आगाज जम्मू कश्मीर के कारगिल से हुआ है।

उन्होंने कहा कि इसी वर्ष 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में हम लोग राजस्थान और छत्तीसगढ़ में वापसी कर रहे हैं। तेलंगाना और मध्यप्रदेश में जीत कर वहां भी राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान खोलने जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा ने कारगिल में जीत के लिए हर संभव प्रयास किया और अपने कई दिग्गज नेता यहां उतारे, मगर कारगिल की जनता ने उनके हर प्रयास को नकार कांग्रेस और नेकां के प्रति अपना विश्वास जताया है।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में पहुंचे मख्यमंत्री सुक्खू लोकसभा चुनाव पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने भी मंथन शुरू कर दिया है। सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू इस बैठक में शामिल हुए। बैठक में लोकसभा चुनाव पर भी चर्चा की गई। वहीं, कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशियों को फील्ड में भेजकर जनता की टोह लेने को कह दिया है।

राज्य में लोकसभा की चार सीटें हैं। इनमें से मात्र मंडी संसदीय सीट ही कांग्रेस के पास है। हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव का जिम्मा मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर रहेगा। ऐसे में उनके लिए यह चुनाव चुनौती से कम नहीं होगा। केंद्र में भाजपा की सरकार है। सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस पार्टी सुक्खू सरकार की ओर से लिए गए जनहित के फैसलों पर चुनाव लड़ेगी। हिमाचल प्रदेश में आपदा भी अहम मुद्दा रहेगा। केंद्र सरकार की ओर से अब तक हिमाचल प्रदेश के लिए आपदा राहत राशि जारी नहीं हुई है। सुक्खू सरकार ने 4500 करोड़ रुपये की आपदा राहत राशि की घोषणा की है।

'हमास' के समर्थकों ने क्यों कहा हम भारत से लेंगे बदला! इन चार गैंग को दिया बड़ा टारगेट

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास की वेबसाइट को इस्राइल पर हमले के बाद हैक कर लिया गया। ऐसा करने से हमास की अपने समर्थक देशों को दी जाने वाली न सिर्फ जानकारी बल्कि मांगे जाने वाले सहयोग का रास्ता बंद हो गया है। अपने ऊपर हुए साइबर अटैक से बौखलाए फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास के समर्थक साइबर हैकर्स ने अपनी हैक की हुई वेबसाइट के पीछे भारत का हाथ बताया है। यही नहीं हैकर्स के कई ग्रुप ने मिलकर भारत की कई वेबसाइट को निशाना बनाने की कोशिश भी की।

खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक, इन आतंकी समर्थकों के हैकर्स ग्रुप में सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि अमेरिका, फ्रांस, यूक्रेन जैसे देशों में भी साइबर हमले करने की चेतावनी दी है। हमास समर्थको के इन हैकर्स का कहना है कि भारत ने इस्राइल को मदद का भरोसा दिया है इसलिए वह उनके साइबर स्पेस में बड़ा युद्ध करने वाले हैं। फिलहाल, अमर उजाला के पास इन इंटरनेशनल गैंग की ओर से हमास का पक्ष लेते हुए भारत को धमकी देने वाला पूरा कच्चा चिट्ठा मौजूद है।

सूत्रों के अनुसार, फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास की ओर से इस्राइल पर किए गए अब तक के सबसे बड़े हमले के बाद उनके साइबर सिस्टम को पूरी तरीके से ध्वस्त कर दिया गया। हमास के साइबर सिस्टम के ध्वस्तीकरण के बाद उनकी ओर से तकनीकी तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली उन सभी व्यवस्थाओं पर रोक लग गई, जिससे वह अपने नेटवर्क को युद्ध के इस दौर में बहुत बड़ी उम्मीद के साथ अपने समर्थक देश से संपर्क में बनाए हुए थे। सूत्रों के मुताबिक, रविवार सुबह दस बजे बाद (इस्राइल के समयानुसार) हमास की वेबसाइट को हैक करके उसका पूरा नेटवर्क ध्वस्त कर दिया गया। इसके अलावा वेबसाइट पर इस्लामिक आंदोलन की ओर से जारी की गई सूचनाओं को भी पूरी तरीके से बदल दिया गया।

दरअसल, जानकारों का कहना है कि इस्राइल पर हमले के दौरान ही आतंकी संगठन हमास की वेबसाइट से अपने समर्थकों के लिए कई तरह

के संदेश भी प्रसारित किए जा रहे थे। इसमें आतंकी संगठनों न सिर्फ अपने आंदोलन के बारे में जानकारियां साझा की हुई थी, बल्कि इस्राइल पर हुए हमले को जायज ठहराने के अपने तर्क भी दिए गए थे। सूत्रों के मुताबिक जैसे-जैसे इस्राइल ने हमास के ऊपर हमले तेज करना शुरू किया, उसी के साथ साइबर स्पेस में भी युद्ध का आगाज हो गया। इस्राइल के समय अनुसार सुबह तकरीबन 10 बजे इस वेबसाइट के हैक होने के साथ ही हमास समर्थको ने इसके पीछे न सिर्फ भारतीय हैकर के हाथ होने की बात कही। बल्कि साथ ही साथ भारत की कई वेबसाइट पर भी अटैक करने की योजनाएं बनानी शुरू कर दी। इस साइबर वार में आतंकी संगठनों के समर्थकों की ओर से न सिर्फ भारत बल्कि अमेरिका फ्रांस यूक्रेन जैसे देशों में भी साइबर स्पेस में युद्ध की घोषणा की गई।

खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, दुनिया के अलग-अलग देशों से वेबसाइट को हैक करने वाले गैंग हमास के समर्थन में सक्रिय हो गए। इन गैंग में सिलहट गैंग, गार्नेशिया टीम, पैनोक टीम समेत गैनोसेक ने हमास की वेबसाइट को हैक किए जाने का बदला लेने के लिए भारत सरकार की कुछ वेबसाइट पर अटैक करने की तैयारी शुरू कर दीं। खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इस दौरान गार्नेशिया टीम में कहा कि इस्राइल के समर्थन में भारत की ओर से फलस्तीन की हमास फोर्स की वेबसाइट पर हमला बोला गया है। भारतीय हैकर्स की ओर से ही उनकी इस महत्वपूर्ण वेबसाइट को युद्ध के सबसे महत्वपूर्ण दौर में हैक करके उनको कमजोर करने की कोशिश की गई है। इसलिए अब उनके गैंग भारत की वेबसाइट पर साइबर अटैक करके इजरायल के समर्थक होने का सबसे बड़ा बदला लेगी।

केंद्रीय खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक, सिर्फ गार्नेशिया टीम ही नहीं बल्कि अन्य इंटरनेशनल हैकर्स के ग्रुप ने भारत के साथ-साथ अमेरिका फ्रांस यूक्रेन समेत कुल सभी देशों को धमकी दी है, जिन लोगों ने इस्राइल के समर्थन में मदद को हाथ बढ़ाया है। हालांकि, इन हैकर्स की धमकी का कोई असर भारत पर नहीं हुआ। सूत्रों का कहना है कि हैकरों के अंतरराष्ट्रीय गैंग की ओर से की जाने वाली इस तरीके की हरकत की जानकारी उनको बहुत पहले ही मिल चुकी थी। इसलिए वह इससे निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

सूत्रों का कहना है कि इस दौरान हमास के समर्थक साइबर हैकर गैंग में दिल्ली सरकार की वेबसाइट को हैक करने का दावा किया। हालांकि हैकर्स का यह दावा महज अफवाह ही थी क्योंकि जिस दिल्ली सरकार की साइट को हैक करने का दावा हमास समर्थक हैकर्स कर रहे थे वह सही रूप से काम कर रही थी। सूत्रों के मुताबिक जिस तरीके से इजराइल में हमास की ओर से युद्ध की शुरुआत की गई है उसका असर साइबर स्पेस वॉर के तौर पर भी आने वाले दिनों में जबरदस्त रूप से देखा जाएगा। हालांकि, हमास समर्थकों ने जिन देशों में इस तरीके के हमले की चेतावनी दी है वह सभी देश साइबर स्पेस में सबसे मजबूत माने जाते हैं। बावजूद इसके हर स्तर पर इसकी निगरानी और मजबूती के साथ हमले का जवाब देने की तैयारी की जा चुकी है।

मोदी फिर पीएम बनना चाहते हैं ! चुनाव हुए तो जीतेंगे कहाँ से ?

श्रवण गर्ग

सत्ता के गर्भ में आकर ले रहे अज्ञात भय की किसी अपेक्षित घड़ी में जन्म लेने की प्रतीक्षा तो थी पर प्रसव-पीड़ा समय-पूर्व ही होती नज़र आ रही है ! आश्चर्य यह है कि जनता भी आश्चर्यचकित नहीं है ! उसके पीछे कारण भी हैं । 'नोटबंदी' और 'लॉक डाउन' जैसे अचानक से फटने वाले बादलों की आपदा से गुज़र जाने के बाद जनता भी 'अनुभवी और जानकार' बन गई है। जो कुछ भी चलता हुआ दिखाई दे रहा है वह 'जो आगे हो सकता है 'से अलग नहीं माना जा सकता। आगे होने वाला एक लंबे काल तक चल सकता है। आशंकाएं निर्मूल साबित हो जाएँ तो उससे ज़्यादा सुखद और क्या हो सकता है ? लगता नहीं !

'न्यूज़ क्लिक' जैसी छोटी सी कंपनी और कार्यक्रमों के बदले मानदेय के भुगतान के आधार पर उसके साथ जुड़े चार दर्जन पत्रकारों और अन्य लोगों से उनके घरों और पुलिस ठिकानों पर की गई पूछताछ के मामले को सिर्फ़ मीडिया की आज़ादी पर हमले तक ही सीमित करके ही नहीं देखा जाना चाहिए। इसे भी कोई संयोग नहीं माना जाना चाहिए कि 'न्यूज़ क्लिक ' के ख़िलाफ़ हुई कार्रवाई के इर्द-गिर्द ही 'आप' सांसद संजय सिंह की गिरफ़्तारी किसी अन्य मामले में हो गई। अब भय व्यक्त किया जा रहा है कि आगे आने वाले दिनों में ऐसी ही कुछ और भी घटनाएँ सुनने-देखने और भोगने को मिल सकती हैं। 'न्यूज़ क्लिक' के ख़िलाफ़ दाखिल एफ़आईआर में कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। 'न्यूज़ क्लिक' ने सभी आरोपों को बोगस करार दिया है।

चर्चा का मुद्दा यहाँ यह है कि जो हुकूमत अपने दस सालों के अस्तित्व के अंतिम चरण में चारों ओर से अपार संकटों में घिरी हो उसके मुखिया और पार्टी को मीडिया और विपक्ष के साथ किस तरह का व्यवहार करना चाहिए ? उसे अपना लोकतांत्रिक चेहरा प्रकट करना चाहिए या उसके कदमों से अधिनायकवाद की पदचाप सुनाई पड़ना चाहिए ? पश्चिम के प्रजातांत्रिक मुल्कों का निष्पक्ष मीडिया मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत की गिनती उन उन मुल्कों में करता रहा है जहां या तो आंशिक (Partial) लोकतंत्र है या फिर सिर्फ़ चुनावी (Electoral) प्रजातंत्र क़ायम है ! पूर्ण प्रजातंत्र नहीं है।

अमित शाह ने दो साल पहले दावा किया था कि प्रधानमंत्री निरंकुश या तानाशाह नहीं हैं। वे सभी की बात धैर्यपूर्वक सुनकर ही फ़ैसले लेते हैं । पिछले दो सालों में काफ़ी कुछ बदल गया है ! क्या अमित शाह अपने उक्त दावे को आज भी उतने ही विश्वास के साथ दोहराना चाहेंगे ? अगर सब कुछ ठीक चल रहा है तो फिर विपक्षी दलों और मीडिया में आपातकालीन परिस्थितियों वाला डर क्यों व्याप्त है ? क्या इंदिरा गांधी की तरह मोदी भी सत्ता छूटने की आशंकाओं से घबरा गए हैं ?

राहुल गांधी की ऐतिहासिक 'भारत जोड़ो यात्रा' को प्राप्त हुए अभूतपूर्व जन-समर्थन, अट्ठाईस दलों के विपक्षी गठबंधन, एक के बाद एक राज्य में होती भाजपा की पराजय, संसद के विशेष सत्र और महिला विधायक की असफलता, बिहार के जाति जनगणना से मुखर हुआ पिछड़े वर्गों का असंतोष, मणिपुर की अनियंत्रित होती स्थिति और पार्टी-नेतृत्व को मध्यप्रदेश-राजस्थान में अपने ही नेताओं से मिलतीं चुनौतियाँ अंगुलियों पर गिनाए जा सकने वाले ऐसे कुछ मुद्दे हैं जिनसे मोदी को एक साथ जूझना और अकेले लड़ना पड़ रहा है। चीन और कनाडा सहित इनमें कुछ और भी विषय जोड़े जा सकते हैं।

जनता के बीच लोकप्रियता को लेकर 'गोदी मीडिया' द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षणों में दावे किए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ही आज भी जनता की पहली पसंद हैं। सर्वेक्षणों में यह नहीं बताया जा रहा है कि मोदी किस आधार पर फिर सत्ता में आ सकते हैं। भाजपा की घटती लोकप्रियता और एक सशक्त विपक्षी गठबंधन के बीच होने वाले मुक़ाबले में एनडीए को प्राप्त हो सकने वाली सीटों की संख्या सर्वेक्षणों में नहीं बताई जा रही है। अगर बताई भी जा रही है तो यह साफ़ नहीं किया जा रहा है कि भाजपा को बहुमत जितनी सीटें किन राज्यों से प्राप्त होंगी !

हक़ीक़त यह है कि लोक सभा की 543 सीटों में लगभग तीन सौ सीटें ऐसे राज्यों में केंद्रित हैं जहां विपक्ष की राज्य सरकारें हैं। दक्षिण भारत(150 सीटें)के किसी भी राज्य में भाजपा की सरकार नहीं है और न ही वहाँ कोई भी सत्तारूढ़ दल एनडीए का हिस्सा है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, पंजाब , दिल्ली और हिमाचल (120 सीटें) में विपक्षी सरकारें हैं। एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव होने जा रहे हैं। इन राज्यों में 65 सीटें हैं। इनमें दो राज्यों (राजस्थान ,छत्तीसगढ़) में अभी कांग्रेस है (कुल 36 सीटें)। यूपी (80), महाराष्ट्र (48) ,गुजरात (26) अलग हैं। आपातकाल (1975-'77) के दौरान भी एक बड़ी संख्या इंदिरा गांधी के ऐसे समर्थकों की थी जो विपक्षी दलों और मीडिया के ख़िलाफ़ कार्रवाई का समर्थन करते थे। उनका मानना था आपातकाल की अवधि में देश ने काफ़ी तरक़्क़ी की है, भ्रष्टाचार कम हुआ है, काम वक्त पर होने लगे हैं, ट्रेनें समय पर चलने लगीं हैं और देश में अनुशासन क़ायम हुआ है। जेलों में बंद लोग मानकर चल रहे थे कि आपातकाल लंबा चलने वाला है।

इंदिरा गांधी ने जब जनवरी 1977 में आपातकाल ख़त्म कर चुनाव करवाने की अचानक घोषणा कर दी तो किसी को यक़ीन नहीं हुआ। घोषणा से पहले गुप्तचर एजेंसियों ने उन्हें यक़ीन दिलाया था कि जनता के बीच लोकप्रियता के चलते वे चुनावों में जीत जाएँगी। इंदिरा गांधी ने तब अपने कुछ अत्यंत नज़दीकी लोगों से कथित तौर पर कहा था कि वे हारने वाली हैं फिर भी चुनाव करवा रहीं हैं। वे अंततः हार भी गईं।

जनता की नब्ज पर मज़बूत पकड़ रखने वाले मोदी जानते हैं कि उनके 2014 और 2019 के तिलिस्म में विपक्षी दलों को एकजुट कर राहुल गांधी ने सेंध लगा दी है ! इंदिरा गांधी की तरह मोदी भी समझते होंगे कि लोकप्रियता को लेकर चलने वाले सर्वेक्षणों की ज़मीनी सचाई और असली आँकड़े अलग हैं। सवाल सिर्फ़ यह बच जाता है कि ऐसी विपरीत परिस्थितियों में भी क्या चुनाव समय पर करवाए जाएँगे ? भाजपा को अगर बहुमत नहीं मिलता है तो क्या इंदिरा गांधी की तरह मोदी विपक्ष में बैठने को तैयार हो जाएँगे ? या फिर सत्ता में बने रहने के लिए वे कोई भी कदम उठा सकते हैं ?

संकटों के इतने मोर्चों पर एक साथ लड़ने के बीच भी मोदी द्वारा इस दावे को लगातार दोहराते रहने के पीछे कि वे ही फिर से प्रधानमंत्री बनने वाले हैं कोई तो अदृश्य ताक़त या मंत्र काम कर रहा होगा ? क्या उस ताक़त या मंत्र की जड़ें विपक्षी दलों के नेताओं और मीडियाकर्मियों के ख़िलाफ़ की जा रही कार्रवाई में नहीं तलाशी जा सकतीं ?

http://shravangarg1717.blogspot.com

युद्ध के मुहाने पर दुनिया

हमास और इजराइल के बीच युद्ध जैसा भीषण टकराव कोई नया नहीं है। इन दोनों के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी, गोलन हाइट्स पर कब्जे को लेकर अक्सर टकराव होते रहे हैं। दोनों पक्षों और पूर्वी येरूशलम में नागरिकता को लेकर दोहरी नीति आदि मसलों पर विवाद की जड़ें बहुत गहरी हैं। मामला इतना बिगड चुका है कि इजराइल और फिलस्तीन अक्सर बात बिना बात पर भी आमने सामने जा जाते हैं। इजराइल के समूचे इलाके में हालात तो पहले ही काफी जटिल थे लेकिन गाजा पट्टी की ओर से शनिवार को किए गए हमास के राकेट हमले के बाद हालात बेकाबू हो गए। इस तरह के हमले की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को तुरंत ही इसे 'जंग की स्थिति' कहना पड़ा। उन्होंने यहां तक कहा कि दुश्मनों को ऐसी कीमत चुकानी होगी, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा भी नहीं होगा। दूसरी ओर, हमास के एक नेता ने भी धमकी दी है कि 'अब बहुत हो चुका'। यानी एक तरह से हमास और इजराइल के बीच खुले युद्ध का एलान हो चुका है, अब नहीं चाहने के बावजूद दुनिया के सामने एक और ऐसी त्रासदी को देखने की नौबत आ गई है, जिसमें आखिरी खमियाजा आम लोगों को ही भुगतना पड़ेगा। ताजा हमले में हमास का दावा है कि उसने मात्र बीस मिनट के भीतर इजराइल पर पांच हजार राकेट दागे। इसके अलावा, हमास के कई आतंकी भी इजराइली सीमा के भीतर दाखिल हो गए और उन्होंने वहां के कई सैनिकों को पकड़ने का भी दावा किया। जवाब में इजराइल ने भी हमास को सबक सिखाने का दावा किया है। दोनों तरफ जान-माल का अच्छा खासा नुकसान हुआ है। साथ ही हिज्बुल्ला के भी मैदान में कूद पड़ने से नए समीकरण बनने के संकेत हैं। इजराइल और हमास के बीच टकराव से इस बार न केवल उस समूचे क्षेत्र में तस्वीर ज्यादा बिगड़ने की आशंका है, बल्कि इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी असर पड़ सकता है। बता दें कि पहले दिन ही फ्रांस, जर्मनी और यूरोपीय संघ ने जहां हमास के हमलों की निंदा की, वहीं ईरान की ओर से हमास का समर्थन करने की खबरें आईं हैं। मतलब साफ है कि इस मसले पर खेमेबाजी शुरू हो गई है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि ताजा घटनाक्रम का अंतिम परिणाम क्या होगा? इसलिए स्वाभाविक ही इजराइल में भारतीय दूतावास ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए वहां रह रहे भारतीय सतर्क रहें और स्थानीय प्रशासन की ओर से दिए जा रहे दिशानिर्देशों का पालन करें। इस बार हमास के तेज हमले और उसके प्रति इजराइल की प्रतिक्रिया में जिस स्तर का तीखापन देखा जा रहा है, उसमें हालात तुरंत संभलने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। इजराइली सेना ने भी युद्ध की घोषणा कर दी है। अब युद्ध और हिंसा का दायरा तेजी से फैल रहा है जाहिर है इसकी चपेट में अधिक संख्या में आम नागरिक ही आएंगे। बता दें कि इजराइल की कट्टर नीतियों और कई बार आक्रामक फैसलों को लेकर फिलस्तीन के विद्रोही गुट हमास की ओर से आक्रामक प्रतिवाद किया जाता रहा है। दुर्भाग्य से इस मसले के हल या शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई ठोस पहलकदमी नहीं देखी गई है। इसलिए हमास के हमले और उसके जवाब में इजराइल की प्रतिक्रिया का नतीजा क्या निकलना है, यह समझा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के नतीजे में केवल प्रभावित इलाकों के नागरिक ही मुश्किल में नहीं है, बल्कि अनाज की आपूर्ति से लेकर अन्य संबंधित मामलों और कारोबार पर भी इसका बुरा असर पडेगा। अब इजराइल और हमास के टकराव के बाद भी युद्ध के जटिल हालात खड़े होते हैं, तो उसका हासिल सिर्फ एक नई त्रासदी ही होगी। जाहिर है युद्ध किसी समस्या का हल नहीं है।

लगता है चुनाव आ गया है !

सुनील कुमार महला

हाल ही में 6 अक्टूबर को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने फ्रीबीज मामले पर सुनवाई करते हुए केंद्र और दो राज्य सरकारों को नोटिस जारी किए हैं और अदालत ने चार हफ्तों में इस मामले में सरकारों से अपना जबाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल माननीय सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किए हैं। यह बहुत ही संवेदनशील है कि चुनावों के दौरान राजनितिक दलों द्वारा वोटर्स को फ्रीबीज या मुफ्त के उपहार के वादे किए जाते हैं और फ्रीबीज की रेवड़ियां बांटी जाती हैं। ये मुफ्त की रेवड़ियां बांटना किसी भी हालत में ठीक व जायज नहीं ठहराया जा सकता है। यदि देश में फ्रीबीज जारी रहता है तो निश्चित ही यह हमारे देश को भविष्य की आर्थिक आपदा की ओर ले जाएगा। जानकारी देना चाहूंगा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया हाल ही में कुछ समय पहले की 31 मार्च 2023 तक की रिपोर्ट में सामने आया है कि मप्र, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल जैसे राज्य टैक्स की कुल कमाई का 35% तक हिस्सा फ्री की योजनाओं पर खर्च कर देते हैं। पंजाब 35.4% के साथ सूची में टॉप पर है। मप्र में यह हिस्सेदारी 28.8%, राजस्थान में 8.6% है। आंध्र अपनी आय का 30.3%, झारखंड 26.7% और बंगाल 23.8% तक फ्रीबीज के नाम कर देता है। केरल 0.1% हिस्सा फ्रीबीज को देता है। सच तो यह है कि भारतीय राजनीति में सत्ता पाने के लिए विभिन्न राजनीतिक दल विभिन्न प्रकार की लोक लुभावन घोषणाएं करने में पीछे नहीं रहते हैं और भारतीय राजनीति में यह सिलसिला आज से नहीं चला है, यह बहुत पहले से ही चला आ रहा है। जैसे ही चुनाव नजदीक आते हैं, वैसे ही राजनीतिक दल लोकलुभावन घोषणाओं का अंबार लगा देते हैं और फ्रीबीज के नाम पर वोटर्स को अपनी ओर खींचते हैं।पिछले कई सालों से तो यह सिलसिला लगातार चला आ रहा है, जो लोकतंत्र के लिए बहुत ही घातक है।चुनाव आते ही राजनीतिक पार्टियां वोटरों को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादे कर देती हैं और इसे इसे ही वास्तव में राजनीतिक भाषा में फ्रीबीज या रेवड़ी कल्चर कहा जाता है। जानकारी देना चाहूंगा कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाषणों में इस रेवड़ी कल्चर को देश के लिए नुकसानदायक परंपरा बता चुके हैं। किसी ने फ्रीबीज कल्चर पर बिल्कुल ठीक ही कहा है कि 'गरीब की थाली में पुलाव आ गया है...लगता है शहर में चुनाव आ गया है।' वास्तव में भारत की राजनीति पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं। बहरहाल, यहां यह बात उल्लेखनीय है कि अभी राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम में विधानसभा के चुनाव नवंबर-दिसंबर में होने वाले हैं और अब विभिन्न सरकारें आए दिन लोक लुभावन घोषणाएं कर रही हैं। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने लोक लुभावन घोषणाओं पर सख्ती दिखाते हुए मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बारे में जहां एक ओर मध्यप्रदेश व राजस्थान की सरकार से जवाब मांगा है तो चुनाव आयोग से भी इस संदर्भ में चार हफ्ते में जवाब देने को कहा गया है। जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में शीर्ष अदालत ने केन्द्र सरकार व भारतीय रिजर्व बैंक को भी इस संबंध में नोटिस जारी किया है। फ्रीबीज के नाम पर कोई फ्री बिजली दे रहा है तो कोई इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप,स्कूटी, पानी।

कोई फ्रीबीज के नाम पर आम आदमी के खातों में रूपए भेज रहा है तो कोई फ्री अनाज, चावल,आटा, तेल बांट रहा है। चुनाव नजदीक आते ही यह सिलसिला शुरू हो जाता है।

योगी का सहयोगी संघवाद

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश की एक नई और चमकदार तस्वीर प्रस्तुत की है. यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने कासंकल्प किया. संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में निरन्तर प्रयास चल रहे हैं. उत्तर प्रदेश देश की इस विकास यात्रा भी सर्वाधिक उल्लेखनीय योगदान दे रहा है. नए भारत का नया उत्तर प्रदेश तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है। केन्द्र तथा राज्य सरकार ने प्रत्येक गरीब को आवास,शौचालय, रसोई गैस सिलेण्डर, बिजली से रोशनी आदि सुविधाएं सुलभ करायी हैं। प्रदेश सरकार हर तबके को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ दे रही है। पहले सरकारें कुछ खास क्षेत्रों पर ध्यान देती थीं,जबकि वर्तमान सरकार बिना भेदभाव के पूरे प्रदेश को योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर में छह नोड्स विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने बुन्देलखण्ड क्षेत्र में पेयजल की समस्या के निदान के लिए हर घर नल योजना प्रारम्भ की है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में हर घर नल योजना के कार्य को युद्धस्तर पर क्रियान्वित करने के लिए काम जारी है। ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ते हुए गोल्डन कार्ड प्रदान किए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार के सहयोग से प्रदेश सरकार सभी गरीबों को निःशुल्क पक्के घर उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में दो करोड़ इकसठ लाख परिवारों को शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश के सभी जनपदों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। केन्द्र सरकार के सहयोग से प्रदेश सरकार सभी गरीबों को निःशुल्क पक्के घर उपलब्ध करा रही है। प्रदेश के सभी जनपदों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।विकास के नए आयाम गढ़े हैं और एक नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर देश के सामने प्रस्तुत की है। आज राष्ट्रीय फलक पर एक ऐसा उत्तर प्रदेश उभरकर आया है, जिसकी छवि बीमारू राज्य की नहीं, बल्कि एक ऐसा विकासशील राज्य की है जो भारत की प्रगति में बढ़-चढ़कर अपना योगदान दे रहा है। योगी आदित्यनाथ नरेन्द्र नगर उत्तराखण्ड में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक सम्मलित हुए. उन्होंने कहा कि विगत नौ वर्षों में देश और दुनिया ने एक नये भारत का दर्शन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की हैं। बदलते हुए भारत ने विश्व में अपने सामर्थ्य का परिचय दिया है। अमृत काल के प्रथम वर्ष में दुनिया के 20 बड़े देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता भारत को प्राप्त होना तथा नई दिल्ली में जी-20 समिट का सफल आयोजन इसी श्रृंखला का हिस्सा है। इसके इवेंट यूपी के चार जनपदों में हुए. इन आयोजनों के द्वारा विश्व के देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष उत्तर प्रदेश की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, इतिहास रहन-सहन, खान-पान और विगत छह वर्षों से उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, तकनीक, डिजिटल इण्डिया, कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग, तकनीक के माध्यम से भ्रष्टाचार को कम करने व व्यवसाय का उपयुक्त माहौल प्रदान करने में की गई प्रगति सम्बन्धी कार्यवाहियों को प्रदर्शित करने का सुअवसर मिला। प्रधानमंत्री के टीम इण्डिया विजन से सहकारी संघवाद की अवधारणा साकार हो रही है। मध्य क्षेत्रीय परिषद सहकारी संघवाद को सुदृढ़ करते हुए प्रधानमंत्री के एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी। सहकारी संघवाद की एक अभिव्यक्ति क्षेत्रीय परिषद भी है। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुशल नेतृत्व प्रदान करते हुए क्षेत्रीय परिषदों को सक्रिय किया है। उत्तर प्रदेश अगले पांच वर्षों में अपनी अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर का आकार देने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश देश में गन्ना, चीनी और एथनॉल उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। स्मार्ट गन्ना किसान के माध्यम से ऑनलाइन पर्ची सिस्टम लागू किये जाने पर भारत सरकार द्वारा ई-गवर्नेंस पुरस्कार प्रदान किया गया है। छह वर्षों में दो लाख स्त्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है। दो करोड़ बासठ लाख कृषकों किसान सम्मान निधि प्रदान की जा रही है. इसमें देश में उत्तर प्रदेश अव्वल है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनकी सम्पत्ति का मालिकाना हक दिलाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना संचालित है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनकी सम्पत्ति का मालिकाना हक दिलाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना संचालित है। छह वर्षों में प्रदेश में चौबन लाख गरीबों को आवास स्वीकृत किए गए हैं। एक करोड़ इकसठ् लाख परिवारों हर घर नल कनेक्शन से जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत अब तक पौने दो करोड़ महिलाओं को गैस कनेक्शन दिया गया है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अड़तीस लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने के लिए पच्चीस हजार से अधिक एमओयू हस्ताक्षरित किए गए.लखनऊ और हरदोई के बीच एक हजार एकड़ में टेक्सटाइल पार्क स्थापित होगा. पंद्रह लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों करीब दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित किया गया है। कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। सभी अठारह मण्डलों में अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना की गयी है। पोषाहार आपूर्ति व्यवस्था में बदलाव कर स्थानीय महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। प्रत्येक दो ब्लॉकों के बीच एक प्लाण्ट लगाया जा रहा है, जिसमें पोषाहार का उत्पादन स्थानीय महिलाएं कर रही हैं।

युवाओं में बढ़ रही हताशा का नतीजा है सुसाइड केस?

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया के सबसे ज्यादा युवा आबादी वाले देश में आत्महत्या की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। आए दिन समाचार पत्रों में महिलाओं द्वारा बच्चों समेत जहर खाकर अथवा अन्य कोई तरीका अपना कर आत्महत्या करने के समाचार आते रहते हैं वहीं दूसरी ओर कर्ज चुकाने में असमर्थ या प्यार में धोखा खाए कुछ लोग भी की बार एकल या सपरिवार सुसाइड कर लेते हैं यह समाचार भी लगातार सुर्खियां बनते रहते हैं इन्हीं के बीच अब किसानों की आत्महत्या के मामले तो कम सुर्खियां बटोर रहे हैं लेकिन नीट आइआइटी प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे किशोर व युवा छात्रों की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं किशोर व युवा छात्र-छात्राओं द्वारा परीक्षाओं की तैयारी अथवा परीक्षाओं में अनुकूल रिजल्ट नहीं मिल पाने पर लगातार मौत को गले लगाना घोर चिंता का विषय बना हुआ है। राजस्थान के एजुकेशन हब सिटी बतौर पहचान रखने वाले कोटा शहर में तो पानी सर के ऊपर निकल चुका है वहां इस साल के नो महिने में कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले 28 छात्र छात्रा मौत को गले लगा चुके हैं। यह हालत दिल दहला देने वाले हैं। अब वह माता-पिता जो इंजीनियर और डॉक्टर बनने की चाह में अपने बेटे बेटियों को घर परिवार से सैकडो हजार किलोमीटर दूर कोटा जैसे कोचिंग शहर में बेहतर भविष्य की तलाश में कोचिंग सेंटर में लाखों रुपए देकर प्रवेश कराते हैं जब उनके जिगर का टुकड़ा बीच पढ़ाई के रास्ते में ही अचानक दम तोड़ देता है तो उनके दिल पर क्या बीतती होगी इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। कोटा के कोचिंग सेंटर में पिछले 10 साल के अंदर करीब दो सौ से अधिक परिवार अपने घर के चिराग बुझा चुके हैं यह आंकड़े बेहद दिल दहला देने वाले हैं जब भी कोई नई घटना होती है तो सरकार और मीडिया में शोर शराबा होता है टेलीविजन पर डिबेट होती है तमाम तरह के उपाय उठाने की बात कही जाती हैं लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात क्योंकि हजारों करोड़ का व्यवसाय कर रहे शहर के कोचिंग व्यवसाईयों पर इन सुसाइड केसों से कोई फर्क नहीं पड़ता किसी सरकार किसी मंत्री किसी शिक्षा विभाग पर भी इन सुसाइड केस से कोई संवेदना नहीं जागती सिर्फ दिखावे भर के लिए सरकारी तंत्र और हजारों करोड़ का व्यवसाय कर रहे कोचिंग मलिक एक-दो दिन के लिए मगरमच्छी आंसू बहाते हैं इसके बाद कैस को साइड बैक करने के लिए तमाम तरह के प्रयास किए जाते हैं। छात्रों के मनोरंजन व तनाव दूर करने के लिए तनाव में होने पर उन्हें समय रहते काउंसलिंग कराने के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन स्थिति इसके बिलकुल उलट होती है नीट और आइआइटी जीमैंस की तैयारी करने के लिए आने वाले लाखों छात्र छात्राओं पर इतना अधिक तनाव भरा बोझ लाद दिया जाता है कि वह उसके नीचे दबकर रह जाते हैं एक और माता -पिता का लाखों का खर्चा दूसरी ओर माता-पिता की महत्वाकांक्षाएं और उसके बाद बच्चे का मनोबल बढ़ाने के लिए कोई भी साधन पास उपलब्ध नहीं होना लगातार बच्चों में अवसाद का कारण बनता है। यह स्थिति बेहद खतरनाक है और आगे आने वाले समय में सुसाइड नहीं होंगे इसकी कोई गारंटी नहीं है दरअसल, यह एक जटिल समस्या के रूप में चिह्नित किया जा सकता है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान पढ़ाई-लिखाई में उपजी नई परिस्थितियां कुछ विद्यार्थियों के सामने ऐसा दबाव पैदा कर रही हैं कि कई बार वे उसे बर्दाश्त कर पाने में सक्षम नहीं हो पाते और आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं।

इस स्थिति की मूल वजहों के साथ-साथ समस्या यह भी है कि ऐसी स्थिति में पड़े बच्चों को ठीक समय पर आसपास का सहयोग नहीं मिल पाता है और वे अपने उलझे हालात में और गहरे पंसते चले जाते हैं। ऐसे में स्कूलों या शैक्षिक संस्थानों के भीतर भी अगर कोई ऐसा तंत्र खड़ा किया जा सके जो दबाव और उससे उपजी परिस्थितियों का सटीक आकलन करे और इसके असर में पड़े विद्यार्थियों की पहचान करके समय पर ठोस मदद मुहैया कराए तो इस समस्या पर काबू पाना मुश्किल नहीं है। इस मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के हाल ही में जारी दिशानिर्देश एक बेहतर रास्ता तैयार करने की कोशिश है, जिसे विकसित करने के पीछे का मुख्य विचार है। हर बच्चे का महत्त्व है। इसके तहत स्कूलों को संवेदनशीलता और समझ बढ़ाने के साथ-साथ अपना नुकसान करने से बचाने के लिए बच्चों को समय पर सहायता प्रदान करने को कहा गया है। यों भी आत्महत्या आमतौर पर अचानक उपजी परिस्थिति का नतीजा नहीं होते और इसमें सामाजिक धारणाएं और सोच एक प्रमुख कारक और प्रभाव के रूप में काम करती हैं।

इसलिए दिशानिर्देश में स्कूलों, अभिभावकों और समुदाय के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने खुदकुशी को रोकने और आत्मघाती व्यवहार से जुड़ी नकारात्मक सोच को खत्म करने के मकसद से सामाजिक सहयोग और समर्थन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है।लेकिन आप जानते हैं कि सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सिर्फ़ कागजों पर किया जाता है अब इन सुझावों व गाइडलाइंस पर कितना व किस गंभीरता से अनुपालन किया जाएगा यह कहना मुश्किल है।

मुझसे शादी करोगी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मैं अपनी माँ से बहुत प्यार करता हूँ। लेकिन इन दिनों उनसे बहुत परेशान भी हूँ। वह बात-बात में चिढ़ जाती है। कहती है – "तू मुझे अच्छी माँ, प्यारी माँ जैसी बातों से बहलाने-फुसलाने की कोशिश मत कर। तू यह बता मुझे दादी कब बना रहा है?" मैं माँ को कैसे समझाऊँ कि तुझे दादी बनाने के लिए मुझे पहले शादी करनी होगी। उसके लिए एक लड़की चाहिए होती है, जो कि अमेजॉन या फ्लिपकार्ट में ऑनलाइन ऑर्डर करने से होम डिलेवरी नहीं होती। उसके लिए पहले पहल मैं किसी लड़की को पसंद आऊँ तो बात बनें। मैं ठहरा काला-कलूटा। थोबड़ा ऐसा कि बच्चा चोर लगता हूँ। लोग कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज द बेस्ट इंप्रेशन। मेरा तो फर्स्ट इंप्रेशन इज द लास्ट इंप्रेशन है। अब भला मुझे कौन लड़की देगा। ऊपर से सरकारी नौकरी भी नहीं है। प्राइवेट कंपनी में धक्के खा-खाकर दो चीज़ें हासिल की हैं, एक हर दो महीने में जूते घिस जाते हैं और दूसरा टेंशन के मारे झड़ते हुए सिर के बाल। किसी दिन मेरा थोबड़ा और गंजापन मुझे भूतिया फिल्मों का खलनायक बनाकर ही छोड़ेगा। किसी ने खूब कहा है सूरत क्या देखते हो सीरत देखिए। यह जिस किसी ने भी कहा है वह मुझे मिल जाए तो मैं उसकी बैंड बजा दूँ। कल की ही बात है मैं अपने ध्यान में मग्न सड़क के एक किनारे चला जा रहा था। उधर दूसरी ओर से एक लड़की आ रही थी। उसकी शक्ल भी कुछ खास नहीं थी। न जाने उसे क्या हुआ मुझे देखते ही दूसरी ओर हो ली। मुझे कभी-कभी संदेह होता है कि मेरे चेहरे पर कहीं खतरे का निशान वाला बोर्ड तो नहीं लगा है। जिसे देखो उसे मुझसे कन्नी काटने में ही भलाई समझता है। इतना ही नहीं जब से लड़कियों के साथ बलात्कार के मामले बढ़े हैं तब से सारी लड़कियाँ और यहाँ तक कि कुछ उम्रदराज औरतें भी पल्लू से खुद को ऐसे ढक लेती हैं जैसे पूरे देश में बलात्कार के मामले मुझी पर चल रहे हैं। दुनिया को छोड़िए साहब। मेरे माँ-बाप को ही ले लीजिए। जब मैं पैदा हुआ था और उन्होंने मुझे गोदी में लेकर देखा तो उनकी प्रतिक्रिया चौकाने वाली थी। उनके मुँह से हल्की सी चीख निकल पड़ी। अस्पताल के वार्ड में उपस्थित लोगों को लगा हो न हो इनको लड़की हुई है। उस दिन से आज तक मेरी माँ का एक ही लक्ष्य रहा कि किसी भी सूरत में मुझे गोरा बनाया जाए। माँ ने रसोईघर में माइकल जैक्सन का पोस्टर लगाए बार-बार यही रट्टा लगाती कि जब उसकी माँ कर सकती है तो मैं क्यों नहीं कर सकती। मेरे बदन को बादाम तेल का अखाड़ा और भैंस के दूध का डायरी फार्म बना दिया था। मैं आज वयस्क हो चुका हूँ बावजूद इसके माँ मुझे कभी चाय या कॉफी को हाथ लगाने नहीं देती। उन्हें भय है कि कहीं इसे पीकर मेरा लड़का एकदम डामर न बन जाए। यहाँ तक कि बूस्ट और बोर्नवीटा से भी परहेज करती है। उनका मानना है कि जिस रंग की वस्तुओं का सेवन करते हैं हम उसी रंग में ढल जाते हैं। यही कारण था कि मुझे केवल और केवल सफेद वस्तुएँ खिलाई जाने लगीं, जैसे चावल के साथ दही, इड्ली के साथ नारियल की चटनी आदि। मैं माँ को कैसे समझाता कि कोयले को लाख धोओ वह उज्ज्वल नहीं बन सकता। आदमी का गोरा या काला होना अपने हाथ में थोड़े न होता है। आनुवंशिकता भी कोई चीज कहाती है। मेरे दादा काले और अमीर थे। मेरी दादी गोरी और गरीब थी। परिणाम यह हुआ कि मेरे तक आते-आते मैं काला और गरीब निकला। वहीं मेरे चचेरे भाई-बहन गोरे और धनी निकले। वे मेरा मजाक उड़ाते हुए कहते कि तू तो बड़ा किस्मत वाला है। जब चाहें तब धूप में निकल सकता है, हमारी ऐसी किस्मत कहाँ। मुझे उन पर बड़ा गुस्सा आता। क्या मेरी चमड़ी, चमड़ी नहीं है? क्या यह गोरी चमड़ी की तरह नहीं जलती है? कैसे बताऊँ ऐसे लोगों कि मेरी चमड़ी भी तुम्हारी जैसी है।

आज भूलकर भी ना करें यह काम

आश्विन मास की कृष्णपक्ष श्राद्धपक्ष की एकादशी को इंदिरा एकादशी के नाम से जाना जाता हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इंदिरा एकादशी का व्रत एवं पूजन करने से साधक के सभी पापों का नाश हो जाता हैं, और मृत्यु के बाद उसको यमलोक की यातनायें नही सहन करनी पड़ती बल्कि उसे स्वर्ग की प्राप्ति होती हैं।

इन्दिरा एकादशी व्रत का महत्व

हिंदु धर्मग्रंथो के अनुसार इन्दिरा एकादशी का व्रत एवं पूजन करने से मनुष्य के सभी पापों का नाश होता हैं और मृत्यु के बाद स्वर्ग की प्राप्ति होती हैं। इस व्रत के विषय में भगवान श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर को बताया था। इस एकादशी का व्रत एवं पूजन करने से साधक को अनेक यज्ञों के समान पुण्य प्राप्त होता हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्दिरा

एकादशी के दिन व्रत एवं पूजन करने से –

1. पितृ-दोष से मुक्ति मिलती हैं।
2. पितरों को अधोगति से सद्गति प्राप्त होती हैं।
3. अपने पूर्वजों (पितरों) के निमित्त इस व्रत को करने से या इस व्रत का पुण्य उनको देने से उन्हे स्वर्ग की प्राप्ति होती हैं।
4. पितरों की शांति के लिये भी इस व्रत को किया जाता हैं।
5. इस व्रत को करने से मनुष्य को धन-समृद्धि की प्राप्ति होती हैं।

इंदिरा एकादशी पर क्या करें?

1. पितरों की शांति के लिये इस दिन भगवान विष्णु की प्रतिमा के सामने बैठकर श्रीमद्भगवत गीता का पाठ करें।
2. इस दिन तुलसी का और पीपल का पौधा लगाने का भी विशेष महत्व हैं।
3. इस दिन पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाने से आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होती और मनुष्य ऋण मुक्त हो जाता हैं।

एकादशी व्रत की विधि

इन्दिरा एकादशी का व्रत एक दिन पूर्व यानी दशमी तिथि से ही आरम्भ हो जाता है। दशमी के दिन एक ही समय भोजन करना चाहिये और ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिये।

1. इन्दिरा एकादशी के दिन प्रातः काल स्नानादि नित्य कर्मों से निवृत होकर व्रती को निराहार व्रत का संकल्प लेना चाहिये।
2. संकल्प लेने के बाद कलश की स्थापना करके उस पर शालिग्राम जी की प्रतिमा रखें। फिर उसकी पूजा करें।
3. भगवान शालिग्राम की प्रतिमा को पंचामृत से स्नान करवायें।
4. धूप, दीप जलाकर रोली-चावल से पूजा करें। फल-फूल अर्पित करें। नैवेद्य चढ़ायें।
5. भगवान शालिग्राम को तुलसी अवश्य से चढ़ायें।
6. विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।
7. इसके बाद इंदिरा एकादशी व्रत का महात्म्य और कथा पढ़े या सुनें। कथा सुनने के बाद आरती करें।
8. विधि विधान से श्राद्ध करके ब्राह्मणों को फलाहार करायें।
9. स्वयं दिनभर निर्जल एवं निराहार रहकर व्रत करें। यदि शक्ति ना हो तो जलीय आहार और फलाहार कर सकते हैं।
10. अगले दिन द्वादशी को ब्राह्मण को भोजन करवायें और यथाशक्ति दान-दक्षिणा दे कर संतुष्ट करें।
11. फिर उसके बाद अपने बंधु-बांधवों के साथ मौन रहकर खाना खायें।
12. व्रत की रात को जागरण अवश्य करें।

इस व्रत के दिन काम-क्रोध-आलस्य का त्याग करके सात्विक जीवन जीयें।

यदि आप स्वंय ये पूजा नही कर सकते तो किसी योग्य विद्वान ब्राह्मण से भी पूजन करवा सकते हैं।

इन्दिरा एकादशी पर क्या ना करें?

1. इस दिन स्त्रियाँ सिर से स्नान न करें। यानि बाल न धोयें।
2. भोजन में चावल का सेवन न करें।
3. व्रत करने वाला इस दिन सात्विक जीवन जीये और ब्रह्मचर्य का पालन करें।
4. क्रोध और आलस्य बिल्कुल ना करें।

श्राद्ध में इन रूपों में आते हैं पितर, भूलकर भी घर से ना भगाएं

29 सितंबर से पितृ पक्ष का आरम्भ हो चुका है तथा इस के चलते पूर्वजों को याद करके उनके नाम का अनुष्ठान एवं तर्पण किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि श्राद्ध पक्ष में पितर धरती पर आते हैं। माना जाता है कि पितृ पक्ष में पितरों का संबंध प्रकृति से भी होता है। पितृ पक्ष में इंसान से लेकर पक्षी तक कई रूपों में पितर आपके द्वार पर आ सकते हैं। बस हम उन्हें पहचान नहीं पाते हैं। आइये आपको बताते हैं कि पितृ पक्ष में पितर आपके घर में किन किन रूपों में आ सकते हैं।

*** कौए-** पितृ पक्ष में घर आए कौए को कभी भगाए नहीं बल्कि कौए को भोजन दें। ऐसा नहीं करने पर पितर नाराज हो सकते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, श्राद्ध पक्ष में 15 दिन तक कौए के द्वारा ही पितर अन्न ग्रहण करते हैं। इससे न केवल वो तृप्त होते हैं बल्कि अपने परिजनों को खुशहाल जीवन का आशीर्वाद देते हैं।

*** गरीब या जरूरतमंद-** पितृ पक्ष के समय यदि घर में कोई मेहमान, गरीब एवं असहाय व्यक्ति द्वार पर आए तो उसका कभी अनादर न करें। बल्कि इनके लिए भोजन की व्यवस्था करें।

*** कुत्ता या गाय-** श्राद्ध पक्ष में गाय और कुत्ते का द्वार पर आना बहुत शुभ माना जाता है। यदि ये रास्ते में भी दिख जाए तो इन्हें मारकर भी नहीं भगाना चाहिए। कुछ न कुछ खाने को अवश्य दें।

क्या आपको भी है पितृदोष? तो श्राद्ध एकादशी पर अपनाएं ये उपाय, मिलेगी निजात

पितृ पक्ष का आरंभ 29 सितंबर 2023 से हो चूका है। अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की इंदिरा एकादशी 10 अक्टूबर 2023 को रखा जाएगा। इंदिरा एकादशी के दिन व्रत करने से इंसान को यमलोक की यातना का सामना नहीं करना पड़ता। इस दिन मघा श्राद्ध किया जाएगा। अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को इंदिरा एकादशी के नाम से जाना जाता है। एकादशी का व्रत मनुष्य को पाप कर्मों से मुक्त करता है। वर्ष की सभी एकादशी अहम है मगर पितृ पक्ष में आने वाली इंदिरा एकादशी का बात विशेष है। ग्रंथों में बताया गया है कि श्राद्ध के दिनों में विष्णु पूजा करने से भी पितर तृप्त हो जाते हैं। ज्योतिषशास्त्र के मुताबिक, जिन लोगों की कुण्डली में पितृदोष लगा हो उनके लिए यह एकादशी एक वरदान है। इस दिन पितृ के निमित गुड़-तिल का पिंड बनाकर चढ़ाया जाता है तथा उसे सूंघकर गाय को खिला देते हैं। इंदिरा एकादशी के विशेष पूजन व्रत व उपाय से पितृ दोष में मुक्ति प्राप्त होती है।

शालिग्राम जी का विग्रह व पितृ यंत्र व चित्र रखें तथा स्टील का कलश स्थापित करें। कलश में जल, दूध, सुपारी हल्दी व सिक्के डालें, कलश के मुख पर अशोक के पत्ते रख कर उस पर नारियल रखें और विधिवत पूजन करें। शुद्ध घी का दीप करें, चंदन की अगरबत्ती जलाएं, चंदन चढ़ाएं, सफ़ेद फूल चढ़ाएं, साबुदाने की खीर का भोग लगाएं एवं 11 केले चढ़ाएं। पितृ के निमित गुड़ तिल के 11 पिण्ड अर्पित करें। तुलसी की माला से 108 बार यह विशेष मंत्र जपें। पूजन उपरांत खीर प्रसाद स्वरूप बांटे।

स्पेशल पूजन विधि:

घर की दक्षिण दिशा में सफ़ेद कपड़ा बिछाकर

स्पेशल मंत्र: ॐ विष्णवे मुक्तानां परमगतये नमः॥

स्पेशल मुहूर्त: दिन 12:10 से शाम 15:00 तक।

अचूक टोटका: पितृ दोष से मुक्ति के लिए तुलसी पत्र मिला दही शहद का घोल शालिग्राम पर चढ़ाकर पितृ के निमित दान करें।

आम नहीं होती श्राद्ध भोजन की थाली

श्राद्ध में भोजन परोसने की सही विधि

पितृपक्ष का आरम्भ 29 सितंबर से हो चुका है इसका समापन 14 अक्टूबर को होगा। श्राद्ध पक्ष में पितरों के लिए पिंडदान, तर्पण आदि जैसे कर्मकांड किए जाते हैं। तर्पण के उपरांत ब्राह्मणों को भोजन कराने का भी विधान है। धार्मिक मान्यता है कि श्राद्ध में कराया गया भोजन पितरों तक पहुंचता है और वो प्रसन्न होते हैं। क्या आप जानते हैं श्राद्ध का भोजन एनी दिनों के भोजन से अलग होता है। श्राद्ध के भोजन में लहसुन,प्याज,मसूर दाल,मांसाहार आदि चीज़ें वर्जित होती हैं। जैसा कि सब जानते हैं श्राद्ध का भोजन पांच स्थान पर निकाला जाता है। उन्हीं में ब्राह्मणों को भी भोजन कराया जाता है। श्राद्ध के दौरान भोजन पकाने के ही नहीं बल्कि उसे परोसने के भी कुछ नियम और विधि है। आइए जानते हैं क्या है श्राद्ध का भोजन परोसने की सही विधि।

श्राद्ध का भोजन परोसने के नियम

श्राद्धपक्ष के दौरान सर्वप्रथम पितृपात्र निकाला जाता है। यानी पितरों के लिए पितरों के लिए थाली परोसी जाती है। इसको परोसते समय थाली को हमेशा उल्टी दिशा रखें और भस्म की रेखा बनाएं। भोजन परोसने के लिए केले के पत्ते या मोहा नाम के वृक्ष के पत्तों से बनी पत्तल का इस्तेमाल करें। जब भी ब्राह्मणों को भोजन परोसें तो इस बात का ध्यान ज़रूर रखें कि श्राद्ध के भोजन में उनकी थाली में अलग से नामक बिलकुल न रखें। पका हुआ अन्न या मिष्ठान जैसे पूड़ी या लड्डू को हमेशा हाथ से परोसें। एनी वस्तुओं के लिए चम्मच का प्रयोग कर सकते हैं।

श्राद्ध का भोजन परोसने की विधि

श्राद्ध के लिए थाली के बाएं,दाएं,सामने और मध्य यानी चारों भागों में पदार्थ बताए गए हैं।
सर्वप्रथम थाली में देसी घी लगाएं।
इसके बाद मध्य भाग में चावल और खीर परोसें।
भाजी-तरकारी आदि को दाई ओर परोसें।
इसके बाद चटनी, कचूमर या नीम्बू आदि को बाई ओर परोसें।
सामने की ओर कढ़ी, पापड़,पकौड़ी और लड्डू जैसे पदार्थ रखें।
सबसे अंत में चावल के ऊपर देसी घी और तडके वाली दाल परोसें।
भोजन परोसते समय इन बातों का भी दें ध्यान
पितृपक्ष के दौरान श्राद्ध भोज कर रहे हैं तो कम से कम एक ऐसी चीज़ ज़रूर बनाएं जो आपके पितृ को पसंद थी।
जब भी श्राद्ध का भोजन परोसें तो मन में किसी भी प्रकार का भेदभाव न रखें।
जब तक श्राद्ध विधि पूरी न हो जाएं और ब्राह्मण भोज न हो जाए घर के किसी भी सदस्य को अन्न न दें।

नवरात्रि पर नहीं किए ये 5 काम तो अधूरी रह जाएगी पूजा

त्योहार कोई भी हो मार्केट में उसकी झलक सबसे पहले देखने को मिलती है। अक्तूबर माह में आने वाली शारदीय नवरात्रि हम सभी के लिए खास है। इस बार इसकी शुरुआत रविवार 15 अक्तूबर 2023 से हो रही है। वहीं 24 अक्तूबर को विजयदशमी का त्योहार मनाया जाएगा। मां दुर्गा को समर्पित यह पर्व पूरे नौ दिनों तक चलेगा। नवरात्रि में माता रानी के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। हर दिन का अपना अलग महत्व होता है। नवरात्रि के त्योहार की धूम मंदिर से लेकर पूजा पंडाल व घर-घर में नजर आती हैं। इस दौरान कलश की स्थापना भी की जाती है। परिवार के साथ पूजा करते हुए सभी लोग माता रानी का आशीर्वाद भी लेते हैं। साथ ही कुछ लोग इस दौरान अखंड ज्योत भी जलाते है। इस दौरान पूजा के सभी नियमों का विशेष ध्यान रखा जाता है। अक्सर लोग नवरात्रि की पूजा में गलतियां कर देते हैं, जिस पर उनका ध्यान नहीं जाता।

नवरात्रि हवन

किसी भी पूजा या उपवास को तब तक पूरा नहीं माना जाता है, जब तक हवन ना किया जाए। नवरात्रि में हवन जरूर करना चाहिए। यह आपके उपवास को पूरा करता है। इसके बिना आपकी पूजा पूर्ण नहीं होगी। हवन करने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी प्राप्त होती है।

कलश स्थापना

नवरात्रि पूजा में कलश स्थापना का अपना अलग महत्व है। देवी पुराण के अनुसार, मां भगवती की पूजा से पहले कलश स्थापना जरूरी है। कहा जाता है कि पूजा के दौरान कलश को देवी की शक्ति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाता है। इसलिए कलश को स्थापित करना ना भूलें।

आरती करना

आमतौर पर व्यस्त रहने के कारण कुछ लोग आरती किए बगैर ही उपवास रख लेते हैं। हालांकि, यह तरीका गलत है। यदि आप नवरात्रि का उपवास कर रहे हैं तो नियमनुसार आरती करें। इससे आपके व्रत को पूर्ण माना जाता है।

मां दुर्गा माता का श्रृंगार

आपकी पूजा में माता का 16 श्रृंगार होना बेहद जरूरी है। जिनमें बिंदी, सिंदूर, लाल चूड़ी, मेहंदी, बाजूबंद, हाथ फूल, मांग टीका, झुमके, नथ, काजल, मंगलसूत्र, लाल चुनरी, कमरबंद, कुमकुम, पायल और बिछिया का नाम शामिल है।

कन्या पूजन

नवरात्रि की पूजा में कन्या पूजन बेहद शुभ माना जाता है। वह सभी कन्या देवी के समान होती है। इसलिए अष्टमी या नवमी के दिन कन्या पूजन करना चाहिए। हालांकि, आम दिनों में भी कन्याओं की सेवा करनी चाहिए। यह बेहद खास माना जाता है।

यदि आर्थिक तंगी के कारण नहीं कर पा रहे श्राद्ध, तो ज़रूर करें ये उपाय

पितृपक्ष आरम्भ हो चुका है। यह 29 सितम्बर से आरम्भ हुआ था और 14 अक्टूबर यानी सर्व पितृ अमावस्या तक रहेंगे। 14 अक्टूबर को ही सूर्य ग्रहण भी पड़ रहा है। पितृपक्ष में लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध करते हैं। हर व्यक्ति अपनी सामर्थ्य अनुसार श्राद्ध करता है जिससे पितृ प्रसन्न होते हैं और पितृ दोष से मुक्ति भी मिलती है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में पितृदोष लगता है तो उनकी उन्नति में रुकावट आती है। पितृ दोष के कारण सभी तरह के मांगलिक कार्य रुक जाते हैं।

धर्म ग्रंथों के अनुसार विधि-विधान पूर्वक श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। लेकिन कई बार आर्थिक तंगी झेल रहे लोग विधिपूर्वक श्राद्ध कर्म कर पाने में असमर्थ होते हैं। ऐसे में पितृ दोष होने से कई प्रकार की समस्याएं जीवन में बनी रहती हैं। पुराणों के अनुसार, ऐसी स्थिति में पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर कुछ साधारण उपाय करने से भी पितर तृप्त हो जाते हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वो उपाय-

यदि कोई व्यक्ति धन की कमी के कारण श्राद्ध नहीं कर पा रहे है तो उन्हें बहुत ही साधारण तरीके के उपाय करने चाहिए। इनमें से यदि कोई एक उपाय कर लिया तो आपको पितृ दोष से मुक्ति मिलेगी।

जिस स्थान पर आप पीने का पानी रखते हैं वहां रोज शाम को शुद्ध घी का दीपक लगाएं। इस उपाय को करने से पितरों की कृपा आप पर हमेशा बनी रहेगी। लेकिन इसके साथ ही इस बता का भी ध्यान रखें कि वहां झूठे बर्तन न रखें।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन चावल के आटे के 5 पिंड बनाएं व इसे नदी में बहा दें।

गाय के गोबर से बने कंडे को जलाकर उस पर गूगल के साथ घी,जौ,तिल व चावल मिलाकर घर में धूप करें।

इसके अलावा विष्णु भगवान के किसी मंदिर में सफेद तिल के साथ कुछ दक्षिणा अपनी श्रद्धा और सामर्थ्यानुसार (रुपए) भी दान करें।

कच्चे दूध,जौ,तिल व चावल मिलाकर नदी में बहा दें। ये उपाय सूर्योदय के समय करें तो अच्छा रहेगा।

श्राद्ध के बाद ब्राह्मण को भोजन कराएं या सामग्री जिसमें आटा, फल, गुड़, सब्जी और दक्षिणा दान करें।

यदि आप श्राद्ध नहीं कर सकते तो किसी नदी में काले तिल डालकर तर्पण करें, इससे भी पितृ दोष में कमी आती है। श्राद्ध पक्ष में किसी विद्वान ब्राह्मण को एक मुट्ठी काले तिल दान करने से पितृ प्रसन्न हो जाते हैं।

10 साल में कितनी बदल गई हैं खुशी कपूर, दांत में ब्रेसेस और उलझे बाल हुआ करते थे

बोनी कपूर और श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर बचपन में अक्सर अपनी मां के साथ देखी जाती थीं। शर्मीले नेचर की खुशी बड़े होने के साथ काफी बदल गई हैं। उनकी पुरानी फोटोज और अब के लुक को देखकर उन्हें पहचान पाना भी मुश्किल है।

बोनी कपूर और श्रीदेवी की छोटी बेटी के रूप में पहचाने जाने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, ख़ुशी कपूर ने एक लंबा सफर तय किया है। हमें वह समय याद है जब ख़ुशी सहमी हुई थीं और अक्सर फैमिली ट्रिप पर अपनी मां और बहन जान्हवी के साथ तस्वीरें खिंचवाती थीं। उसी ख़ुशी में पिछले कुछ सालों में ज़बरदस्त बदलाव आया है। उनके सोशल मीडिया पेजों पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि वह कितनी बदल गई हैं। आइए दिखाते हैं कुछ ही सालों में खुशी कपूर का जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन।

बॉलीवुड में एक एक्ट्रेस हैं। ख़ुशी भी बॉलीवुड में अपना रास्ता बनाने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इससे पहले कि वह एक्टिंग को अपना करियर ब ना तीं , ख़ुशी ने लगभग 2 वर्षों के लिए मुंबई को अलविदा कह दिया ताकि वह अपनी आगे की पढ़ाई पूरी कर सकें। श्रीदेवी की बेटी जान्हवी कपूर समय के साथ बॉलीवुड में एक जाना-माना नाम बनती जा रही हैं और अब बारी है उनकी छोटी बेटी खुशी कपूर की। खुशी कपूर जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। इन दिनों ख़ुशी की खूबसूरती के खूब चर्चे हैं, लेकिन पहले की तस्वीरें देखकर आपको यकीन नहीं होगा कि ये ख़ुशी कपूर हैं।

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी और उनके पति बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर 'द आर्चीज' से बॉलीवुड में डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं। खुशी कपूर का लुक पहले से बिल्कुल बदल गया है, एक्ट्रेस में गजब का ट्रांसफॉर्मेशन आ गया है।

पहले वह थोड़ी मोटी हुआ करती थीं लेकिन अब उन्होंने खुद को पूरी तरह से बदल लिया है। उनकी तस्वीरें देखकर यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वह वही खुशी कपूर हैं। ख़ुशी कपूर के दांत में ब्रेसिज़ भी लगे थे, लेकिन उन्हें इसे लेकर कभी शर्मिंदगी नहीं हुई। अब, उनके दांत पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और वह किसी खूबसूरत एडल्ट से कम नहीं दिखती हैं। लॉकडाउन के दौरान वह वापस आईं और फिटनेस पर काम करना शुरू कर दिया। ख़ुशी ने नेटवर्क फिल्म एकेडमी से पढ़ाई की है। खुशी कपूर जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' में नजर आएंगी। इसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान खुशी से नजर आने वाली हैं। इतना ही नहीं, अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य नंदा भी उनके साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

आज की 'सैसी सं डे ' सी री ज में खुशी कपूर का ब द ला हुआ रूप दिखाएंगे।

उ न की ब ह न जा न्ह वी पहले से ही

कभी पत्नी शिवांगी कोल्हापुरे ने शक्ति कपूर के लिए छोड़ा था एक्टिंग करियर

बॉलीवुड एक्टर शक्ति कपूर ने एक इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ और शादी के बारे में बताया। पत्नी शिवांगी कोल्हापुरे के बारे में बताया कि कैसे उन्होंने उनके लिए काम छोड़ दिया। चाइल्ड एक्टर के तौर पर अपना करियर शुरू करने वाली उनकी पत्नी ने एक्टर के लिए अपना करियर छोड़ दिया। जिस तरह कहावत आपने सुनी है कि हर कामयाब आदमी के पीछे एक औरत का हाथ होता है। वैसे ही शक्ति कपूर भी अपनी लाइफ में सक्सेस का क्रेडिट पत्नी शिवांगी कोल्हापुरे को देते हैं। कई फिल्मों में खलनायकों की भूमिका निभाने के लिए मशहूर अभिनेता ने हाल ही में खुलासा किया कि उनकी पत्नी ने उनकी इच्छा पूरी करते हुए एक हाउसवाइफ बनने के लिए अपना एक्टिंग करियर छोड़ दिया। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, शक्ति कपूर ने अपनी लव स्टोरी सुनाई और बताया कि आखिरकार उनकी शादी कैसे हुई।

हाल ही में शक्ति कपूर ने खुलासा किया कि उनकी पत्नी शिवांगी कोल्हापुरे ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपना करियर शुरू किया था। उनकी पहली मुलाकात एक फिल्म में साथ काम करने के दौरान हुई थी। आपको बता दें कि शिवांगी पूर्व स्टार पद्मिनी कोल्हापुरे की छोटी बहन हैं। शक्ति से वह 12 साल छोटी हैं। शुरुआत में बतौर फैन उन्होंने शक्ति कपूर से मुलाकात की थी। साथ ही फोटो भी ली थी। एक्टर ने बताया, 'फिर हम मिले और मुझे प्यार हो गया। लेकिन मुझे समझ आ गया था कि इतनी खूबसूरत और घरेलू लड़की मुझे नहीं मिलेगी। मगर बाद में हम मिले और फिर साथ आ गए।'

पत्नी ने शक्ति कपूर के लिए छोड़ी एक्टिंग

हालांकि, एक्टर ने एक्सेप्ट किया कि वह प्यार में इतने गहरे डूब गए थे कि उसका असर काम पर पड़ रहा था। वह फोकस नहीं कर पा रहे थे। परेशान थे कि उनके रिश्ते का असर उनके करियर पर पड़ सकता है, उन्होंने उससे इस बारे में बात की। इससे शिवांगी काफी परेशान हो गईं। उन्होंने बताया, 'लोगों ने शिवांगी को फिल्में ऑफर करना शुरू कर दिया और उन्होंने आगे बढ़कर सावन कुमार तक की लैला साइन की। मेरी हालत खराब हो गई, क्योंकि मैं उसके जीवन में मजनू था।'

शादी को 40 साल हो गए

एक्टर आगे कहा, 'मैं उनके पास गया और विनती की कि काम मत करो। मैं तुम्हें एक हाउसवाइफ के रूप में चाहता हूं। हमने जल्द ही कोर्ट में शादी कर ली क्योंकि तब तक हमारे माता-पिता नहीं आए थे। उसके साथ 40 साल हो गए हैं। उसने मेरे लिए अपना करियर छोड़ दिया। मैं अब भी उसके सामने हाथ जोड़ता हूं।' मैंने अपने करियर के पीक पर शादी कर ली, और वह मेरे लिए और अधिक भाग्य और समृद्धि लेकर आई। फिर हमारे एक बेटा और बेटी हुए और हमारा परिवार पूरा हुआ।'

बॉक्स ऑफिस पर 'फुकरे 3' ने मारी 100 करोड़ क्लब में एंट्री

इस वक्त सिनेमाघरों में दो फिल्में शानदार कमा रही हैं, जिनमें से एक 'फुकरे 3' है और दूसरी फिल्म ' मि श न रानीगंज' है। 'जवान ' के सामने रिलीज हुई कम बजट की 'फुकरे' दर्शकों को अपनी सीट तक खींच पाने में सफल दिख रही है। इस फिल्म ने अब 100 करोड़ क्लब में एंट्री मार ली है।

'फुकरे 3' बॉक्स ऑफिस पर हाल की रिलीज हुई सारी फिल्मों 'मिशन रानीगंज' और 'थैंक यू फॉर कमिंग, 'दोनों' जैसी सारी फिल्मों पर भारी पड़ रही है। सिर्फ रविवार के कलेक्शन की बात करें तो इसने शाहरुख खान की 'जवान' को भी पछाड़ दिया है। 'फुकरे' की तीसरी फ्रेंचाइजी फिल्म 'फुकरे 3' लगातार बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखा रही है। मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट, पंकज त्रिपाठी, मंजोत सिंह, ऋचा चड्ढा डायरेक्टर जैसे कलाकारों ने अपने फैन्स का खूब मनोरंज किया है।

'फुकरे' के बाद 'फुकरे रिटर्न्स' और अब 'फुकरे 3' की कॉमेडी भी लोगों को खूब पसंद आ रही है। एक की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने 11 वें दिन रविवार को फिल्म ने 4.30 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस फिल्म ने 11 दिनों में 76.15 करोड़ रुपये की कमाई देशभर में की है। वहीं 'जवान' ने रविवार को 2.75 करोड़ रुपये की कमाई की है।

'फुकरे 3' वर्ल्डवाइड हुई 100 करोड़ के पार

वहीं वर्ल्डवाइड़ कमाई की बात करें तो 'फुकरे 3' ने 11 दिनों में वर्ल्डवाइड 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसने 10 दिनों में 96.40 करोड़ रुपये की कमाई की थी जबकि देशभर में ग्रॉस कमाई की बात करें तो ये 85.40 करोड़ रुपये के आसपास हुई।

भोली पंजाबन चूचा को रेस से बाहर करने के लिए लगाती हैं तिकड़म

हमेशा की तरह हनी (पुलकित सम्राट), चूचा (वरुण शर्मा), लाली (मनजोत सिंह) और पंडितजी (पंकज त्रिपाठी) अपने जाने-पहचाने किरदार में हैं। फुकरे अपनी फुकरेगिरी पर यहां भी उतर आए हैं। इस बार भोली पंजाबन (रिचा चड्ढा) जल संशाधन मंत्री के पद के लिए चुनाव लड़ रही हैं। वहीं दूसरी तरफ चूचा के भोलेपन और मासूमियत के कारण जनता उसे अपना नेता बनाना चाहती है। अब भोली पंजाबन चूचा को इलेक्शन की रेस से बाहर करने के लिए ऐसा तिकड़म लगाती है कि हनी, चूचा, पंडित जी और लाली को साउथ अफ्रीका जाना पड़ता है।

30 साल की वामिका गब्बी ने 'खुफिया' में तब्बू को चटा दी धूल, एक वक्त था जब इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं एक्ट्रेस

विशाल भारद्वाज की फिल्म 'खुफिया' 5 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। तब्बू, आशिष विद्यार्थी और अली फजल जैसे कलाकारों के साथ-साथ वामिका गब्बी ने भी लाइमलाइट बटोरी। या यूं कहें कि वह अकेले इन सब पर भारी पड़ गईं। उनकी एक्टिंग से लेकर उनका डांस, दर्शकों के दिलों में घर कर गया। उन्होंने 51 साल की तब्बू को भी अभिनय में टक्कर दे दी। उनकी मासूमियत और खूबसूरती ने सबको अपना दीवाना बना दिया।

फिल्म 'खुफिया' में चारू का रोल निभाने वाली वामिका गब्बी ने अपने अभिनय से दिग्गद अदाकारा तब्बू को भी पीछे छोड़ दिया। उन्होंने अपने हर तरह के इमोशन्स इस मूवी में दिखाए, जिसने लोगों को हिलाकर रख दिया। आज हम उनके बारे में आपको कुछ खट्टी-मीठी बातें बताने जा रहे हैं। वामिका गब्बी की उम्र 30 साल है। उनका जन्म 29 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ था। वामिका गब्बी ने बताया था कि उन्हें शाहिद कपूर की साली और करीना कपूर की बहन बनने का रोल मिला था। डांस क्लास से कुछ बच्चों को सेलेक्ट किया गया था। उसमें वो भी शामिल थीं। इस मूवी की शूटिंग उन्होंने 25 दिन की थी। और एक दिन के लिए उनको 400 रुपये मिलते थे। ऐसे करके उन्होंने 10 हजार रुपये कमा लिए थे।

वामिका गब्बी को एक्टिंग के अलावा पेंटिंग और डांसिंग का भी शौक है। वह जानवरों के साथ भी समय बिताना पसंद करती हैं।

वामिका गब्बी को पहला ब्रेक पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से मिला। उन्होंने पहले यो यो हनी सिंह के साथ 'तू मेरा 22 मैं तेरा 22' में काम किया था। वामिका गब्बी ने 2007 में डेब्यू किया और उसके बाद उन्होंने कई ऑडिशन्स दिए। लेकिन रिजेक्शन्स ज्यादा झेले। जिस कारण वह तंग आकर इस इंडस्ट्री को छोड़ना चाहती थीं। वामिका गब्बी को इस बीच विशाल भारद्वाज का एक प्रोजेक्ट मिला, जिसका नाम 'मिडनाइट्स चिल्ड्रेन' था। इसे पाकर वो खुश थीं लेकिन बाद में ये कैंसिल हो गया। वामिका गब्बी ने दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के साथ फिल्म 83 में भी काम किया है। 'लव आज कल' में भी साइड रोल कर चुकीं 'ग्रहण' और 'जुबली' एक्ट्रेस वामिका गब्बी अब वरुण धवन के साथ फिल्म VD18 में नजर आएंगी। इसके अलावा वह 'चार्ली चोपड़ा' में भी अहम भूमिका में दिखेंगी। वामिका गब्बी ने इंस्टाग्राम पर बताया था कि सड़क पर 10 रुपये में बच्चों को बेचे जा रहे मुर्गी के बच्चों को उन्होंने बचाया था। वह उन्हें अपने घर पर लेकर आई थीं। 2013 में आई फिल्म 'सिक्सटीन' में वामिका गब्बी को लीड रोल मिला था।

सनी देओल के बेटे राजवीर की फिल्म तीन दिनों में 1 करोड़ भी नहीं कर पाई पार, 'थैंक यू फॉर कमिंग' का भी बुरा हाल

पिछले हफ्ते तीन नई फिल्में रिलीज हुईं, जिसमें से एक सनी देओल के बेटे राजवीर की फिल्म भी थी, जो डिजास्टर साबित हुई है। राजश्री प्रॉडक्शन की ये फिल्म तीन दिनों में 1 करोड़ भी नहीं कमा पाई है। वहीं महिलाओं के यौन सुख से जुडी इच्छाओं की कहानी 'थैंक यू फॉर कमिंग' इससे बेहतकर साबित हुई है।

लंबे समय तक शाहरुख खान की फिल्म 'जवान', सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' और कॉमेडी फिल्म 'फुकरे 3' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब तहलका मचाया है और अब नई फिल्मों की बारी है। पिछले वीकेंड तीन नई फिल्में 'दोनों', 'थैंक यू फॉर कमिंग' और 'मिशन रानीगंज' जैसी फिल्में रिलीज हुई हैं। सनी देओल के बेटे राजवीर देओल और पूनम ढिल्लों की बेटी पालोमा ढिल्लों ने 'दोनों' से डेब्यू किया है, लेकिन उनकी ये फिल्म दर्शकों को खींच पाने में बुरी तरह से असफलत साबित हुई है। वहीं महिलाओं के यौन सुख को लेकर उनकी इच्छाओं पर बेस्ड कहानी 'थैंक यू फॉर कमिंग' में भूमि पेडनेकर और शहनाज गिल जैसी एक्ट्रेस हैं, लेकिन ऐसा लग रहा है कि ऐसे सब्जेक्ट पर बनी फिल्मों को अभी दर्शकों को खींच पाने के लिए और भी मशक्कत करने की जरूरत है। वहीं अक्षय कुमार और परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'मिशन रानीगंज' इन तीनों फिल्मों के बीच बाजी मारती दिख रही है। आइए जानते हैं कि रविवार को इन फिल्मों का हाल सिनेमाघरों में कैसा रहा है।

सनी देओल के बेटे और धर्मेन्द्र के पोते राजवीर देओल ने इसी फिल्म से इंडस्ट्री में कदम रखा है। रोमांटिक फिल्मों के लिए खास राजश्री प्रॉडक्शन की इस फिल्म को लेकर उम्मीदें तो काफी थी, लेकिन तीन दिनों के बाद भी ये नाकाम साबित होती दिख रही है। इसी फिल्म से ''मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन'जैसी शानदार फिल्मों के लिए जाने जानेवाले सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश बड़जात्या ने डायरेक्शन की दुनिया में कदम रखा है। इस फिल्म ने तीन दिनों में जितनी कमाई की है, उसके आधार पर इसे डिजास्टर बताया जा रहा है।

तीन दिनों में 'दोनों' ढाई करोड़ भी न कमा पाई

पहले ही दिन ओपनिंग पर फिल्म ने करीब 35 लाख रुपये की कमाई की है। वहीं रविवार को 'दोनों' ने सबसे अधिक कमाई की जो मात्र 30 लाख रुपये है। इस तरह से तीन दिनों के भीतर इस फिल्म ने 90 लाख रुपये की कमाई की है।

वहीं अनिल कपूर के दामाद करण बुलानी निर्देशित फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' में भूमि पेडनेकर,डॉली सिंह,शिबानी बेदी,शहनाज गिल,कुशा कपिला,अनिल कपूर,करण कुंद्रा जैसे कलाकार नजर आए। 'वीरे दी वेडिंग' की सफलता को देख शायद ये अंदाजा लगाया गया हो कि इस ज़नर की फिल्में अपना दम दिखा सकती हैं, लेकिन ऐसा सच होता नहीं दिख रहा। ऐसा माना जा रहा था कि फिल्म खास क्लास के दर्शकों को अपनी तरफ जरूर खींचेगी और ये नंबर्स अच्छे साबित हो सकते हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर तीन दिनों में जो कमाई के नंबर्स आए हैं वो हैरान करने वाले हैं।

तीन दिनों में केवल 4.22 करोड़ रुपये की कमाई

बताया जाता है कि करीब 1.06 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ इस फिल्म ने रविवार को सबसे अधिक कमाई 1.70 करोड़ रुपये की, लेकिन ये नंबर्स इतने भी नहीं कि जश्न मनाने का माहौल बन सके। फिल्म ने तीन दिनों में केवल 4.22 करोड़ रुपये की कमाई की है।

'मिशन रानीगंज' ने बाजी मारी

इन सभी फिल्मों की तुलना में 'मिशन रानीगंज' ने बाजी मारी है और तीन दिनों में फिल्म ने सबसे अधिक कमाई की है जो 12 करोड़ से अधिक है।

टेंशन से पाचन पर असर और पाचन विकारों के कारण स्ट्रेस का खतरा

तनाव एक मानसिक स्वास्थ्य विकार है जिसका जोखिम तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। युवा हों या बुजुर्ग, सभी उम्र के लोगों में इस विकार के मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों के लिए अपने शारीरिक स्वास्थ्य की ही तरह से मानसिक सेहत का ख्याल रखना भी जरूरी है। दोनों स्वास्थ्य एक दूसरे पर निर्भर होते हैं, यानी अगर आप स्ट्रेस-एंग्जाइटी जैसी मानसिक समस्याओं के शिकार हैं, तो इसका असर शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करने वाले हो सकते हैं।

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और मन को स्वस्थ रखने के उपायों के बारे में बताने के उद्देश्य से हर साल 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस साल का थीम है- मानसिक स्वास्थ्य सभी लोगों का अधिकार है।

आइए जानते हैं कि ज्यादा स्ट्रेस लेने वाले लोगों में पाचन संबंधी दिक्कतों की समस्या क्यों अधिक

देखी जाती रही है? इन दोनों रोगों का आपस में क्या संबंध हो सकता है?

तनाव के कारण पाचन तंत्र की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्ट्रेस को हम सभी सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य की ही समस्या मानते आ रहे हैं, पर अगर यह लंबे समय तक बनी रहती है और इसका उपचार नहीं किया जाता है तो इसके कई शारीरिक स्वास्थ्य दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

स्ट्रेस और पाचन स्वास्थ्य विकार भी ऐसे ही हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि हमारे मस्तिष्क का आंतों से गहरा संबंध होता है। तनाव, पाचन तंत्र के हर हिस्से को प्रभावित कर सकता है। हमारी, आंतें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में सेंट्रल नर्वस सिस्टम के द्वारा नियंत्रित होती हैं, ऐसे में यदि आपको मानसिक स्वास्थ्य की समस्या होती है तो आपमें पाचन की दिक्कतें भी बढ़ने लगती हैं।

स्ट्रेस के कारण बढ़ता है पाचन का खतरा

जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो हमारा मस्तिष्क, सिंपैथिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय कर देता है। यह शरीर को उन कार्यों को किसी खतरे से बचाने के लिए तैयार करता है, इसका पाचन स्वास्थ्य पर भी असर होता है। यही कारण है कि स्ट्रेस की समस्या में आपका पेट साफ नहीं होता है जिससे पेट दर्द, अपच, हार्ट बर्न और मतली जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। इतना ही नहीं, लंबे समय तक बनी रहने वाली स्ट्रेस की समस्या का पाचन स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक दुष्प्रभाव भी हो सकता है।

पाचन-स्ट्रेस एक दूसरे से संबंधित

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आप ज्यादा स्ट्रेस लेते हैं तो इसके कारण पाचन की समस्या हो सकती है, साथ ही पाचन की समस्याओं के कारण स्ट्रेस बढ़ने का भी खतरा रहता है। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. टोरोसियन कहते हैं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि तनाव की स्थिति में इंफ्लामेटरी बाउल डिजीज जैसी समस्याओं का खतरा नहीं होता है, हालांकि ये पाचन के लक्षणों को जरूर गंभीर बना सकती है। स्ट्रेस और ट्रॉमा के शिकार लोगों को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं के बारे में सावधानी बरतनी चाहिए।

स्ट्रेस को करें कंट्रोल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को स्ट्रेस को कंट्रोल करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। इससे सिर्फ पाचन ही नहीं, हृदय गति बढ़ने, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की भी दिक्कत हो सकती है।

लंबे समय तक बने रहने वाली तनाव की समस्या के कारण हृदय रोगों का भी खतरा हो सकता है। तनाव की स्थिति में कोर्टिसोल हार्मोन रिलीज होता है, जिसकी अधिकता कई प्रकार की शरीरिक समस्याओं का जोखिम कारक है।

खांसी से हो गया बुरा हाल? छाती में जमा कफ निकाल फेंकेंगे ये 7 उपाय, पसलियां चलनी होंगी बंद

ठंड शुरू होते ही अगर आप भी खांसी की गिरफ्त में आ गए हैं, तो टेंशन न लें। नीचे बताए आसान तरीके आजमायें और गले व छाती में चिपके कफ को तुरंत बाहर करें।

मौसम बदलते ही बहुत से लोगों को खांसी का सामना करना पड़ रहा है। अगर आप भी खांसी और छाती और गले में जमे कफ से परेशान हैं, तो आप इसे साफ करने के लिए नीचे बताये घरेलू उपाय आजमा सकते हैं। पानी, हर्बल चाय और सूप जैसे बहुत सारे तरल पदार्थ पीने से बलगम को पतला करने में मदद मिल सकती है और इसे बाहर निकालना आसान हो सकता है।

भाप लेने से कफ को ढीला करने और वायुमार्ग को खोलने में मदद मिल सकती है। आप गर्म स्नान करके या अपने सामने गर्म पानी का कटोरा रखकर और भाप लेकर ऐसा कर सकते हैं। गर्म पानी में नमक डालकर गरारे करने से गले की खराश को शांत करने और बलगम के उत्पादन को कम करने में मदद मिल सकती है। सेलाइन नेज़ल स्प्रे बलगम को पतला करने और नाक के मार्ग में जमाव को कम करने में मदद कर सकता है।

यह एक ऐसी टेक्निक है जिसमें फेफड़ों से बलगम निकालने में मदद मिल सकती है। इसे फेफड़ों से गंदगी निकालने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। डॉक्टर की देखरेख में करें। कुछ खाद्य पदार्थ, जैसे डेयरी उत्पाद बलगम उत्पादन बढ़ा सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों का सेवन कम करने से मदद मिल सकती है। स्मोकिंग करने से श्वसन प्रणाली में जलन हो सकती है और बलगम का उत्पादन बढ़ सकता है। स्मोकिंग छोड़ने से खांसी से बचने में मदद मिल सकती है।

अक्टूबर की ठंड में खाएं ये आयुर्वेदिक चीजें

मौसम बदलते ही हमें अपना खान-पान भी बदल लेना चाहिए। ठंड शुरू हो रही है और लोगों की इम्यूनिटी भी कमजोर पड़ने लगी है। ऐसे में अक्टूबर के महीने में गुलाबी ठंड जब पड़ने लगी हो, तो आयुर्वेद अनुसार ये गाइडलाइन्स जरूर मानें।

अक्टूबर के मौसम में आयुर्वेद अनुसार कुछ गाइडलाइन्स दी गई हुई हैं, जिन्हें फॉलो करने पर आपकी सर्दियों बड़े मजे में कट सकती हैं। यहां जानते हैं इस मौसम में डाइट और लाइफस्टाइल कैसे मेंटेन करनी हैं। अपने व्यंजनों में घी और नारियल तेल जैसे अच्छी गुणवत्ता वाले तेल प्रचुर मात्रा में मिलाएं। यदि इस मौसम में आपके हाथ-पांव ठंडे रहते हैं, तो अपनी चाय बनाते वक्त उसमें दालचीनी का 1/4 टुकड़ा मिलाएं। इसमें डीमुलसेंट नामक पदार्थ होता है, जो कफ दोष को शांत करता है और गले को आराम देता है। नमक, अदरक, इलायची, दालचीनी, लौंग, काली मिर्च, लहसुन, प्याज और अजवायन जैसे मसालों का मध्यम उपयोग वास्तव करने से भारी खाने को पचाने में मदद मिलती है।

यदि आप अब तक ठंडा सलाद खाते आ रहे थे, तो अब इसे गरमा गरम सूप में बदल लें। अंडे, घी, दूध, जड़ वाली सब्जियां, नट्स और बीज आदि शरीर में सुरक्षात्मक, इन्सुलेट फैट की एक परत बनाने में मदद करते हैं। काली मिर्च एक वातनाशक मसाला है (गैस बाहर निकालता है) और सर्दी तथा पाचन में उपयोगी है। अपनी सुबह की चाय में दालचीनी के साथ इसे भी मिला सकते हैं। इस मौसम में काली मिर्च, हल्दी और दालचीनी एक आदर्श मसाले माने गए हैं। इस मौसम में चैन की नींद सोने के लिए एक गिलास गर्म दूध में एक चुटकी जायफल का उयोग करें। इससे अनिद्रा दूर होगी और वात की समस्या दूर होगी।

यदि आप कब्ज से ग्रस्त हैं, तो आपको अक्टूबर में इसका अधिक अनुभव हो सकता है क्योंकि ठंडी का मौसम शुष्क होता है, जो मल को सुखा देता है। हरीतकी सीधे मल को नरम करती है, कब्ज व गैस से राहत दिलाती है। आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं।

चाहते हैं बुढ़ापे में भी जवां बनी रहें आंखें- कम न हो रोशनी, तो ये एक फल खायें

जिस तरह से तेजी से आंखों की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं, ऐसे में जरूरी है कि हम सभी कम उम्र से ही इसकी सेहत को लेकर अलर्ट रहें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आंखें ईश्वर का सबसे खूबसूरत वरदान हैं, हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण आंखों से संबंधित कई तरह की बीमारियों का जोखिम बढ़ता जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक आंखों की समस्याएं सभी लोगों में देखी जा रही है, अगर इनपर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इसके गंभीर दुष्प्रभावों का भी खतरा हो सकता है। दुनिया में बढ़ती दृष्टि हानि की समस्या की रोकथाम, दृष्टि देखभाल और आंखों से संबंधित बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल अक्तूबर के दूसरे गुरुवार को विश्व दृष्टि दिवस मनाया जाता है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आपके आहार का पौष्टिक होना आवश्यक है, इसमें अंगूर खाने को बहुत लाभकारी पाया गया है। अंगूर खाने से बुढ़ापे तक आंखों की रोशनी को तेज बनाए रखने में लाभ मिल सकती है।

आंखों के लिए लाभकारी है अंगूर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अंगूर कई मामलों में लाभकारी फल है ये एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। शोध से पता चलता है कि इसके नियमित रूप से सेवन से आपको

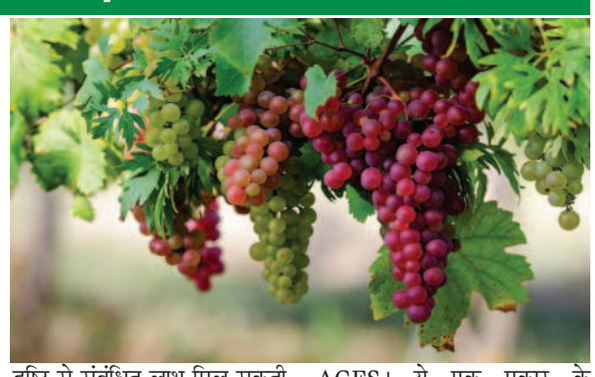

दृष्टि से संबंधित लाभ मिल सकती है। अपनी तरह के पहले अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों ने चार महीने तक रोजाना डेढ़ कप अंगूर खाया, उनकी आंखों के स्वास्थ्य में बेहतर सुधार हुआ। ये आंखों की कई बीमारियों के जोखिमों को कम करने में भी फायदेमंद है।

आंखों की बीमारियों से बचाएगी अंगूर

साइंटिफिक जर्नल फूड एंड फंक्शन में प्रकाशित अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकर्ताओं ने बताया मैक्यूलर पिगमेंट में अंगूर के नियमित सेवन से लाभ मिल सकता है। लेखक डॉ. जंग यून किम कहते हैं, यह पहला अध्ययन है जिसमें अंगूर से आंखों के लिए फायदों के बारे में पता चलता है। उम्र बढ़ने के साथ आंखों से संबंधित समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।

नेत्र रोगों को कैसे दूर करें?

शोधकर्ताओं का कहना है कि नेत्र रोगों के प्रमुख कारकों में से एक है- AGES। ये एक प्रकार के हानिकारक यौगिक हैं जो तब बनते हैं जब प्रोटीन या वसा रक्तप्रवाह में शर्करा के साथ मिलते हैं। डायट्री एंटीऑक्सीडेंट्स एजीई के विकास को रोकने में मददगार हैं, जिससे रेटिना को सुरक्षित रखा जा सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजें आंखों के लिए फायदेमंद

इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने 34 प्रतिभागियों को शामिल किया, जिसमें 16 सप्ताह तक कुछ लोगों को अंगूर और कुछ लोगों को प्लेसबो दिया गया। अध्ययन के बाद शोधकर्ताओं ने पाया कि अंगूर खाने वालों में लोगों में आंखों की समस्याओं में उल्लेखनीय लाभ देखी गई। शोधकर्ता कहते हैं, अंगूर जैसे फलों को नियमित रूप से आहार का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजों का सेवन करना शरीर को कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ दे सकता है।

शरीर को कंकाल बना देगी विटामिन बी 12 की कमी, चिकन-मटन की बजाय खाएं ये चीज

शरीर के विकास और उसे स्वस्थ रखने के लिए जिस तरह प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह विटामिन बी12 भी जरूरी होता है। विटामिन बी12 एक जल घुलनशील विटामिन है जो शरीर के कई कामकाज के लिए जरूरी है। शरीर स्वयं इसे उत्पन्न नहीं कर सकता है, इसलिए इसे बाहरी स्रोतों से प्राप्त करना पड़ता है। विटामिन B12 की जरूरत क्यों है? विटामिन B12 रेड ब्लड सेल्स को बनाता है और इसकी कमी से एनीमिया हो सकता है। यह पूरे नर्वस सिस्टम के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है और इसकी कमी से मेंटल हेल्थ से जुड़ी प्रॉब्लम हो सकती हैं। इसकी कमी से थकान, अवसाद और चिड़चिड़ापन हो सकता है। यह शरीर में होमोसिस्टीन लेवल को कंट्रोल करता है जिससे दिल की सेहत बेहतर रहती है।

विटामिन B12 की कमी के लक्षण क्या हैं? इस पोषक तत्व की कमी से आपको थकान और कमजोरी, त्वचा और जीभ का रंग बदलना, अवसाद, चिड़चिड़ापन और मनोभ्रंश, चक्कर आना, असंतुलन और बेहोशी, हृदय संबंधित समस्याएं, आंखों में धुंधलापन, दृष्टि में परिवर्तन, और आंखों की समस्याएं हो सकती हैं। चिकन-मटन जैसी नॉन-वेज चीजों में इसकी भरपूर मात्रा पाई जाती है। अगर आप यह नहीं खाते हैं, तो हरिद्वार के आयुर्वेदिक डॉक्टर दीपक कुमार आपको विटामिन बी12 का एक जबरदस्त वेजिटेरियन स्रोत बता रहे हैं।

फर्मेंटेड दही-चावल है विटामिन बी12 का भंडार

एक कटोरी पके हुए चावल को ठंडा होने दें और ठंडा होने के बाद इसमें एक कटोरी दही मिक्स करें। इन चावल को कम से कम 3-4 घंटे फ्रिज में रख दें। यह चावल और दही को किण्वित करने का तरीका है और इसे खाने से भरपूर मात्रा में विटामिन बी12 मिलता है।

दही और चावल से विटामिन बी 12 कैसे मिलता है

फर्मेनेशन की वजह से इस मिश्रण में विटामिन बी12 के अलावा अन्य बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन भी पैदा हो जाते हैं। दही में Lactobacillus नामक बैक्टीरिया मौजूद होता है। यह अच्छा बैक्टीरिया होता है। जब बैक्टीरिया चावल के ऊपर एक्शन करता है, तो बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन भी पैदा होते हैं और इस विधि को फर्मेनेशन कहा जाता है। फर्मेंटेड दही-चावल को और ज्यादा टेस्टी बनाने के लिए इसमें इमली की चटनी मिलाकर खा सकते हैं। चटनी मिलाने से यह इतने टेस्टी हो जाते हैं कि बच्चे भी आसानी से खा सकते हैं। इस विधि से बने फर्मेंटेड फूड को प्री डाइजेस्ट फूड भी कहते हैं क्योंकि बैक्टीरिया के एक्शन से आधे हजम तो पहले ही हो जाते हैं। यह इतने सुपाच्य होते हैं कि जिसको कुछ भी हजम न हो तो उसे भी हजम हो जाते हैं।

फर्मेंटेड दही-चावल पेट की लगभग हर बीमारी का इलाज हैं जिन्हें कुछ भी हजम नहीं होता है या जिन्हें विटामिन बी12 की कमी है, वह इन्हें रोजाना खा सकते हैं। एक महीने में अच्छे परिणाम नजर आएंगे।

अगर आपको चावल अच्छे नहीं लगते हैं, तो आप इस मिश्रण के लिए चावल की जगह रोटी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बस चावल की जगह दही में रोटी डालकर फ्रिज में कम से कम चार घंटे रख दें। बाकि विधि पहले जैसी ही है।

पिछले दो महीने से हल्का सा बुखार रहता है

प्रश्न : मुझे पिछले दो महीने से हल्का सा बुखार रहता है। एलोपैथिक दवाओं से बुखार नहीं जा रहा है। शरीर दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती अनुपमा, सिद्दीपेट

उत्तर : लंबे समय तक हल्का ज्वर बना रहना आंत्रिक ज्वर, राजयक्ष्मा, नाड़ी ज्वर, धातुगत ज्वर आदि के लक्षण है। इसलिए पहले निश्चयात्मक निदान आवश्यक है । रोग का निदान हो जाने पर चिकित्सा आसान हो जाती है। वैसे पुराने ज्वरों में ऊंझा ब्राम्ही स्वर्ण वटी, वसंत मालती रस एवं औरा गिलोय घनवटी को सुबह शाम गुनगुने पानी से देवें। हल्के भोजन के बाद ऊंझा अमृतारिष्ट 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर पिलाएं। ऊंझा संशमनी वटी, तुलसी घनवटी एवं स्वर्ण मालिनी वसंत रस भी दिया जा सकता है। यह चिकित्सा क्रम कम से कम एक मंडल (40 दिन) देवें। पुराने से पुराने ज्वर भी अवश्य शांत होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले 6 महीनों से चलने पर श्वास भरता है, छाती में भारीपन रहता है, थोड़ा वजन भी बढ़ गया है। उचित परामर्श दें।

- सांभ शिवुडु, मोईनाबाद

उत्तर : वजन बढ़ने पर शरीर में ऐसे लक्षणों का आना आम बात है। इनको अभी से नियंत्रित करने पर आप भविष्य में हृदय रोग से अपना बचाव कर सकते हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर श्वास में उठाव, छाती में भारीपन, शूल, वजन का बढ़ना संभव है। अतः आप लैपिड प्रोफाइल टेस्ट करवा लें। तेल-घी की मिठाइयां, तले पदार्थ व गरिष्ठ भोजन करना बंद करें। भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु व कोलेस्ट्रोजिन टिकिया गुनगुने पानी से लेवें। भोजन के बाद नागार्जुनाभ्र रस, अर्जुन टिकिया लेवें भोजन करने के बाद ही ऊंझा अर्जुनारिष्ट 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें।

नित्य व्यायाम करें। हर रोज सुबह पैदल चलने की आदत डालें। भरपेट भोजन करने की आदत बदलें। धीरे-धीरे सारे लक्षणों से आपको मुक्ति मिलेगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। पिछले 2 महीनों से सियाटीका से परेशान हूं। अंग्रेजी दवाओं से जरा भी लाभ नहीं मिल पा रहा है, कृपा कर आयुर्वेदिक दवा बताएं।

- वेंकटेश रेड्डी, आदिलाबाद

उत्तर : सियाटीका को आयुर्वेद में गृध्रसीवात कहते हैं। यह गृध्रसी नाड़ी के शोथ से उत्पन्न बड़ी कष्टदाई स्थिति है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। कुछ सरल घरेलू उपाय बता रहा हूं जिसका प्रयोग कर आप आसानी से इससे मुक्ति पा सकते हैं।

* वज्रासन में बैठना आराम देता है ।

*सुबह -शाम ऊंझा महानारायण तेल या ऊंझा महाविषगर्भ तेल की मालिश करने से आराम मिलता है।

* 5 ग्राम लहसुन और 5 ग्राम प्याज का रस पानी के साथ सेवन करने से सियाटीका का दर्द शांत होता है।

* शुद्ध गुग्गुलुऔर रास्ना चूर्ण में शुद्ध घी मिलाकर सेवन करने से सियाटीका रोग ठीक होता है।

*एक पोती वाले लहसुन को एक गिलास दूध में उबालकर रबड़ी की तरह बना कर 21 दिन सेवन करने से इस रोग से मुक्ति मिलती है।

*अश्वगंधा चूर्ण को 10 ग्राम की मात्रा में लेकर एक गिलास दूध में डालकर सेवन करने से लाभ होता है।

* 3 ग्राम पिपली का चूर्ण के साथ 15 ग्राम एरंड के तेल के साथ सेवन करने से लाभ मिलता है।

शास्त्रीय औषधियों में ऊंझा बृहत योगराज गुग्गुलु एवं ऊंझा समीरपन्नग रस का सेवन करने से लाभ मिलता है। ऊंझा त्रयोदशांग गुग्गुलु , ऊंझा वात विध्वंसन रस एवं औरा अश्वगंधा घनवटी का सुबह-शाम सेवन करने से इस रोग में आराम मिलता है। भोजन के बाद ऊंझा महारास्नादि काढ़ा 20-20 मिलीलीटर आधे का गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करने से इस कष्ट दाई रोग से मुक्ति मिलती है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

मन को रखना है स्वस्थ और शांत तो जल्द छोड़ दें ये आदतें

मानसिक स्वास्थ्य विकारों के मामले वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इन विकारों को सिर्फ मन की बीमारी तक ही सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए, अगर इनपर ध्यान न दिया जाए तो इसके कारण कई प्रकार की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के भी विकसित होने का जोखिम रहता है। जब बात मानसिक स्वास्थ्य की होती है तो इसमें भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्थितियां भी शामिल होती हैं। हम कैसे सोचते हैं, महसूस करते हैं, कार्य करते हैं, किन चीजों का चुनाव करते हैं और दूसरों से कैसे संबंध रखते हैं, ये सभी मानसिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और मन को स्वस्थ रखने वाले उपायों के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मन को स्वस्थ रखने के लिए क्या करना चाहिए इससे ज्यादा जरूरी है उन चीजों के बारे में जानना

जो मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए किन चीजों से दूरी बनाना जरूरी है?

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल आपके लिए हानिकारक

मेंटल हेल्थ को ठीक रखने के लिए जरूरी है कि आप शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल यानी शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण गुड हार्मोन सेरोटोनिन का रिलीज कम हो जाता है, जो सीधे तौर पर मूड को ठीक रखने के लिए आवश्यक है। इस स्थिति में आपमें सकारात्मक भावनाओं की कमी हो सकती है। वहीं नियमित योग-व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाकर इस तरह के जोखिमों को कम किया जा सकता है।

जंक-फास्ट फूड्स भी नुकसानदायक

जंक-फास्ट फूड्स के सेवन को वजन बढ़ाने वाला और शुगर के स्तर को प्रभावित करने वाला माना जाता रहा है, पर क्या आप जानते हैं कि इससे मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर हो सकता है? चीनी और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ पूरे शरीर और मस्तिष्क में सूजन पैदा कर सकते हैं, जो चिंता और अवसाद सहित मूड विकारों को बढ़ाने का कारण है। आहार में इस तरह की चीजों की मात्रा को कम किया जाना चाहिए।

नींद की कमी के दुष्प्रभाव

अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि नींद की कमी भी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। नींद की कमी मस्तिष्क के कुछ हिस्सों की गतिविधि बदल सकती है। यदि आप कम नींद लेते हैं, तो ये आपके निर्णय लेने, समस्याओं को सुलझाने, अपनी भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने की स्थिति में बदलाव का भी कारण बन सकती है। सभी लोगों के लिए रोजाना रात में कम से कम 6-8 घंटे की नींद लेने की सलाह दी जाती है।

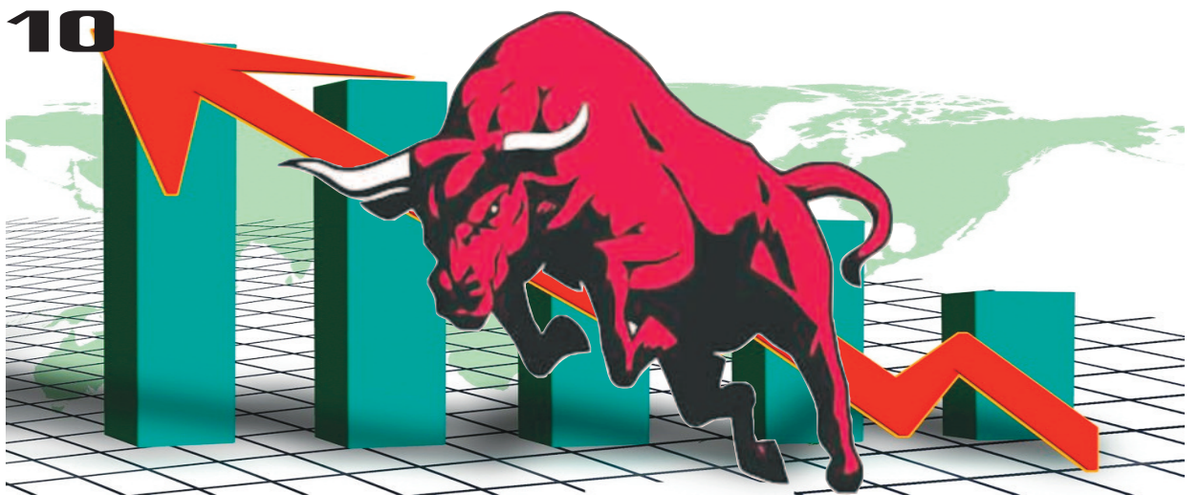

मुंबई के एरिया ग्रुप ने रियल एस्टेट में उत्कृष्टता को अपनाया

जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में इवॉल्व कॉन्फ्रेंस-2023 संपन्न

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत रियल एस्टेट कौशल के एक भव्य प्रदर्शन में मुंबई के प्रतिष्ठित एसोसिएशन ऑफ रियल एस्टेट एजेंट्स के 8 वें एरिया रियल एस्टेट कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसे 'इवॉल्व' नाम दिया गया है। इस हॉलमार्क इवेंट में शहर के रियल एस्टेट से जुडे कई प्रसिद्ध हस्तियों ने हिस्सा लेकर कान्फ्रेंस का लाभ लिया। रियल स्टेर उद्योग से जुडे अग्रणी प्रायोजकों ने इवाल्व के आयोजन को भरपर समर्थन दिया।

टाइटन्स की एक सभा

इस आयोजन में अध्यक्ष, चन्द्रेश विठलानी के दूरदर्शी नेतृत्व और सम्मेलन के अध्यक्ष, आशीष मेहता के सक्षम मार्गदर्शन और ज्ञान और सह-अध्यक्ष अजीत जटानिया के समर्थन के तहत, इवॉल्व दुनिया में नए मानक स्थापित करने की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है।

यह सम्मेलन के जरिए अनेक नवप्रवर्तकों ने एकजुट होकर अपने अनुभव को साझा किया।

कान्फ्रेंस के आयोजकों ने बताया कि इवॉल्व अपनी भव्यता का श्रेय अपने प्रायोजकों को देता है। ग्राउंड होल्डिंग शीर्षक प्रायोजन की भूमिका निभाता है, जबकि सुमित ग्रुप इस आयोजन को और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाता है। रियल एस्टेट क्षेत्र में उत्कृष्टता लाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए क्रिस्टल ग्रुप और ऋषभराज गोल्ड प्रायोजक के रूप में शामिल हुए। ग्लैमर का तड़का लगाते हुए, गाला नाइट को आरडी ब्रदर्स और आईस्पेस द्वारा कार्यक्रम प्रायोजित किया गया।

इवॉल्व के लिए मंच मुंबई के बीकेसी में विस्मयकारी जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में तैयार किया गया, जो शहर का सबसे नया और भव्य सम्मेलन स्थल है। इस लुभावनी सेटिंग ने आयोजन की भव्यता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में काम किया।

विशेषज्ञों की एक अद्वितीय श्रृंखला

कार्यक्रम के अध्यक्ष जयेश व्यास ने कार्यक्रम सलाहकार विनोद ठक्कर के साथ मिलकर उद्योग के दिग्गजों का एक रोस्टर तैयार किया है। डॉ. निरंजन हीरानंदानी, अनुपम खेर, आशुतोष राणा, दीपक राव, संजय मेहता और अन्य विचारकों ने अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया।

इस आयोजन से लोगों को अपने क्षितिज का विस्तार करने का एक अनूठा अवसर मिला। पर्दे के पीछे, आम्नाया इवेंट्स एंड मीडिया प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक सुश्री कंचन गुप्ता कार्यक्रम के त्रुटिहीन निष्पादन की व्यवस्था करती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि इवॉल्व न केवल दिमाग को समृद्ध करता है बल्कि इंद्रियों को भी मोहित करता है।

विकास के लिए आपका प्रवेश द्वार

'इवॉल्व' आपकी रियल एस्टेट अंतर्दृष्टि विकसित करने और उद्योग दिग्गजों के साथ नेटवर्किंग करने का प्रवेश द्वार है इसलिए परिवर्तनकारी अनुभव का हिस्सा बनने का यह अवसर न चूकें।

रियल एस्टेट एजेंटों के संघ के बारे में

एसोसिएशन ऑफ रियल एस्टेट एजेंट्स (एरिया) मुंबई रियल एस्टेट उद्योग में उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में खड़ा है। सहयोग को बढ़ावा देने और मानकों को ऊपर उठाने के लिए प्रतिबद्ध, एआरईए रियल एस्टेट पेशेवरों के बीच नेटवर्किंग, शिक्षा और नवाचार के लिए एक मंच प्रदान करता है। अधिक जानकारी और पंजीकरण विवरण पर उपलब्ध है।

सिंगापुर-मलेशिया के लिए आकर्षक टूर पैकेज

होटल, खाना, वीजा सहित लें ढेरों बेनेफिट्स

नई दिल्ली , 9 अक्टूबर (एजेंसिया) आईआरसीटीसी के टूर पैकेज अक्सर देश के कई इलाकों की खूबसूरत सैर कराते हैं और विदेश में भी कुछ देशों के ट्रैवल का मौका देता है. आईआरसीटीसी ने सिंगापुर एवं मलेशिया के लिए के लिए पांच रात और छह दिन के यात्रा के टूर पैकेज की घोषणा की है. इस पैकेज में शामिल किए गए देश सिंगापुर और मलेशिया हैंइस दौरे के दौरान सिंगापुर में सिटी टूर, नाइट सफारी, लिटिल इंडिया, सेंटोसा द्वीप, मेरलियन पार्क आदि जैसे पर्यटक आकर्षण केंद्रों को शामिल किया गया है।

इजराइल-हमास के बीच युद्ध से बढ़ गए गोल्ड और सिल्वर के दाम

नई दिल्ली , 9 अक्टूबर (एजेंसिया) इजराइल और हमास के बीच युद्ध का असर इंडियन स्टॉक मार्केट के साथ ही कमोडिटी मार्केट पर देखने को मिल रहा है। सोने और चांदी के दाम में तेज उछाल आई है। सोमवार को मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज पर गोल्ड और सिल्वर ने मिनटों में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की है।

एमसीएक्स पर गोल्ड रेट

आज मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज पर गोल्ड 57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुले थे, लेकिन कुछ देर बाद इसमें 1.18 फीसदी की उछाल आई और यह 57,540 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। इंट्राडे हाई लेवल 57,561 रुपये प्रति 10 ग्राम था। वहीं इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड प्राइस 1,850 डॉलर प्रति औंस पर था।

चांदी की कीमत

दूसरी ओर चांदी की कीमत एमसीएक्स पर 68,740 रुपये प्रति किलो के स्तर पर खुला था और 1.12 फीसदी उछलकर 68,932 रुपये प्रति किलो पर था। इंट्राडे हाई लेवल 69,200 रुपये प्रति किलो था। इंटरनेशनल मार्केट में सिल्वर का प्राइस 21.80 डॉलर प्रति औंस था।

इजराइल फिलिस्तीन युद्ध का असर

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच वार से सोने की डिमांड ज्यादा बढ़ चुकी है। निवेशक गोल्ड और सिल्वर में निवेश के बारे में सोच रहे हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी कहा जा रहा है कि इक्विटी, म्यूचुअल फंड और अन्य असेट को बेचकर गोल्ड और सिल्वर की ओर शिफ्ट हो सकते हैं। ऐसे में आने वाले कुछ दिनों में गोल्ड प्राइस उच्च स्तर पर पहुंच सकता है।

युद्ध के अलावा इन कारणों से बढ़ सकते हैं दाम

इजराइल फिलिस्तीन युद्ध के अलावा, यूएस पीपीआई, सीपीआई आंकड़े, महंगाई दर और चीन ट्रेड बैलेंस और सीपीआई डाटा के कारण गोल्ड प्राइस बढ़ सकता है। इसके अलावा, डॉलर में गिरावट के कारण सोना और चांदी में चमक आएगी।

उच्च स्तर पर पहुंच सकता है सोना

युध्द्ध और उपरोक्त सभी वजहों के कारण गोल्ड और सिल्वर के प्राइस में तेज उछाल आ सकती है। गोल्ड प्राइस 58 हजार के लेवल को पार कर सकती है और चांदी की कीमत 70 हजार के स्तर को पार कर सकती है।

ईडी ने पीएमएलए के तहत 55.17 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली , 9 अक्टूबर (एजेंसिया) ईडी ने छह अक्तूबर को पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत आरए डिस्ट्रीब्यूटर्स और अन्य (अफरोज फट्टा मामले) के मामले में पंकज कपूर, विजेन गिरीशचंद्र झावेरी और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर रखी गई 55.17 करोड़ रुपये (लगभग) की दस अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। ईडी ने कहा है कि इस मामले में कुल 115 करोड़ रुपये के संपत्ति की कुर्की की गई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह...	04-38 बजे
चंद्र-	सिंह में	कन्या..	06-43 बजे
मंगल	तुला में	तुला...	08-54 बजे
बुध-	कन्या में	वृश्चिक.	11-07 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-14 बजे
शुक्र-	सिंह में	मकर..	15-04 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	16-42 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-18 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-03 बजे
		वृष--	22-03 बजे
		मिथुन..	00-16 बजे
		कर्क...	02-27 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 06-11 सूर्य अस्त- 17-54
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल --उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - **15 -08-** तक उपरान्त द्वादशी
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष , मंगलवार **10 October**
नक्षत्र - मघा - **08- 44 -** पूर्ण दिन-रात तक
योग - साध्य - **07 - 45 -** तक उपरान्त शुभ
करण- बालव - **15 -08 -** तक उप- कौलव
विशेष:- आज कोई श्राद्ध नही है
व्रत -त्योहार -इन्दिरा एकादशी व्रत सर्वे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:00 से 16:29 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:11 - 07:37 अशुभ	काल	17:54 - 19:29 अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:06 अशुभ	लाभ	19:29 - 21:00 शुभ
चंचल	09:06 - 10:35 शुभ	उत्पात	21:00 - 22:32 अशुभ
लाभ	10:35 - 12:03 शुभ	शुभ.	22:32 - 00:03 शुभ
अमृत	12:03 - 13:32 शुभ	अमृत	00:03 - 01:35 शुभ
काल	13:32 - 15:00 अशुभ	चंचल	01:35 - 03:06 शुभ
शुभ	15:00 - 16:29 शुभ	रोग	03:06 - 04:38 अशुभ
रोग.	16:29 - 17:54 अशुभ	काल	04:38 - 06:11 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

संतुष्ट जीवन के लिए अपनी मानसिक दृढ़ता में सुधार करें। पैसों से जुड़ा कोई मसला आज सुलझ सकता है और आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आज आप जिस समारोह में जाएंगे वहां नई दोस्ती विकसित होगी। अगर आप अपने समूह के भीतर घूमेंगे तो आप किसी विशेष व्यक्ति का ध्यान आकर्षित करेंगे।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

यदि आवश्यक हो तो निवारक दवा लें, क्योंकि आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम होगी। कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है, जिसके कारण आपको अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं और अच्छी खासी रकम भी खर्च होने की संभावना है। अपने घर में सद्भाव लाने के लिए निकट समन्वय से काम करें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

फ़ायदेमंद दिन है और आप किसी लंबी बीमारी से राहत पा सकते हैं। अगर आप शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का खास ख्याल रखें, क्योंकि उनकी सेहत खराब होने की आशंका है। परिणामस्वरूप, आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

बाहरी गतिविधियों से आपको फ़ायदा होगा। एक किलेनुमा जीवन शैली में रहना और हमेशा सुरक्षा की चिंता करना आपके शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न करेगा। यह आपको घबराया हुआ व्यक्ति भी बना देगा। पैसों के मामले में ग्रह स्थिति आज आपके लिए अनुकूल नहीं दिख रही है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

जब आप अपनी लंबी बीमारी से लड़ रहे हों तो यह समझें कि आत्म-विश्वास ही वीरता का सार है। आज आपको पैसों से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है और आप अपने पिता या अपने पिता तुल्य किसी व्यक्ति से सुझाव मांग सकते हैं। कोई अच्छी ख़बर मिलने की संभावना है।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आपको जीवन के उन तनावों और दबावों से राहत मिलेगी जो आप लंबे समय से अनुभव कर रहे हैं। इन्हें स्थायी रूप से दूर रखने के लिए अपनी जीवन शैली को बदलने का यह सही समय है। जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

अपनी ऊर्जा पुनः प्राप्त करने के लिए पूरा आराम करें। अपने लिए पैसे बचाने का आपका विचार आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत करने में सफल रहेंगे। अपने परिवार को उचित समय दें। उन्हें महसूस कराएं कि आप उनकी परवाह करते हैं। उनके साथ अपना क्वालिटी टाइम बिताया।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

अपने झगड़ालू व्यवहार पर नियंत्रण रखें क्योंकि यह आपके रिश्ते को स्थायी रूप से ख़राब कर सकता है। आप खुली मानसिकता को बढ़ावा देकर और किसी के प्रति पूर्वाग्रह त्यागकर इस पर काबू पा सकते हैं। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, जिसके कारण आपको स्थिति का ध्यान रखना होगा।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपकी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। अधिक ख़र्च करने और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं से बचें। परिवार में किसी सदस्य के व्यवहार से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरूरत है. प्यार एक एहसास है जिसे महसूस किया जाना चाहिए और अपने प्रिय के साथ साझा किया जाना चाहिए।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए पुनः आरंभ करने का सबसे अच्छा दिन। जिन लोगों ने पहले अपना पैसा निवेश किया था उन्हें आज उस निवेश से फायदा होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ सुकून भरे पल बिताएँ। अपने मामले में यथार्थवादी बनने का प्रयास करें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

डर आपकी ख़ुशी को ख़राब कर सकता है। आपको यह समझने की आवश्यकता है कि यह हमारे अपने विचारों और कल्पना का उत्पाद है। यह सहजता को खत्म कर देता है-जीवन के आनंद को खत्म कर देता है और हमारी कार्यकुशलता को बाधित कर देता है-इसलिए बेहतर होगा कि इसे शुरुआत में ही खत्म कर दें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

तनाव से छुटकारा पाने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। कारोबारी कामकाज के सिलसिले में दूसरे राज्य की यात्रा पर जा सकते हैं, जहां वे अनावश्यक खर्च करेंगे। अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को अपने वित्त का प्रबंधन न करने दें अन्यथा आप जल्द ही अपने बजट को पार कर सकते हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

हीरोमोटोकॉर्प के एमडी-सीईओ पवन मुंजाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज

स्टॉक 3 फीसदी से ज्यादा फिसला

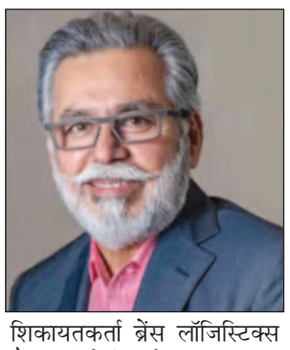

नई दिल्ली , 9 अक्टूबर (एजेंसिया) देश की दिग्गज टूव्हीलर कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन, एमडी और सीईओ पवन मुंजाल के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। इस खबर के चलते शेयर में सोमवार 9 अक्टूबर 2023 के ट्रेडिंग सेशन में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। कंपनी का स्टॉक 3.50 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 2924 रुपये तक नीचे जा फिसला। फिलहाल शेयर 2950 रुपये पर फिलहाल कारोबार कर रहा है। ये मामला 2010 के पहले का है जिसमें हीरो मोटोकॉर्प और पवन मुंजाल के खिलाफ दिल्ली के वसंत कुंज पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पवन मुंजाल के अलावा विक्रम कासबेकर और हरी गुप्ता के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की है जो कंपनी में अधिकारी हैं। इसके अलावा मंजुला बनर्जी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है जो 2009-2010 में कंपनी की ऑडिटर रही थीं। मामले में शिकायतकर्ता ब्रेंस लॉजिस्टिक्स है। रिपोर्ट के मुताबिक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने मिलीभगत करके बुक्स में हेराफेरी की है और शिकायतकर्ता के खिलाफ 2009 और 2010 में 5.95 करोड़ रुपये के फर्जी महीने वार बिल बनाए हैं। इसी वर्ष अगस्त महीने में प्रवर्तन निदेशालय ने पवन मुंजाल समेत कुछ लोगों के परिसरों पर हाल ही में छापेमारी की थी। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में चल रही जांच को लेकर की थी जिसमें ईडी ने मुंजाल के दिल्ली व गुरुग्राम में स्थित घरों व दफ्तरों की तलाशी ली। इसे लेकर पहले ही मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है.हीरो मोटोकॉर्प ने तब बयान जारी कर कहा था ईडी के अधिकारी हमारे दिल्ली व गुरुग्राम स्थित कार्यालयों और हमारे एमडी डॉ पवन मुंजाल के घर पर आए थे। हम एजेंसी के साथ लगातार सहयोग कर रहे हैं। बाद में ईडी ने भी कार्रवाई के बारे में आधिकारिक तौर पर बताया और साथ ही जब्ती की भी जानकारी दी। पिछले साल इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी कर चोरी के मामले में मुंजाल व उनसे जुड़े भवनों की तलाशी ली थी। तब आयकर विभाग के अधिकारियों ने बताया था कि उन्हें गलत तरीके से किए गए 800 करोड़ रुपये के कारोबारी खर्च का पता चला है। उसके अलावा इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा था कि उसे दस्तावेजों से दिल्ली में जमीन खरीदने के लिए 60 करोड़ रुपये की अघोषित आय का इस्तेमाल करने की जानकारी मिली है।

इजरायल - हमास युद्ध से डरा शेयर बाजार

बड़ी गिरावट के साथ हुआ बंद, मिड कैप - स्मॉल कैप बैंकिंग स्टॉक्स में मुनाफावसूली

नई दिल्ली , 9 अक्टूबर (एजेंसिया) इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध ने भारतीय शेयर बाजार में भूचाल ला दिया। हफ्ते के पहले कारोबारी सत्र में युद्ध की चिंताओं के बीच ग्लोबल मार्केट में गिरावट और कमोडिटी के दामों में उछाल की आशंकाओं चलते भारतीय बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 483 अंकों की गिरावट के साथ 65,512 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 141 अंकों की गिरावट के साथ 19,512 अंकों पर बंद हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बाजार में सभी सेक्टर्स के स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है। सुबह से हरे निशान में ट्रेड कर रहा आईटी इंडेक्स भी नीचे जा फिसला। आज के ट्रेड में बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, एनर्जी, ऑटो, आईटी, फार्मा, हेल्थकेयर, मीडिया, मेटल्स सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। मिड कैप और स्मॉल कैप इंडेक्स में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। निफ्टी मिड कैप 1.34 फीसदी की गिरावट के साथ 39,744 और स्मॉल कैप इंडेक्स 1.78 फीसदी की गिरावट के साथ 12,609 अंकों पर क्लोज हुआ है। आज के ट्रेड में सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल 3 शेयर तेजी के साथ बंद हुए जबकि 27 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 7 शेयर तेजी के साथ और 43 गिरकर बंद हुए।

बीएसई मार्केट कैप में बड़ी गिरावट

आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बीएसई मार्केट कैप 316.05 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले कारोबारी सत्र में 319.86 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 3.81 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है।

चढ़ने - गिरने वाले शेयर

आज के ट्रेड में डॉ रेड्डी का शेयर 1.29 फीसदी, एचसीएल टेक 0.96 फीसदी, टाटा कंज्यूमर 0.67 फीसदी, एचयूएल 0.48 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि अडानी पोर्ट्स 4.90 फीसदी, हीरो मोटोकॉर्प 2.73 फीसदी, एचडीएफसी लाइफ 2.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

आईटी, बीपीओ, एफएमसीजी जैसे सेक्टर्स में व्हाइट कॉलर जॉब्स घटी

पिछले साल के मुकाबले सितंबर में 8.6 फीसदी कम हायरिंग

नई दिल्ली , 9 अक्टूबर (एजेंसिया) व्हाइट कॉलर जॉब्स की हायरिंग में साल दर साल आधार पर बड़ी गिरावट देखी जा रही है. देश में सितंबर में व्हाइट कॉलर जॉब्स हायरिंग में पिछले साल के मुकाबले 8.6 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई है. ये गिरावट खास तौर पर आईटी, बीपीओ/आइटीइएस और एफएमसीजी सेक्टर में देखी गई. नौकरी डॉटकॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक ये आंकड़ा सामने आया है.

जॉब पोस्टिंग में हुआ इजाफा

हालांकि जॉब पोस्टिंग के आंकड़े देखें तो महीना दर महीना इसमें करीब 6 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है. वैश्विक चिंताओं के कारण आईटी सेक्टर को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जबकि बैंकिंग सेक्टर में मजबूत ग्रोथ देखी जा रही है. आईटी सेक्टर के साथ बीपीओ और एफएमसीजी सेक्टर के लिए निगेटिव ट्रेंड देखा जा रहा है और इन सेक्टर्स में नए रोजगार लेने वालों की संख्या घटी है.

कुल 8.6 फीसदी की गिरावट के साथ व्हाइट कॉलर जॉब पोस्टिंग्स हुई कम

सितंबर में 2835 व्हाइट कॉलर जॉब पोस्टिंग्स देखी गई जबकि इससे पिछले साल यानी सितंबर 2022 में कुल 3103 जॉब पोस्टिंग्स देखी गई थीं. इस तरह ये कुल 8.6 फीसदी की गिरावट दिखा रहा है. नौकरी डॉटकॉम के मंथली 'नौकरी जॉब स्पीक इंडेक्स' के डेटा विश्लेषण के मुताबिक ये जानकारी मिली है.

रिपोर्ट से इस बात का भी पता चला है कि आईटी सेक्टर लगातार ग्लोबल चिंताओं से जूझ रहा है और बीते कुछ महीनों में इसकी कंपनियों में हायरिंग की संख्या कम हुई है. नौकरी डॉटकॉम के सर्वे के मुताबिक समीक्षाधीन अवधि के दौरान आईटीईएस और बीपीओ सेक्टर की ग्रोथ में 25 फीसदी की गिरावट देखी गई जबकि एफएमसीजी सेक्टर में 23 फीसदी की गिरावट देखी गई है.

रिपोर्ट के कुछ खास पहलू

बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस और हेल्थकेयर सेक्टर ने 7 फीसदी की सालाना ग्रोथ सितंबर में दर्ज की है जिसमें से भी ब्रांच मैनेजर्स और फाइनेंशियल कंसल्टेंट रोल के लिए सबसे ज्यादा डिमांड दर्ज की गई है.

ऑयल एंड गैस सेक्टर में इससे पिछले साल के सितंबर के मुकाबले 6 फीसदी की ग्रोथ देखी गई है.

हॉस्पिटेलिटी और ट्रेवल इंडस्ट्री ने सर्वाधिक ग्रोथ देखी है और इसके पीछे सोलो ट्रैवलर्स के साथ परिवार के साथ बाहर घूमने जाने वालों की संख्या में हुआ इजाफा बड़ी वजह है.

एरिया के तहत कैसे रही जॉब हायरिंग की तस्वीर

वडोदरा, अहमदाबाद, जयपुर में क्रमशः 4 फीसदी, 3 फीसदी और 2 फीसदी की ग्रोथ देखी गई है और पिछले साल के सितंबर के मुकाबले ये शहर जॉब पोस्टिंग के मामले में ज्यादा आगे नहीं रहे हैं. बल्कि खास बात ये है कि मेट्रो शहरों के मुकाबले नॉन-मेट्रो शहरों में जॉब पोस्टिंग्स में ज्यादा बढ़त दर्ज की गई है. सबसे ज्यादा हायरिंग वाले शहर की बात करें तो मुंबई में सबसे ज्यादा जॉब पोस्टिंग देखी गईं और इनमें भी रेस्टोरेंट मैनेजर और गेस्ट सर्विसेज के लिए सर्वाधिक डिमांड देखी गई.

कौन हैं क्लाउडिया गोल्डिन? जिन्हें अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया

नई दिल्ली , 9 अक्टूबर (एजेंसिया) क्लाउडिया गोल्डिन हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की हेनरी ली प्रोफेसर हैं। वह 1989 से 2017 तक एनबीईआर के अमेरिकी अर्थव्यवस्था कार्यक्रम के विकास की निदेशक थीं। वह एनबीईआर के जेंडर इन द इकोनॉमी ग्रुप की सह-निदेशक भी हैं।एक आर्थिक इतिहासकार और एक श्रम अर्थशास्त्री के रूप में गोल्डिन के शोध में महिला श्रम शक्ति, कमाई में जेंडर गैप, आय असमानता, तकनीकी परिवर्तन, शिक्षा और आव्रजन सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। उनके अधिकांश शोध अतीत के लेंस से वर्तमान की व्याख्या करते हैं और चिंता के वर्तमान मुद्दों के उत्पत्ति की पड़ताल करते हैं। उनकी सबसे हालिया पुस्तक कैरियर एंड फैमिलीः महिलाओं की शताब्दी-इक्विटी की ओर लंबी यात्रा (प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस, 2021) है।गोल्डिन को अमेरिकी अर्थव्यवस्था में महिलाओं पर उनके ऐतिहासिक काम के लिए जाना जाता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर क्लाउडिया गोल्डिन को श्रम बाजार में महिलाओं पर उनके शोध के लिए सोमवार को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया। नोबेल समिति ने पुरस्कार की घोषणा के दौरान कहा कि गोल्डिन ने अपने शोध से सदियों से महिलाओं की कमाई और श्रम बाजार के परिणामों का पहला व्यापक विवरण प्रदान किया है।

अधूरी भर्तियों और सड़कों का क्या होगा

क्या काम बंद और क्या चलते रहेंगे, आचार संहिता से जुड़े 14 जरूरी सवालों के जवाब

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। इसी के साथ इन राज्यों में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई। 3 दिसंबर को मतगणना होगी। चुनाव आयोग ने कहा है कि 5 दिसंबर से पहले चुनावी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस दौरान ज्यादातर सरकारी कामों पर अस्थाई रोक लगी रहेगी। ये वो काम होते हैं, जिनसे सरकार को फायदा होने का अंदेशा होता है।

ऐसे में आम नागरिकों के मन में कई तरह के सवाल हैं। मसलन-मध्य प्रदेश में लाडली बहना स्कीम के तहत मिलने वाली रकम क्या बंद हो जाएगी, अगर कोई सड़क आधी बनी है तो क्या काम रुक जाएगा, क्या ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट जैसे डॉक्यूमेंट बनने भी बंद हो जाएंगे?

इलेक्शन एजुकेशन सीरीज के इस एपिसोड में ऐसे ही 14 जरूरी सवालों के जवाब जानेंगे

आज से 5 चुनावी राज्यों में लागू हुई आदर्श आचार संहिता होती क्या है?

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग ने कुछ नियम बनाए हैं, जिसे आचार संहिता कहते हैं। चुनाव के समय राजनीतिक दलों और सभी प्रत्याशियों को इसका पालन करना होता है। आचार संहिता के तहत बताया जाता है कि राजनीतिक दलों और कैंडिडेट को चुनाव के दौरान क्या करना है और क्या नहीं करना है।

आचार संहिता की सबसे खास बात ये है कि ये नियम किसी कानून के जरिए नहीं बल्कि राजनीतिक पार्टियों की आपसी सहमति से बनाए गए हैं। आदर्श आचार संहिता की वजह से चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों और सत्ताधारी दलों के कामकाज और उनके व्यवहार पर नजर रखना संभव होता है।

5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में आचार संहिता कब से कब तक लागू रहेगी?

चुनाव के कार्यक्रमों की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू हो जाती है। ये आचार संहिता इलेक्शन की पूरी प्रक्रिया खत्म होने तक जारी रहती है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान 9 अक्टूबर को किया गया। इस दिन से आचार संहिता लागू हो गई।

3 दिसंबर को सभी 5 राज्यों में मतगणना होगी। इलेक्शन कमीशन ने कहा कि 5 दिसंबर से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। चुनाव प्रक्रिया पूरी होते ही आचार संहिता खत्म हो जाती है।

आचार संहिता के दौरान कौन से काम रुक जाते हैं और कौन से चालू रहते हैं?

आदर्श आचार संहिता की वजह से इन कामों पर रोक लग जाती है।

चुनाव कार्यों से जुड़े किसी भी अधिकारी को किसी भी नेता या मंत्री से उसकी निजी यात्रा या आवास में मिलने की मनाही होती है। ऐसा करने पर उसके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

सरकारी खर्चे पर किसी नेता के आवास पर इफ्तार पार्टी या अन्य पार्टियों का आयोजन नहीं कराया जा सकता है। हालांकि अपने खर्च पर वो ये कार्यक्रम कर सकते हैं।

सत्ताधारी पार्टी के लिए सरकारी पैसे से सरकार के काम का प्रचार-प्रसार करने के लिए विज्ञापन चलाने पर भी रोक होती है।

जिस योजना को हरी झंडी मिली है, लेकिन जमीनी स्तर पर काम शुरू नहीं हुआ हो तो आचार संहिता लागू होने के बाद उस योजना पर काम स्टार्ट नहीं किया जा सकता है।

विधायक, सांसद या विधान परिषद के सदस्य आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद लोकल एरिया डेवलपमेंट फंड से नई राशि जारी नहीं कर सकते हैं।

आदर्श आचार संहिता लगने के बाद पेंशन फॉर्म जमा नहीं हो सकते और नए राशन कार्ड भी नहीं बनाए जा सकते। हथियार रखने के लिए नया आर्म्स लाइसेंस नहीं बनेगा। बीपीएल के पीले कार्ड नहीं बनाए जाएंगे।

कोई भी नया सरकारी काम शुरू नहीं होगा। किसी नए काम के लिए टेंडर भी जारी नहीं होंगे। किसी नए काम की घोषणा नहीं होगी।

इस दौरान बड़ी बिल्डिंगों को क्लियरेंस नहीं दी जाती है।

राजस्थान में एक लाख पदों पर होने वाली भर्तियों, अन्य स्कीम और कामों का क्या होगा, जिसकी घोषणा सरकार ने बजट में की थी?

मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने दिसंबर 2022 में कुल 1 लाख 14 हजार भर्तियों का वादा किया था। इनमें से 67 हजार पदों पर भर्ती हो गई है। बाकी 47 हजार पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा सीएम शिवराज ने यह भी कहा था कि इन 1 लाख 14 हजार भर्तियों के बाद 50 हजार पदों पर और भर्ती निकाली जाएगी। हालांकि, अभी पहले के वादे ही पूरे नहीं हुए हैं। ऐसे में नई भर्तियों के लिए न तो विज्ञापन निकले हैं और न ही कोई और प्रक्रिया आगे बढ़ी है। जो भर्ती प्रक्रिया चल रही

भर्ती प्रक्रिया जारी है। इनमें से किसी में भी नियुक्तियां नहीं हुई हैं। ऐसे में साफ है कि आचार संहिता लागू होने से पहले नियुक्तियां नहीं हुईं, तो फिर गेंद सरकार के पाले से निकलकर चुनाव आयोग के पाले में चली जाएगी। उसके बाद निर्णय चुनाव आयोग ही करेगा।

मध्य प्रदेश में 50 हजार से ज्यादा सरकारी पदों पर जारी भर्तियों और अन्य स्कीम और कामों का क्या होगा, जिसकी घोषणा सरकार ने बजट में की थी?

हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी रहे श्रीकांत वाल्गद ने एक इंटरव्यू में बताया कि चुनाव आचार संहिता के नाम पर जरूरी काम नहीं रोके जा सकते हैं। पहले चल रहे विकास कार्यों को भी बंद नहीं किया जा सकता है। राशनकार्ड में संशोधन, ड्राइविंग लाइसेंस आदि बनाए जाते रहेंगे। जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र बनाने और जमीनों की रजिस्ट्री जैसे काम करने पर कोई रोक नहीं लगती है।

है, उस पर कोई रोक नहीं लगेगी, लेकिन मुख्यमंत्री या कोई मंत्री नियुक्ति पत्र अपने हाथों से नहीं दे पाएंगे।

पूर्व चुनाव आयुक्त ओपी रावत का कहना है कि आचार संहिता लागू होने के बाद नई भर्तियों निकलती है तो यह चुनाव आयोग को देखना पड़ेगा कि भर्ती अभी क्यों निकाली जा रही है। इस भर्ती के देरी से निकलने की क्या वजहें हैं। अगर इसका उचित जवाब नहीं मिलता है तो यह माना जाएगा कि जान बूझकर देरी की गई है।

आचार संहिता लागू होने के बाद ड्राइविंग लाइसेंस, आवासीय और कास्ट सर्टिफिकेट बनाना संभव है या नहीं?

आचार संहिता लागू होने के बाद सड़क बनाने या ठीक करवाने की इजाजत होती है या नहीं?

चुनाव आयोग के मुताबिक विधायक, मंत्री या कैंडिडेट आचार संहिता लागू होने के बाद कोई आर्थिक सहायता या उससे संबंधित कोई वादा नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा आचार संहिता लागू होने के बाद किसी परियोजना अथवा योजना का शिलान्यास नहीं किया जा सकता है। सड़क बनवाने, पीने के पानी को लेकर काम शुरू करवाना तो दूर, वादा तक नहीं कर सकते हैं। जो काम पहले से चल रहा है वो आचार संहिता की वजह से बाधित नहीं होगा।

आचार संहिता लागू होने के बाद अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग कैसे होती है?

आचार संहिता लागू होने के बाद किसी भी सरकारी अधिकारी, कर्मचारी की ट्रांसफर पोस्टिंग सरकार नहीं कर सकती है। ट्रांसफर कराना बेहद जरूरी हो गया हो तब भी सरकार बिना चुनाव आयोग की सहमति के ये फैसला नहीं ले सकती है। इस दौरान राज्य के मुख्य चुनाव आयुक्त जरूरत के हिसाब से अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग कर सकते हैं।

क्या आचार संहिता लागू होने पर कोई मंत्री सरकारी खर्चे पर इलेक्शन रैली कर सकते हैं?

आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद सरकारी खर्च पर मंत्री इलेक्शन रैली नहीं कर सकते हैं। इस दौरान मंत्री सरकारी वाहनों का इस्तेमाल भी सिर्फ अपने निवास से ऑफिस तक जाने के लिए कर सकते हैं। चुनावी रैलियों और यात्राओं के लिए इनका इस्तेमाल नहीं हो सकता।

क्या आचार संहिता के दौरान मंत्री अपने आधिकारिक दौरे के समय चुनाव प्रचार कर सकते हैं?

नहीं। आचार संहिता लागू होने के बाद मंत्री अपने आधिकारिक दौरे के समय चुनाव प्रचार नहीं कर सकते हैं। यहां तक की चुनाव प्रचार के लिए सरकारी गाड़ियों, विमानों या किसी दूसरे सुविधाओं का भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

क्या महिला आयोग या दूसरे राष्ट्रीय/राज्य आयोग के सदस्य आचार संहिता लागू होने वाले क्षेत्र का दौरा कर सकते हैं?

चुनाव आयोग का साफ आदेश है कि जब तक बहुत जरूरी न हो राष्ट्रीय और राज्य आयोग के सदस्यों को आधिकारिक दौरे से बचना चाहिए। चुनाव खत्म होने तक सभी कामकाज पर रोक लगना जरूरी है, ताकि इनके दौरे की वजह से होने वाले भ्रम से बचा जा सके।

क्या शराब के ठेकों, तेंदू की पत्तियों के टेंडर की नीलामी की जा सकती है?

नहीं। इस तरह के किसी टेंडर की नीलामी नहीं की जा सकती है। सरकार जरूरी होने पर आचार संहिता से पहले ही कोई तत्कालिक व्यवस्था कर सकती है। इसके अलावा नगर निगम, नगर पंचायत, नगर क्षेत्र समिति राजस्व संग्रहण का काम जारी रख सकती है।

क्या चुनाव आयोग आचार संहिता लागू होने से पहले भी कार्रवाई कर सकती है?

हां, इसे 2010 के एक उदाहरण से समझा जा सकता है। तब राज्य के चुनाव आयोग के सामने यह शिकायत आई थी कि बहुजन समाज पार्टी ने सरकारी पैसे से अपने चुनाव चिह्न 'हाथी' की प्रतिमाएं बनवाकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। इस शिकायत पर चुनाव आयोग ने कहा कि आचार संहिता की समय-सीमा से बाहर किसी भी राजनीतिक दल द्वारा सरकारी शक्ति और तंत्र के कथित दुरुपयोग पर एक्शन नहीं ले सकते हैं।

चुनाव आयोग के इस रुख को दिल्ली उच्च न्यायालय में कॉमन कॉज बनाम बहुजन समाज पार्टी के रूप में चुनौती दी गई। इस मामले से जुड़े नियमों को जांच करने के बाद उच्च न्यायालय ने ये फैसला सुनाया कि चुनाव आयोग बीएसपी के चुनाव चिह्न को अमान्य घोषित कर सकता है।

हालांकि, हाई कोर्ट ने यह भी कहा था कि सत्ताधारी पार्टी को अचार संहिता नहीं लागू होने के दौरान भी अपने निर्वाचन चिह्नों अथवा अपने नेताओं की स्थिति मजबूत करने के लिए सरकारी धन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ऐसे में कोर्ट ने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि इस तरह के मामले से निपटने के लिए कुछ नियम और दिशा-निर्देश बनाएं।

क्या आदर्श आचार संहिता के दौरान जनसभा आयोजित करने या जुलूस निकालने पर कोई प्रतिबंध होता है?

सार्वजनिक या निजी स्थान पर सभा आयोजित करने, जुलूस निकालने और लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने से पहले स्थानीय पुलिस अधिकारियों से लिखित अनुमति लेना जरूरी है। रात 10.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे के बीच लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

शौर्य जागरण यात्रा से लौट रहे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की बस पर पथराव

महिला समेत 10 लोग घायल

रांची, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। रांची में आयोजित शौर्य जागरण यात्रा से हजारीबाद लौट रहे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के बस पर भीड़ ने पथराव किया, जिसमें महिला समेत 10 लोग घायल हो गए। यह घटना हजारीबाग के पास पेलावल इलाके में एक मस्जिद के पास रात के 8:45 मिनट में हुई।

एसपी ने बताया कि जांच के आधार पर गिरफ्तारियां की जाएंगी। पथराव करने वाली एक समुदाय के सदस्यों ने बताया कि बस मस्जिद के सामने रुकी और इस दौरान यात्रियों ने धार्मिक नारे भी लगाए। एसपी ने दावा किया कि समय से पुलिसबलों के पहुंचने के कारण बड़ा विवाद होने से टल गया। कानून को अपने हाथों में लेने वाले लोगों को पुलिस ने खदेड़ दिया और बस को अपने गणतव्य तक जाने के लिए आगे बढ़ाया।

पथराव करने वालों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ अब कार्रवाई की जाएगी। विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग दल ने अगले साल जनवरी में आयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन से पहले लोगों को समारोह के लिए आमंत्रित करने के लिए रविवार को रांची में चार शौर्य जागरण यात्राएं निकालीं। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के हजारों कार्यकर्ताओं ने इस यात्रा में हिस्सा लिया था।

इस पथराव के बाद झारखंड जनाधिकार महासभा ने झारखंड मुख्य सचिव, डीजीपी और रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को रैलियों पर कड़ी नजर रखने का अनुरोध किया है।

जब भाजपा विधायकों की खरीद-फरोख्त में जोगी हुए निलंबित

जेटली के साथ आकर वीरेंद्र पांडेय ने दिखाए नोटों के बंडल, फिर खुद जांच में फंसे

रायपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2003 में भाजपा को आशा के विपरीत, बड़ी सफलता मिली थी। आमतौर पर यह धारणा थी कि नेता प्रतिपक्ष नंद कुमार साय अगले मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके लिए 6 दिसम्बर 2003 को भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, किंतु नंद कुमार साय नहीं, रमन सिंह को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित किया गया। स्वाभाविक है इस बात से विधायकों में कुछ असंतोष फैल गया, विशेषकर आदिवासी विधायकों में।

उधर भाजपा के एक वरिष्ठ नेता वीरेन्द्र पाण्डे को भाजपा सांसद पी.आर. खूंटे ने बताया कि भाजपा के कुछ विधायक, कांग्रेस में जा सकते हैं। बस्तर के भाजपा नेता बलीराम कश्यप को मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुत कर कांग्रेस के समर्थन से गैर भाजपा सरकार बनाई जा सकती है। जोगी ने कांग्रेस पार्टी के समर्थन वाला पत्र भेज दिया था। खूंटे ने यह भी बताया कि इस संबंध में जोगी द्वारा गोपनीय रूप से कार्यवाही की जा

रही है। अगले दिन जोगी का फोन वीरेन्द्र पाण्डे के पास आया और उन्होंने विधायकों के दलबदल करने के लिए पैसे देने की बात कही। वीरेन्द्र पाण्डे ने जोगी के इस प्रस्ताव और उस पर चल रही गोपनीय गतिविधियों की जानकारी अपने केन्द्रीय नेतृत्व को दी।

अगले दिन 07 दिसम्बर को देर रात भाजपा कार्यालय में अरूण जेटली ने वीरेन्द्र पाण्डे और अन्य नेताओं के साथ एक आकस्मिक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। लाइव ब्राडकास्ट में जेटली ने जोगी के दलबदल अभियान को उजागर किया।

उन्होंने वे नोटों के बंडल भी दिखाए जो तथाकथित रूप से जोगी ने विधायकों की खरीद फरोख्त के लिए दिए थे। इस घटना के फलस्वरूप जोगी को कांग्रेस से निलंबित कर दिया गया। भाजपा हाई कमान की नजरों में बलीराम कश्यप और उनके सहयोगी दोषी ठहराए गए थे। किंतु विधायकों की खरीद फरोख्त की सूचना देने के कारण वीरेन्द्र पाण्डे पर भी शक की सुई घूमने लगी। भाजपा ने इस पूरे कांड की शिकायत पुलिस में की। इस शिकायत के बाद वीरेन्द्र पाण्डे आर्थिक अपराध ब्यूरो और सी.बी.आई. के फंदों में फंस गए।

एक अत्यंत रोमांचक और फिल्मी उतार-चढ़ाव से भरपूर राजनीतिक ड्रामे के बाद 7 दिसम्बर 2003 को रमन सिंह ने राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। रमन सिंह ने 17 विधायकों को लेकर भारी भरकम मंत्रिमंडल बनाया, जिसमें उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों को मलाईदार विभाग देकर संतुष्ट करने की कोशिश की। 'मरवाही' में अजीत जोगी से चुनाव हार चुके नंद कुमार साय को महत्व देने के लिए रमन सिंह की जगह भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया।

सांस लेने में तकलीफ के बाद सीएम सोरेन की मां अस्पताल में भर्ती

रांची, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्वास्थ्य सुविधा के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्हें शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल प्रबंधन ने दावा किया कि उनकी हालत अब स्थिर है और वह समस्याओं से तेजी से उबर रही हैं।

हिल व्यू अस्पताल और नर्सिंग होम के निदेशक डॉ. नितेश प्रिया ने बताया कि सीने में संक्रमण के कारण उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उनकी हालत में अब सुधार हो रहा है।

ट्रक पलटने से दो बच्चों की मौत

दुमका, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले में एक ट्रक के सड़क किनारे एक दुकान से टकराकर पलट जाने से सात वर्षीय दो बच्चों की मौत हो गई और एक घायल हो गया।

पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विजय कुमार ने बताया कि यह दुर्घटना दोपहर में मसलिया में हुई, जब एस्बेस्टस से भरा ट्रक दुकान में घुस गया और पलट गया। उन्होंने बताया कि तीन बच्चे दुकान के पास खेल रहे थे। तीन बच्चों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटना में ट्रक चालक भी घायल हो गया।

झारखंड के चीफ सेक्रेटरी सुप्रीम कोर्ट में हुए पेश

अराजपत्रित कर्मचारियों के वेतन भुगतान मामला, तीन सदस्यीय कमिटी बनाने का निर्देश, सात नवंबर को अगली सुनवाई

रांची, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले 20 साल से अराजपत्रित कर्मचारियों के वेतन भुगतान से जुड़े मामले की आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई में झारखंड के चीफ सेक्रेटरी सुखदेव सिंह सशरीर हाजिर हुए। पांच अक्टूबर को इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच झारखंड राज्य की कार्यशैली पर कड़ी टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि ऐसे संवेदनशील मामले में, झारखंड राज्य सो रहा है और इस मामले में किसी वकील को नियुक्त करने की भी परवाह नहीं कर रहा है। जिसके बाद आज चीफ सेक्रेटरी को पेश होने को कहा था।

तीन सदस्यीय कमिटी बनाने का दिया निर्देश

आज हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का समाधान

निकालने को कहा है। वहीं कोर्ट ने कहा कि इसके लिए तीन सदस्यीय कमिटी बनाएं। इस कमिटी में झारखंड, बिहार और केंद्र सरकार के अवर सचिव रैंक के अधिकारी को रखने को कहा है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए सात नवंबर की तारीख मुकर्रर की है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक यह कमिटी अदालत को अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

सीएम को नहीं होना होगा सशरीर हाजिर

आज की सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन की ओर से अदालत से गुजारिश की गई कि आगामी सुनवाई के दौरान चीफ सेक्रेटरी को सशरीर उपस्थित होने से मुक्त किया जाए।

महाधिवक्ता की इस आग्रह को अदालत ने स्वीकार कर लिया है। अदालत ने मुख्य सचिव को अगली सुनवाई के दौरान सशरीर उपस्थित होने से छूट दी है। झारखंड सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन, अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल और अधिवक्ता पल्लवी लांगर ने पक्ष रखा।

झारखण्ड में हो रही बालू की कालाबाजारी

सरकार के मुखिया बालू की कालाबाजारी करा अपनी जेब भर रहे, बोले एनसीपी विधायक कमलेश सिंह

रांची, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य के मुखिया दो साल में बालू की निलामी पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले सके। आलम यह है कि डेवलपमेंट का कोई काम नहीं हो रहा है। एक तो पलामू सहित पूरे राज्य में सुखाड़ की स्थिति है। खेती हुई नहीं। लोग जो मजदूरी कर कम से कम अपना पेट भरते वो भी नहीं हो रहा है। बालू की वैध निलामी नहीं होने की वजह से कंस्ट्रक्शन वर्क रूका हुआ है। स्टॉक से जो बालू मिल रहा है वो भी औने-पौने दाम पर उपलब्ध है। पलामू सहित पूरे राज्य में बालू की कालाबाजारी हो रही है। बालू पर सरकार की ओर से निर्णय नहीं लिया जाना बताता है कि सरकार के मुखिया बालू की कालाबाजारी करा अपनी जेब भर रहे हैं। ये बातें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक कमलेश सिंह ने कही। वे आज प्रेस क्लब में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बातचीत के क्रम में सरकार को चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि पलामू में बालू घाटों की निलामी नहीं हुई है। हर रात सैकड़ों ट्रैक्टर बालू का अवैध कारोबार चल रहा है। ऐसे में पाटी अब आरपार के मूड में है। उन्होंने कहा कि पलामू में बालू के इस खेल में स्थानीय प्रशासन से लेकर जिले के बड़े अधिकारी तक शामिल हैं। सरकार भी बालू की कालाबाजारी में संलिप्त है, पर अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। अब बालू के मुद्दे को लेकर एनसीपी आर-पार की लड़ाई लड़ेगी। अगर जल्द बालू घाट की नीलामी नहीं हुई तो पार्टी राज्य में बड़ा आंदोलन करेगी। एनसीपी की मानें तो बालू की अनुलप्धता की वजह से राज्य में दो साल से भवन निर्माण और विकास कार्य प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि राज्यव्यापी इस समस्या को विधानसभा पटल पर 3 मार्च 2020, 02 मार्च 2021 और 2 अगस्त 2022 को उठाया था। सीएम को पत्र भी लिख कर समाधान कराने का अनुरोध किया जा चुका है। सुनवाई नहीं होने की स्थिति में हुसैनाबाद में विशाल आंदोलन किसानों, ट्रैक्टर मालिकों और आम लोगों ने किया था। इसके बाद भी सरकार मूक दर्शक बनी है। उन्होंने कहा कि झारखंड के बालू घाटों की बंदोबस्ती नहीं करने के पीछे बड़ा खेल चल रहा है। बालू घाटों की बंदोबस्ती होने से सरकार को राजस्व भी मिलता और आम लोगों को बालू आसानी से सस्ते दर पर मिलता, पर सरकार के मुखिया ऐसा नहीं चाहते हैं। उन्होंने अब याचना नहीं रण होने की बात कही। कमलेश सिंह के मुताबिक राज्य में केवल बालू की एकमात्र समस्या नहीं है। पलामू में नए सर्वे को लागू करना भी सरकार की गलती है। ऑनलाइन सर्वे में गलत इंट्री की वजह से पलामू के आधे लोग अंचल, थाना और कोर्ट का चक्कर लगाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में बेरोजगारी से युवा त्रस्त हैं।

15 लाख रुपए का नकली शराब बरामद

कई फेमस ब्रांड की नकली शराब बेची जा रही थी

धनबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद में अवैध शराब फैक्ट्री का पता चला है। इस फैक्ट्री से नकली विदेश शराब बाहर सप्लाई की जा रही थी। धनबाद जिले के बलियापुर थाना क्षेत्र के गुल्लूडीह बस्ती में उत्पाद विभाग ने छापेमारी की है। यह मिनी शराब फैक्ट्री खाली पड़े एक दूर दराज के मकान में चल रही थी। विभाग ने जब छापेमारी की तब तक यहां मौजूद लोग फरार हो चुके थे। यहां से किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उत्पाद विभाग पूरे मामले की जांच कर रही है।

उत्पाद विभाग के प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा, गुप्त सूचना के आधार पर बलियापुर थाना क्षेत्र के गुल्लूडीह बस्ती के एक मकान में छापेमारी की गयी। अवैध डुप्लीकेट विदेशी शराब मिली है। यहां मिनी फैक्ट्री चल रही थी।। काफी मात्रा में अवैध विदेशी शराब जो बना हुआ 495 लीटर जप्त किया गया है, जो विभिन्न ब्रांड के बोतल में भरा गया है। इस

छापेमारी से पुलिस को 175 लीटर अवैध स्प्रिट जिससे शराब बनाई जा रही थी। 500 लीटर रंगीन शराब बरामद किया गया है ,जो सिंटेक्स में बना हुआ था उन्हें नष्ट किया गया है। इतनी शराब की खेप को लेकर आना संभव नहीं था। त्पाद विभाग के द्वारा मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है और उत्पाद विभाग के द्वारा सत्यापित की जा रही है और कोर्ट के द्वारा अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जबकि इन सभी शराब की बाजार में कीमत लगभग 15 लाख रुपए है। टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस फैक्ट्री के संचालन के पीछे किसका हाथ है।

क्या इजराइल-हमास जंग से 5 गुना बढ़ेगी तेल की कीमत

1973 में सऊदी ने तेल उत्पादन कम कर सबक सिखाया, अब कितने अलग हैं हालात?

वाशिंगटन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। 6 अक्टूबर 1973 के दिन अरब देशों ने मिलकर इजराइल पर हमला कर दिया। इजराइल के बचाव में अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन सामने आए। उन्होंने इजराइल को 18 हजार करोड़ रुपए की मदद देने की घोषणा कर दी। अमेरिका के इस फैसले से नाराज होकर ओपेक देशों ने तेल के उत्पादन में भारी कटौती कर दी। ऑयल प्रोडक्शन कम कर अमेरिका को सबक सिखाने की पूरी प्लानिगं सऊदी के किंग फैसल के नेतृत्व में हुई। नतीजा ये हुआ कि 1974 आते-आते दुनिया में तेल की किल्लत हो गई। तेल की कीमतें 5 डॉलर प्रति बैरल से 25 डॉलर प्रति बैरल हो गई। यानी तेल की कीमतों में 5 गुना बढ़ोतरी हुई। इसका सबसे ज्यादा असर अमेरिका और उसके अमीर साथी देशों पर पड़ा। वहां आर्थिक मंदी की वजह से महंगाई आसमान छूने लगी।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक, इजराइल और हमास के बीच जंग अभी शुरू ही हुई है। ऐसे में सटीक बता पाना मुश्किल है कि इसका तेल के बाजार पर कितना असर पड़ेगा। हालांकि, इजराइल और ईरान के एक्शन पर काफी सारी चीजें निर्भर करेंगी। इसके बावजूद तेल के बाजार पर जंग का क्या असर पड़ेगा इसे 8 सिनेरियो के जरिए समझें

1) यह जंग अक्टूबर 1973 की तरह नहीं है। तब अरब देशों ने एकजुट होकर इजराइल पर हमला किया था। इस बार मिस्र, जॉर्डन, सीरिया, सऊदी अरब और बाकी अरब देशों ने अभी तक खुद को इस जंग से किनारे रखा है। ऐसे में दोबारा 1973 जैसे हालात होने की संभावना कम है।

2) अभी के तेल बाजार में अक्टूबर 1973 जैसी स्थिति नहीं है। उस समय तेल की मांग बढ़ रही थी, लेकिन किसी देश के पास रिजर्व तेल उतना नहीं था। आज के समय में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की वजह से तेल की मांग तब की तुलना में घटी है।

हालांकि, अब भी सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के पास तेल उत्पादन की अतिरिक्त क्षमता है। कई बार इसका इस्तेमाल वो तेल कीमतों को कंट्रोल करने के लिए भी करते हैं। इस जंग की वजह से ये दोनों देश ऐसा कोई बड़ा फैसला लेते फिलहाल नहीं लगते हैं।

3) आज के समय में ओपेक देश काफी ज्यादा तेल की कीमत बढ़ाने के इच्छुक नहीं हैं। सिर्फ कुछ डॉलर तक कीमत बढ़ाने के लिए ये देश सहमत हैं। सऊदी अरब तेल की कीमतों को 100% से अधिक बढ़ाकर 200 डॉलर प्रति बैरल तक ले जाने की बजाय अभी कीमत 85 डॉलर से 100 डॉलर प्रति बैरल तक रखने के पक्ष में है। वहीं, अक्टूबर 1973 में तेल उत्पादन घटाकर ओपेक देशों ने पेट्रोलियम कीमतों में लगभग 70% की बढ़ोतरी की थी।

4) इजराइल-हमास जंग का असर 2023 और 2024 में तेल बाजारों पर पड़ सकता है। सबसे ज्यादा असर तब देखने को मिलेगा, जब इस जंग में ईरान की सीधे-सीधे एंट्री होगी। 2019 में यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी की तेल प्रोडक्शन फैसिलिटीज पर हमला कर दिया था। इसमें ईरान का हाथ बताया गया था।

इसका असर दुनिया के तेल सप्लाई चेन पर पड़ा था। एक बार फिर अगर इजराइल किसी तरह से खुद पर हुए हमले का जिम्मेदार ईरान को ठहराता है तो वो फिर दूसरे संगठनों के जरिए ऑयल फैसिलिटीज पर हमले करवा मार्केट को प्रभावित करने की कोशिश करेगा।

5) रूस-यूक्रेन जंग की वजह से अमेरिकी पाबंदी के बावजूद ईरान ने दुनिया भर में तेल सप्लाई की। दुनिया में तेल की कीमत ज्यादा न बढ़े इसके लिए अमेरिका ने जानबूझकर इस ओर ध्यान नहीं दिया।

परिणाम ये हुआ कि ईरान का तेल उत्पादन लगभग 7,00,000 बैरल प्रति दिन बढ़ा। अब एक बार फिर अमेरिका ईरान के तेल खरीदने-बेचने पर रोक लगाता है तो दुनिया में तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

6) इजराइल-हमास जंग की वजह से मिडिल ईस्ट में अगर तेल संकट होता है तो इससे रूस को लाभ होगा। अमेरिका ईरान के खिलाफ प्रतिबंध लागू करता है तो इसका फायदा रूस को मिलेगा।

रूस एक बार फिर से ओपेक+ देशों के साथ मिलकर दुनिया में तेल की कीमत बढ़ाकर लाभ कमाने की कोशिश कर सकता है। अमेरिका के ईरानी तेल निर्यात पर एक्शन नहीं लेने की एक वजह यह है कि इससे रूस को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। मतलब साफ है कि इस जंग की वजह से ईरान पर एक्शन लेते ही तेल की कीमत बढ़ना तय है।

7) सऊदी अरब और इजराइल के बीच अमेरिका के जरिए एक बड़ी डील होने वाली थी। माना जा रहा था कि इस डील के बाद सऊदी अरब, इजराइल को देश के तौर पर मान्यता देने वाला था। इससे पहले ही हमास ने हमला कर दिया। भले ही सऊदी अरब हमास से नाराज है, लेकिन सऊदी के लोगों अभी भी 1973 की तरह फिलिस्तीन की तरफ झुकाव हैं। ऐसे में घरेलू राजनीति की वजह से सऊदी कोई एक्शन लेता है तो तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ेगा। इससे तेल की कीमतें प्रति बैरल 100 डॉलर के पार भी जा सकती हैं।

8) 1973 जैसे हालात इसलिए भी नहीं बनेंगे क्योंकि अमेरिका के पास काफी ज्यादा रिजर्व तेल है। अमेरिका अपने रिजर्व तेल को बाजार में पंप करना शुरू कर देगा। हालांकि, इसके बावजूद ईरान के किसी फैसले से तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। इसकी एक वजह यह है कि रूस-यूक्रेन जंग के बाद अमेरिका के पास रिजर्व तेल भंडार 40 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, फिर भी अमेरिका के पास ऐसे किसी संकट से निपटने के लिए पर्याप्त तेल है।

पाकिस्तानी मौलाना ने क्या वाकई दी कश्मीर का इजरायल जैसा हाल करने की धमकी

मौलाना अब्बासी पहले भी कश्मीर पर कई भड़काऊ बयान दे चुके हैं ऐसे में जब यह स्क्रीन शॉट आया तो कई लोगों ने इसे काफी गंभीर बताया

इस्लामाबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल पर हमास ने 50 सालों का सबसे भयानक हमला किया और अब इजरायली सेनाएं उसे मुंहतोड़ जवाब दे रही हैं। इस आतंकी हमले पर पाकिस्तान की तरफ से भी बयान दिया गया है। लेकिन जब एक स्क्रीन शॉट वायरल होने लगा, तो यह मामला काफी गंभीर हो गया। यह स्क्रीन शॉक पाकिस्तानी मौलाना खालिद मोहम्मद अब्बासी के एक बयान का था। इसमें दावा किया गया कि अब्बासी ने भारत को धमकी दी है कि जो हाल हमास ने इजरायल में किया है, वही पाकिस्तान भारत में भी करेगा। मौलाना अब्बासी पहले भी कश्मीर पर कई भड़काऊ बयान दे चुके हैं। ऐसे में जब यह स्क्रीन शॉट आया तो कई लोगों ने इसे काफी गंभीर बताया। हालांकि सच कुछ और है। इस स्क्रीन शॉट में मौलाना की फोटो थी और इस पर लिखा था, 'हम कश्मीर में भी वही करेंगे जो हमास ने इजरायल में किया है।' यह स्क्रीनशॉट रविवार से ही वायरल हो रहा था। इसके बाद मौलाना ने एक्स (ट्विटर) पर इसे शेयर किया। उन्होंने इसके जवाब में जो कुछ लिखा उससे तो यही लगता है कि अब्बासी ने यह बयान नहीं दिया है। अब्बासी ने लिखा, 'जरा भारतीयों का काम तो देखिए।' इसके बाद मौलाना ने एक यूजर को जवाब देते हुए लिखा, 'कोई हमारे पास आता तक नहीं है लेकिन जब दुश्मन तुम्हें सुलतान बना दे तो इसी तरह की गुस्ताखी होती है।'

मौलाना का जवाब

इसके बाद उन्होंने एक भारतीय यूजर को जवाब दिया, 'आपने हिंदुत्व का जो राक्षस खड़ा किया है, वही आपको निगलने के लिए काफी है।' अब्बासी पाकिस्तानी सेना के करीबी हैं और इसलिए इस स्क्रीन शॉट को सच मान लिया गया है। हालांकि उन्होंने इजरायल पर हुए हमले का जवाब दिया है। उन्होंने लिखा है, इतिहास खुद को बेरहमी से दोहराता है। फिलिस्तीन की भूमि पर कब्जा किया गया है। दो हजार साल से इस पर कब्जा है जब पोम्पी ने एक बड़ी सेना के साथ आक्रमण किया था।' उनका कहना था कि इजरायल ने फिलस्तीन को गुलाम बनाकर रखा है। अब तक इस संघर्ष में कई लाख लोगों की मौत हो गई है।

पाकिस्तान की अपील

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजरायल और फिलिस्तीन के बीच तनाव कम करने की अपील की है। अल्वी ने एक्स पर लिखा, 'फिलिस्तीन और इजरायल में हिंसा से मैं बहुत परेशान हूं। खूनखराबा और इंसानी जिंदगी को रोकने के लिए संयम बरतना चाहिए।' उन्होंने तुरंत ही युद्धविराम की मांग की है। उनका कहना है कि फिलिस्तीन और इजरायल की दुश्मनी नुकसान पहुंचाने वाली है।

इधर इस्राइल पर हुए हमलों की निंदा कर रहे थे पीएम ट्रूडो

उधर कनाडा में ही फलस्तीन के झंडे के साथ जश्न

जरूसलम, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हमास द्वारा इस्राइल पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। इस्राइल पर हुए इस हमले पर ट्रूडो की प्रतिक्रिया तब आई है जब वह खुद खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई न कर पाने की वजह से भारत की आलोचना का सामना कर रहे हैं। हमास के हमले पर ट्रूडो की प्रतिक्रिया के बाद इंटरनेट पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें ओंटारियो के मिसिसॉगा की सड़कों पर कुछ युवाओं को फलस्तीन के झंडे के साथ इस्राइल पर इस हमले का जश्न मनाते हुए देखा गया है।

शनिवार को फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास ने इस्राइल पर हमला किया, जिसमें अबतक 700 से अधिक लोगों मारे गए तो वहीं 2000 के करीब घायल हुए हैं। हालांकि, इस्राइली सेना ने आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ किए गए अधिकांश क्षेत्रों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है।

कनाडाई मीडिया ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें कई युवाओं को फलस्तीन झंडे के साथ वाहनों पर नारे लगाते हुए देखा गया। केवल कनाडा ही नहीं बल्कि स्वीडेन, जर्मनी और तुर्की में भी हमास द्वारा किए गए इस हमले का जश्न मनाने वाला वीडियो भी सामने आया है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, 'कनाडा, इस्राइल के खिलाफ इस आतंकी हमले की कड़ी निंदी करता है। हम इस्राइल के साथ खड़े हैं और उनका पूरा समर्थन करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमने इस्राइल की जो तस्वीरें देखी, वह भयावह और चौंकाने वाली है। हम बंधक बनाए गए लोगों की तत्काल रिहाई का भी आह्वान करते हैंऔर हम मांग करते हैं कि उनके साथ अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार व्यवहार किया जाए।'

अब चीन पर आतंकी निज्जर की हत्या का आरोप

दावा- अमेरिका में हुई प्लानिंग, भारत-पश्चिमी देशों के बीच फूट डालने के लिए रची गई साजिश

न्यूयॉर्क, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। चाइना कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) पर नजर रखने वाली वाली ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट जेनिफर जेंग ने दावा किया है कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे चीन का हाथ है।

उन्होंने ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा- कनाडा में हुई आतंकी निज्जर की हत्या के पीछे सीसीपी के एजेंट्स थे। चीन ने ऐसा भारत और पश्चिमी देशों के बीच फूट डालने के लिए किया। उन्होंने ये भी दावा किया कि चीन नहीं चाहता कि ताइवान से जुड़ी कोई भी जानकारी या जिनपिंग की मिलिट्री स्ट्रैटजी दुनिया को पता चले इसलिए सीसीपी ने एक प्लान बनाया। प्लान के तहत कुछ सीसीपी एजेंट्स ने निज्जर की हत्या कर दी।

एजेंट्स ने भारतीयों के लहजे में अंग्रेजी बोलना सीखा था

जेंग ने कनाडा में रहने वाले चीनी यूट्यूबर लाओ डेंग का हवाला देते हुए कहा- सीसीपी मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी ने जून में कुछ अधिकारियों को अमेरिका के सिएटल भेजा था। यहां निज्जर की हत्या का प्लान बनाया गया। मकसद एक था- भारत और पश्चिम के बीच दरार डालना। उन्होंने ने अपने वीडियो में कहा- भारत को फंसाने के लिए निज्जर को मारने वाले एजेंट्स ने भारतीयों के लहजे में अंग्रेजी बोलना सीखा था। निज्जर की हत्या पार्किंग लॉट में हुई थी जिसके बाद सीसीपी एजेंट्स ने सबूत मिटाने के लिए उसकी कार में लगे कैमरे को तबाह कर दिया था। फिर वो कनाडा से फ्लाइट में चीन लौट आए।

18 जून 2023 की शाम कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित गुरुद्वारा की पार्किंग में खालिस्तान टाइगर फोर्स के चीफ आतंकी हरदीप सिंह निज्जर पर दो युवकों ने फायरिंग कर दी थी। निज्जर की मौके पर ही मौत हो गई। निज्जर को भारत ने भगोड़ा घोषित कर रखा था और इस पर 10 लाख रुपए का इनाम भी था।

3 महीने बाद यानी 18 सितंबर 2023 को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हाउस ऑफ कॉमन्स यानी वहां की संसद में एक बयान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जून में ब्रिटिश कोलंबिया में निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट्स का हाथ हो सकता है। ट्रूडो का इशारा भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ की तरफ था।

भारत-कनाडा विवाद पर अब तक अमेरिका का रुख

18 सितंबर को जस्टिन ट्रूडो के भारत पर निज्जर की हत्या का आरोप लगाने के बाद था अमेरिका ने कहा था कि वो दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए।

इसके बाद 22 सितंबर को अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) जेक सुलिवन ने व्हाइट हाउस में मीडिया से कहा कि वह इस हत्या के मामले में भारत के खिलाफ जांच में कनाडा के प्रयासों का समर्थन करते हैं। सुलिवन ने कहा था कि कोई भी देश हो, इस तरह के कामों के लिए किसी को भी स्पेशल छूट नहीं मिलेगी।

इसी दिन अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि संयुक्त राज्य अमेरिका हत्या पर जवाबदेही चाहता है। ब्लिंकन ने एक प्रेस ब्रीफिंग में संवाददाताओं से कहा था- प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा लगाए गए आरोपों से हम बेहद चिंतित हैं।

24 सितंबर को न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया कि निज्जर की हत्या के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने कनाडा को इंटेलिजेंस इकट्ठा करने में मदद की थी। इसी के आधार पर कनाडा को यह निष्कर्ष निकालने में मदद मिली कि भारत इसमें शामिल था। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत पर आरोप लगाते समय कनाडा ने जिस खुफिया रिपोर्ट का हवाला दिया था, वह उसने खुद जुटाई थी।

हम इस्राइल के साथ खड़े हैं

हमास के हमले के खिलाफ एकजुट हुए अमेरिका में रहने वाले भारतवंशी

वाशिंगटन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठन हमास और इस्राइल के बीच संघर्ष जारी है। इन हमलों में अभी तक एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। हमास के हमलों के बाद भारतीय अमेरिकी इस्राइल के पक्ष में उतर आए हैं। राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से दो उम्मीदवारों निक्की हेली और विवेक रामास्वामी समेत भारतीय मूल के अमेरिकियों ने कहा कि हम इस्राइल के साथ हैं।

गौरतलब है, आतंकी संगठन हमास ने गाजा से शनिवार की सुबह अचानक इस्राइली शहरों पर ताबड़तोड़ रॉकेट दाग दिए थे। यही नहीं, हमास के बंदूकधारी इस्राइली शहरों में भी घुस गए और कुछ सैन्य वाहनों पर कब्जा कर हमले किए। कई इस्राइली सैनिकों को बंधक भी बना लिया। इस पर इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमास के प्रमुख बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए कई जवाबी हवाई हमले किए। संघर्ष में अभी तक कुल एक हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

हमास, हिजबुल्लाह, हूती और ईरानी

रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हेली ने कहा, 'हमास और उनका समर्थन करने वाले समर्थक, ईरानी शासन इस्राइल मुर्दाबाद, अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे। यही हमें याद रखना चाहिए। हम इस्राइल के साथ हैं क्योंकि हमास, हिजबुल्लाह, हूती और ईरानी समर्थक हमसे नफरत करते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमें याद रखना होगा कि जो इस्राइल के साथ हुआ वह यहां अमेरिका में भी हो सकता है। मुझे उम्मीद है कि हम सभी एकजुट होंगे और इस्राइल के साथ खड़े होंगे क्योंकि उन्हें सही में अभी हमारी जरूरत है।' हेली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हमास को खत्म करने को कहा।

साल 2007 से गाजा पट्टी पर शासन कर रहा हमास

बता दें, हमास एक फलस्तीनी इस्लामी आतंकवादी समूह है, जिसने साल 2007 से गाजा पट्टी पर शासन किया है। गाजा पट्टी में करीब 23 लाख लोग रहते हैं। यह 41 किमी लंबा और 10 किमी चौड़ा क्षेत्र है जो , मिस्र और भूमध्य सागर से घिरा हुआ है।

अमेरिका ले हमले से सबक

एक अन्य भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन उम्मीदवार रामास्वामी ने कहा कि अमेरिका को इस्राइल पर हुए हमले से सबक सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस हमले से समझा जा सकता है कि अमेरिका अपनी सीमाओं की रक्षा को लेकर एक दम निश्चिंत नहीं रह सकता है।

उन्होंने कहा, 'अगर हमला अचानक से इस्राइल में हो सकता है तो यहां भी हो सकता है। हमारी सीमा पर भी हमले होने के लिए थोड़े थोड़े रास्ते खुले हुए हैं। दक्षिणी सीमा की हालत तो बिल्कुल खराब है। मैंने कल उत्तरी सीमा का दौरा किया, जहां सुरक्षा मजबूत नहीं है। यहां आक्रमण हो सकता है।' रामास्वामी ने कहा, 'हम इन हमलों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। हमें इस्राइल पर हुए हमलों को अपने देश में खतरे की घंटी के रूप में लेना चाहिए।'

चीन बना रहा बेहद खतरनाक परमाणु पनडुब्बी

ड्रैगन के नए पैंतरे ने बढ़ाई दुनिया की परेशानी

वॉशिंगटन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज ताकत का केंद्र एशिया बन चुका है और यही वजह है कि एशिया में हथियारों की होड़ लगी हुई है। अब इस हथियारों की होड़ में चीन के नए पैंतरे ने दुनिया की परेशानी बढ़ा दी है। दरअसल चीन एक बेहद खतरनाक परमाणु पनडुब्बी का विकास कर रहा है। इस पनडुब्बी की खासियत ये है कि यह बेहद शांत रहकर समुद्र में गश्त करने में सक्षम होगी, जिसके चलते इसका पता लगा पाना बेहद मुश्किल होगा। अनुमान है कि इस दशक के अंत तक चीन इस नई परमाणु पनडुब्बी का निर्माण पूरा कर लेगा। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि चीन 096 टाइप की बैलेस्टिक मिसाइलों का निर्माण कर रहा है। इन परमाणु पनडुब्बियों में रूसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे ये समुद्र में संचालन के दौरान बेहद कम आवाज करेगी, जिससे इसे ट्रैक कर पाना अमेरिका समेत अन्य सहयोगी देशों के लिए बेहद मुश्किल होगा। बीती मई में यूएस नेवल वॉर कॉलेज में आयोजित हुए सम्मेलन में इस पर चर्चा हुई और चीन के मेरीटाइम स्टडीज इंस्टीट्यूट ने अगस्त में प्रकाशित एक लेख में नई परमाणु पनडुब्बी की खासियतों के बारे में जानकारी दी है। अभी चीन की परमाणु पनडुब्बियां परमाणु हमला करने की पूरी ताकत के साथ दक्षिण चीन सागर और हिंद प्रशांत महासागर में गश्त करती रहती हैं। अमेरिका और भारत-जापान समेत उसके अन्य सहयोगी देश चीन की परमाणु पनडुब्बियों पर नजर रखते हैं लेकिन 096 पनडुब्बी के आने के बाद इन देशों की चुनौती कई गुना बढ़ जाएगी। अभी चीन की नौसेना 094 परमाणु पनडुब्बी का संचालन करती है, जिस पर चीन की अत्याधुनिक सबमरीन लॉन्च जेएल-3 मिसाइल तैनात है लेकिन यह पनडुब्बी काफी शोर करती है, जिसके चलते इस ट्रैक कर पाना थोड़ा आसान है लेकिन 096 के आने के बाद दुनिया के देशों की चिंता बढ़ सकती है।

हम दुनिया को अपने देश पर हुए अत्याचारों को भूलने नहीं देंगे

न्यूयॉर्क, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठन हमास के इस्राइल पर शनिवार सुबह अचानक किए गए हमले के बाद दोनों के बीच संघर्ष जारी है। इन हमलों में अभी तक एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में इस्राइल के स्थायी प्रतिनिधि गिलाद एर्दान ने कहा कि यह इस्राइल का 9/11 है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब इस्राइल की बात आती है तो संयुक्त राष्ट्र की याददाश्त बहुत कमजोर हो जाती है, जिस आतंक को हम जल्दी से खत्म करते हैं, वह एक साइड नोट बनकर रह जाता है। हालांकि, इस बार ऐसा नहीं होगा।

गौरतलब है, आतंकी संगठन हमास ने गाजा से शनिवार की सुबह अचानक इस्राइली शहरों पर ताबड़तोड़ रॉकेट दाग दिए थे। यही नहीं, हमास के बंदूकधारी इस्राइली शहरों में भी घुस गए और कुछ सैन्य वाहनों पर कब्जा कर हमले किए। कई इस्राइली सैनिकों को बंधक भी बना लिया। इस पर इस्राइल ने भी जवाबी हमला किया। फिलहाल, दोनों के बीच यह संघर्ष जारी है।

एर्दान ने कहा, 'पिछले दिन इस्राइली के लिए विनाशकारी रहे हैं। हमारे देश को खतरनाक हमले का सामना करना पड़ रहा है।

55 दिन बाद मिलेगी छत्तीसगढ़ की नई सरकार

7 नवंबर को 20 और 17 नवंबर को 70 सीटों पर वोटिंग, 3 दिसंबर को नतीजे

रायपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सोमवार को छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों में चुनाव तारीखों का ऐलान कर दिया है। छत्तीसगढ़ में 2 चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण में 7 नवंबर और दूसरे चरण में दिवाली के 5 दिन बाद 17 नवंबर को मतदान होगा। दोनों चरण के नतीजे एक साथ 3 दिसंबर को आएंगे। ऐसे में आज से 55 दिन बाद प्रदेश में नई सरकार की तस्वीर साफ हो सकती है। 7 नवंबर को पहले चरण में 20 सीटों पर वोटिंग होगी, जिसमें बस्तर संभाग की 12 और राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र की 8 विधानसभा सीटें शामिल हैं। वहीं दूसरे चरण में बाकी 70 सीटों पर मतदान होगा। पहले चरण की 13 विधानसभा सीटें आरक्षित हैं। इनमें बस्तर संभाग की जगदलपुर सीट के अलावा सभी 11 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। वहीं डोंगरगढ़ सीट अनुसूचित जाति और मोहला मानपुर अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। पहले चरण की पांच सीटों पर बीजेपी ने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं, जबकि कांग्रेस ने कहीं भी टिकट घोषित नहीं किया है।

केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान बोले- गहलोत बूढ़े शेर की तरह

शिकार नहीं कर सकते इसलिए जनता को दे रहे प्रलोभन

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सीएम अशोक गहलोत की तुलना बूढ़े शेर से करते हुए कहा कि जिस तरह से बूढ़ा शेर जब शिकार नहीं कर पाता है तो वह नदी किनारे पोटली लेकर बैठता है। कहता है मैं आजकल साधु हो गया हूं। मैं अब शिकार नहीं करता हूं। जो मेरे पास आएगा उसे मैं सोने की कंकर दूंगा। उन्होंने कहा कि आज अशोक गहलोत और कांग्रेस पार्टी की हालत कुछ ऐसी ही हो गई हैं। जिस तरह से बूढ़े शेर ने हिरण को प्रलोभन दिया था। उसी तरह से अशोक गहलोत राजस्थान की जनता को प्रलोभन दे रहे हैं।

सरकार गिराने के आरोपो पर बोले-मैं कहां से बीच में आ गया

केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सरकार गिराने के आरोपो को लेकर कहा कि अशोक गहलोत व पायलट का मामला उनके घर का विषय है।

गहलोत बड़े नेता हैं। सचिन पायलट उनकी सरकार में मंत्री थे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। उन्हीं की पार्टी के युवराज के खास थे। इसमें धर्मेन्द्र प्रधान कहां से बीच में आ गया।

गौरतलब है कि साल 2020 के सियासी संकट को लेकर अक्सर अशोक गहलोत बीजेपी पर उनकी सरकार को गिराने का आरोप लगाते हैं। उसमें गहलोत गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ-साथ केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के भी शामिल होने की बात कहते हैं।

50 दिन बाद बन रही भाजपा की सरकार

केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने आज जयपुर संभाग की 50 विधानसभा सीटों को लेकर कार्यकर्ताओं से संवाद किया। संवाद के बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज से 50 दिन बाद प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते दिख रही है।

जनता यह तय कर चुकी हैं। उन्होंने प्रदेश बीजेपी कार्यालय में जयपुर संभाग के सोशल मीडिया वॉलंटियर्स की बैठक भी ली। जिसे संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा दौर में सोशल मीडिया का सकारात्मक इस्तेमाल कर विभिन्न माध्यमों के जरिये केंद्र सरकार की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार और राज्य सरकार के कुशासन को जनता के बीच उजागर करें।

पोस्टर पर विवाद के बाद बीजेपी सामने लाई परेशान किसान

बोले- मरने के बाद भी बैंक वाले कर रहे परेशान, जमीन कुर्की का नोटिस थमा दिया

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमीन नीलामी के पोस्टर पर गलत किसान की फोटो लगने के बाद अब बीजेपी मामले को बैंलेस करने के लिए कर्ज माफी से परेशान किसानों को सामने लेकर आई हैं। आज बीजेपी कार्यालय में ऐसे करीब दो दर्जन किसानों ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी।

दरअसल, बीजेपी ने नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत कर्ज माफ नहीं होने से जमीन नीलामी के पोस्टर पर जिस किसान की फोटो लगाई थी। उसका कहना है कि उस पर एक रुपए का भी कर्जा नहीं है। किसान का आरोप था कि बीजेपी वालों ने उसे बदनाम किया है। शनिवार को जैसलमेर के किसान माधुराम जयपाल ने सीएम अशोक गहलोत

से मुलाकात की थी। इसका वीडियो शेयर करते हुए सीएम ने टैग लाइन दी है- हमारे किसान को क्यों बदनाम किया?

वहीं, बीजेपी कार्यालय पहुंचे किसान खाजू ने बताया- मेरे चचेरे भाई लादूराम ने कर्जा माफ नहीं होने से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वादा किया था कि एक,दो,तीन,चार.....दस तक गिनती गिनने से पहले ही किसान का कर्जा माफ हो जाएगा। हमारा कर्जा माफ नहीं हुआ। मरने के बाद भी बैंक वाले कर्जा चुकाने के लिए परेशान करते रहे। फिर कर्जा नहीं चुकाने पर जमीन कुर्की का नोटिस थमा दिया।

इसी तरह से नीम का बास, शाहपुरा के रहने वाले किसान छोटूराम जाट ने कहा कि मैने बैंक से कर्जा लिया था। जब तक कुएं में पानी था। फसल हो जाती थी। इससे कर्जा समय पर चुकाया। पानी खत्म होने पर फसल नहीं हुई और कर्जा नहीं चुका पाए। इसके बाद बैंक वालों ने जमीन नीलामी का नोटिस भेज दिया।

कर्ज माफी पर राठौड़ नहीं दे

प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ से सवाल किया गया कि क्या बीजेपी किसान की कर्ज माफी को अपने घोषणा पत्र में शामिल करेगी? तो राठौड़ सीधे तौर पर इसका कोई जवाब नहीं दे पाए। राठौड़ ने कहा कि घोषणा पत्र के संयोजक केन्द्रीय अर्जुनराम मेघवाल है। वो ही इस बारे में स्पष्ट रूप से बता सकते हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी किसान को धोखा नहीं देगी। जो कहेंगे वो करेंगे। किसान की जमीन नीलाम होने से बचाने के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में बीजेपी का सरकार बनने पर किसान की जमीन बचाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा ने राजस्थान के रण में उतारे 7 दिग्गज सांसद

जारी की 41 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, विद्याधर नगर से दीया कुमारी और झोटवाड़ा से राज्यवर्धन सिंह का नाम

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ झोटवाड़ा से, दीया कुमारी विद्याधर नगर से, बाबा बालकनाथ तिजारा से, हंसराज मीना सपोटरा से और किरोड़ी लाल मीना सवाई माधोपुर से चुनाव लड़ेंगे।

राजस्थान विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने राजस्थान में 41 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ झोटवाड़ा से, दीया कुमारी विद्याधर नगर से, बाबा बालकनाथ तिजारा से, हंसराज मीना सपोटरा से और किरोड़ी लाल मीना सवाई माधोपुर से चुनाव लड़ेंगे।

कहां से किसे मिला है टिकट, ये रही लिस्ट

गंगानगर से जयदीप बिहानी
भादरा से संजीव बलियान
डूंगरगढ़ से ताराचंद सरस्वत

सुजानगढ़ से संतोष मेघवाल
झुंझनू से बबलू चौधरी
मंडावा से नरेंद्र कुमार (सांसद)
नवलगढ़ से विक्रम से जाखल
उदयपुरवाटी से शुभकरण चौधरी
फ़तेहपुर श्रवण चौधरी
दातारामगढ़ से गजानन्द कुमावत
कोटपुतली से हंसराज पटेल गुर्जर
झोटवाडा से राज्यवर्धन सिंह
दुदु से प्रेम चंद बैरवा
विद्याधरनगर से दीया कुमारी
सवाईमाधोपुर से किरोड़ी लाल मीणा
देवली-उनियारा से विजय बेसला
किशनगढ़ भागीरथ चौधरी
केकड़ी से शत्रुघन गौतम
बिलाड़ा से अर्जुनलाल गर्ग
बायतू से बालराम मूंड
सांचौर से देवजी पटेल (सांसद)
खेरवाड़ा से ननलाल आहरी
डूंगरपुर से बंसीलाल कटारा
सागनवाडा से शंकर डेचा
चौरासी से सुशील कटारा
बागिदौरा से कृष्णा कटारा
कुशलगढ़ से भाभाभाई डामोर
मण्डल से उदयलाल भडाना
सहाड़ा से लादूलाल पितलिया
बस्सी से चंद्र मोहन मीणा
तिजारा से बाबा बालकनाथ
बानसूर से देवी सिंह शेखावत
अलवर ग्रामीण से जयराम जाटव
नगर से जवाहर सिंह
वैर से बहादुर सिंह कोली
हिंडोन से राजकुमारी जाटव
सपोटरा से हंसराज मीणा
बांदीकूई से भागचंद डाकरा
लालसोट से रामबिलास मीणा
बामनवास से राजेन्द्र सिंह मीणा

पीएम मोदी के साथ हुई थी सीट बंटवारे पर गहन चर्चा

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में 1 अक्टूबर को केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक के दौरान उम्मीदवारों की सूची को आधिकारिक तौर पर अंतिम रूप दिया गया था। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए थे। भाजपा ने झोटवाड़ा से सांसद राज्यवर्धन राठौड़ और विद्याधर नगर से सांसद दीया कुमारी को उम्मीदवार बनाया है।

इसके अलावा बाबा बालकनाथ तिजारा से और किरोड़ी लाल मीना सवाई माधोपुर से चुनाव लड़ेंगे। अपने मजबूत सांसदों को मैदान में उतारने के भाजपा के फैसले के बाद राजनीतिक हलचल काफी बढ़ गई है। चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि राजस्थान में एक ही चरण में 23 नवंबर को विधानसभा चुनाव होंगे और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

राज्यपाल से मिला बीजेपी का प्रतिनिधि मंडल

सांसद दिया बोलीं- बेटियों की सुरक्षा में नाकाम रही गहलोत सरकार

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सांसद दिया कुमारी ने भाजपा प्रतिनिधि मंडल के साथ राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की और उन्हें बिगड़ती कानून व्यवस्था की जमीनी हकीकत से रूबरू करवाया। इस दौरान सांसद दिया ने सीएम अशोक गहलोत पर भी हमला बोला।

राजसमंद से भाजपा सांसद दिया कुमारी ने राजस्थान की बिगड़ी कानून व्यवस्था और महिला अपराधों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत सरकार महिलाओं और खासकर बच्चियों को सुरक्षित माहौल देने में पूरी तरह से विफल रही है। सांसद दिया कुमारी ने भाजपा प्रतिनिधि मंडल के साथ

राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की और उन्हें बिगड़ती कानून व्यवस्था की जमीनी हकीकत से रूबरू करवाया।

सांसद दिया कुमारी ने कहा कि प्रतापगढ़ के पीपलखूंट में 12वीं कक्षा की दो आदिवासी छात्राओं ने छेड़छाड़ और प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। ये छात्राएं पढ़ाई के लिए अपने घर से दूर रह रहीं थीं। छेड़छाड़ की शिकायत देने के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। राजस्थान में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि पुलिस को शिकायत देने के दूसरे ही दिन दोनों छात्राओं का अपहरण कर लिया गया और बाद में रास्ते में फेंक गए।

दिया कुमारी ने कहा कि सभ्य समाज में ऐसी घटनाओं के लिए कोई जगह नहीं है। कांग्रेस के राज में कानून का इकबाल खत्म हो गया है। जिस सरकार के मंत्री राजस्थान को 'मर्दों का प्रदेश' बताकर कानून-व्यवस्था चुस्त रखने की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हों, वहां बेटियों का मनोबल टूटना लाजमी है।

हाईवे पर 8 बार पलटी खाई कार, युवक की मौत

कोटा में सिमलिया टोल नाके के पास हादसा, तीन युवक गंभीर घायल

कोटा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोटा के सिमलिया थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार पलटने से एक युवक की मौत हो गई। युवक अपने दोस्तों के साथ कोटा से बारां जा रहा था। टोल नाके के पास कार अनियंत्रित होकर आठ बार पलटी खाते हुए डिवाइडर से टकरा गई। सिर पर चोट लगने से गंभीर घायल बारां निवासी सानिध्य कुमराह (23) की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि कार सवार उसके तीन दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए है। घटना कोटा-बारां फोरलेन पर सिमलिया टोल नाके के पास रात साढ़े 10 बजे के आसपास की है।

सानिध्य के ताऊ योगेश ने बताया कि सानिध्य बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था। तीन दोस्त सारांश बंसल, शोभित बंसल, व लवीश जैन के साथ कार से किसी काम से कोटा आया था। रात को चारों दोस्तों वापस बारां जा रहे थे। सानिध्य कार में पीछे की सीट पर बैठा। कार को उसका दोस्त चला रहा था। सिमलिया टोल नाके से पहले कार अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें चारों घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल लाया गया। सिर पर गम्भीर चोट लगने सानिध्य की मौत हो गई। सानिध्य के पिता बारां में व्यापारी है।

सिमलिया थाना हैड कॉन्स्टेबल नरेश कुमार ने बताया चारों दोस्त बारां के रहने वाले हैं। जो किसी काम से कोटा आए थे। वापस बारां लौटते समय रास्ते में कार अनियंत्रित हो गई। जिसमें चारों घायल हो गए। गंभीर चोट लगने से सानिध्य की मौत हो गई।

9 करोड़ की स्मैक के साथ पूर्व सरपंच पकड़ा

10 हजार रुपये का है इनामी, सीआईडी टीम ने की कार्रवाई

झालावाड़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की टीम ने झालावाड़ जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए स्थानीय पुलिस के सहयोग से 9 करोड़ रुपये की स्मैक बरामदगी में वांछित 10 हजार के इनामी तस्कर भगवान सिंह नागर पुत्र धन्नालाल धाकड़ निवासी पाउखेड़ी थाना सुनेल जिला झालावाड़ को डिटेन कर बारां पुलिस को सौंप दिया है। आरोपी ग्राम पंचायत चतलाव का पूर्व सरपंच था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम द्वारा लगातार इनामी अपराधियों व अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई।

टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल महेश सोमरा को आरोपी भगवान सिंह नागर भूतपूर्व सरपंच के संबंध में सूचना मिली थी। एडीजी एमएन ने

बताया कि आईजी क्राइम प्रफुल्ल कुमार के पर्यवेक्षण एवं एडिशनल एसपी नरोत्तम वर्मा व राजेश मलिक के सुपरविजन तथा इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, रविंद्र सिंह, राकेश जाखड़ व कांस्टेबल नरेश को इस सूचना को डेवलप करने रवाना किया गया था। टीम ने सूचना विकसित कर पुख्ता की, इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से आरोपी तस्कर भगवान सिंह नागर को डिटेन कर बाद में बारां पुलिस को सौंप दिया गया।

उल्लेखनीय है कि 7 जुलाई 2023 को सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने बारां जिले के थाना सदर इलाके में 9 करोड़ की स्मैक के साथ थाना भवानी मंडी निवासी आरोपी इकबाल खान और जिला मंदसौर मध्य प्रदेश निवासी भरत कुमार नागर को पकड़ा था। जिन्होंने पूछताछ में गांव पाउखेड़ी थाना सुनेल झालावाड़ निवासी भूतपूर्व सरपंच भगवान नागर के लिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ से स्मैक खरीद कर लाना बताया था। आरोपी पर एसपी बारां द्वारा 10 हजार का इनाम घोषित किया हुआ है। पूर्व सरपंच होने की आड़ में काफी समय से यह झारखंड, बिहार, मणिपुर और एमपी से भारी मात्रा में मादक पदार्थ लाकर राज्य में सप्लाई करता रहा है।

सेड़ी बाजार में दिनदहाड़े फायरिंग

ज्वैलरी शॉप और कपड़ा शोरूम में किए 6 राउंड फायर, इलाके में दहशत

धौलपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। घटना के बाद दुकानदार एवं स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। पुलिस को स्थानीय लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। घटना में स्वर्णकार और दो कस्टमर बाल बाल बचे। घटना से दहशत का माहौल बना हुआ है। वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है।

धौलपुर बसेड़ी कस्बे में दिन दहाड़े बाइक सवार दो बदमाशों ने स्वर्णकार की दुकान एवं एक कपड़ा शोरूम में करीब आधा दर्जन राउंड अंधाधुंध फायरिंग कर दी। फायरिंग में स्वर्णकार एवं सामने बैठी महिला कस्टमर एवं युवक बाल बाल बचे।

फायरिंग की घटना से बाजार में दहशत फैल गई। बदमाश अंधाधुंध फायरिंग कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कस्बा समेत आसपास के इलाकों में नाकाबंदी भी कराई, लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं लग सका है।

बसेड़ी कस्बे के मनिहार मार्केट में दो बाइक सवार बदमाश पहुंच गए। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने सबसे पहले स्वर्णकार की दुकान में गोली दाग दी। दुकान के अंदर बैठा स्वर्णकार एवं महिला कस्टमर एवं युवक बाल बाल बच गया। इसके बाद बदमाशों ने कपड़े के शोरूम में अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गनीमत यह रही की शोरूम में भी ग्राहकों की भीड़ मौजूद थी, लेकिन कोई हाताहत नहीं हो सका है।

नहीं बन पाएंगे 3 नए जिले!: जातिगत सर्वे पर चुनाव आयोग करेगा फैसला

फ्री मोबाइल-फूड पैकेट मिलेंगे या नहीं, कैसे मिलेगा दीपावली बोनस

जयपुर

प्रदेश में चुनावों की तारीख के ऐलान के साथ ही आचार संहिता लग गई है। आचार संहिता के साथ ही जनता से जुड़ी घोषणाओं का दौर थम गया है। आचार संहिता लगने के साथ ही कई काम थम जाएंगे तो कई काम चुनाव आयोग के पाले में आ जाएंगे। वो काम होंगे या नहीं, इसका फैसला आयोग करेगा।

आचार संहिता लगते ही जनता के मन में सवाल आने लगे हैं। जैसे...

क्या 3 नए जिले बनेंगे या अटक जाएंगे?

जातिगत सर्वे का क्या होगा?

महिलाओं को फ्री मोबाइल मिल रहे थे, क्या उन पर भी रोक लग जाएगी?

23 नए बोर्ड की घोषणा की गई थी, उस घोषणा का अब क्या होगा?

सरकार की ओर से अन्नपूर्णा फूड पैकेट बांटे जा रहे थे, उनका क्या होगा?

ढाई लाख शिक्षकों को तबादले का इंतजार था, क्या ये इंतजार ही रह जाएगा?

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस साल 17 नए जिले और 3 नए संभाग बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद प्रदेश में 33 से बढ़कर 50 जिले हो गए। सात संभागों की संख्या को भी बढ़ाकर 10 कर दिया गया। इसके बाद 6 अक्टूबर को सीएम ने 3 नए जिले सुजानगढ़, मालपुरा और कुचामन की घोषणा कर सबको चौंका दिया। जिलों की सिफारिश के लिए गठित कमेटी का कार्यकाल भी बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 तक कर दिया गया था।

नए जिलों की घोषणा में सबसे जरूरी चीज थी नोटिफिकेशन। नए जिले बिना नोटिफिकेशन के अस्तित्व में नहीं आ सकते हैं। नए जिलों का नोटिफिकेशन 9 अक्टूबर तक जारी नहीं हुआ।

निष्कर्ष : ऐसे में अब नए जिलों की घोषणा, घोषणा ही बनकर रह जाएगी। अब नोटिफिकेशन जारी करने के लिए सरकार को चुनाव आयोग से अनुमति लेनी होगी। चुनाव आयोग सामान्यतः ऐसे मामलों में अनुमति देता नहीं है।

जातिगत सर्वे हो पाएगा या नहीं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आचार संहिता लगने के महज तीन दिन पहले प्रदेश में जातिगत सर्वे की घोषणा की थी। बिहार जातिगत सर्वे कराने वाला पहला राज्य है। चर्चा थी कि राजस्थान जातिगत सर्वे वाला दूसरा राज्य बन जाएगा।

राज्य मंत्रिमंडल ने जातिगत सर्वे की मंजूरी दी। इसकी वित्तीय और प्रशासनिक मंजूरी भी चुनाव आचार संहिता से पहले (7 अक्टूबर, 2023) को ही लागू हो गई है। सर्वे के आदेश भी जिला कलेक्टरों को 7 अक्टूबर को ही जारी कर दिए गए। ऐसे में इसका कार्य चुनाव आचार संहिता से पहले शुरू हो गया है। राजस्थान सरकार ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और आयोजना विभाग को इसकी जिम्मेदारी दी है। आयोजना विभाग को इसके लिए नोडल विभाग बनाया गया है।

निष्कर्ष : प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार गुप्ता ने बताया कि चुनाव आयोग आचार संहिता लगने के दौरान किए जाने वाले किसी भी सरकारी कार्य, घोषणा, बयान, आदेश आदि को अपने विवेकाधिकार में ले सकता है। आयोग को यदि लगे कि कोई कार्य चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है या किसी आदेश के जरिए मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित किया जा रहा है तो वो उस पर रोक लगा सकता है।

अन्नपूर्णा फूड पैकेट किट बांटने का काम भी रुक जाएगा...

राजस्थान सरकार ने 15 अगस्त को अन्नपूर्णा फूड पैकेट किट की योजना शुरू की थी। इस योजना में गेहूं के साथ 7 अलग-अलग पैकेट मिलते हैं, जिसमें नमक, चीनी, दाल, रिफाइंड तेल समेत किचन में खाना पकाने में उपयोग होने वाली अन्य राशन सामग्री शामिल होती है।

नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट से जुड़े परिवारों को फ्री गेहूं के साथ दाल, चीनी, नमक, सोयाबीन रिफाइंड तेल, मिर्च, हल्दी और धनिया पाउडर के पैकेट दिए जा रहे हैं। हाल ही में सीएम ने अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में प्रदेश के 1.06 करोड़ परिवारों को चुनाव से पहले दीपावली और दूसरे त्योहारों के मौके पर एक अतिरिक्त फूड पैकेट का किट देने की घोषणा की।

निष्कर्ष : सरकार की अन्नपूर्णा फूड पैकेट किट योजना का अंतिम निर्णय चुनाव आयोग करेगा। चुनाव आयोग अन्नपूर्णा फूड पैकेट किट बांटने को मंजूरी देगा तो भी पैकेट से सीएम की तस्वीर हटानी होगी। सीएम की तस्वीर नहीं हटने पर इस योजना को बंद करना पडेगा।

बेरोजगारों को नौकरी का इंतजार नहीं होगा पूरा

फरवरी, 2023 में सीएम अशोक गहलोत ने 1 लाख नए पदों पर भर्तियां करने की घोषणा की थी, लेकिन वो घोषणा अब तक पूरी नहीं हुई। इनमें से चिकित्सा विभाग में 21 हजार पद और सफाई कर्मियों के 13 हजार पद के लिए भर्ती प्रक्रिया चालू कर दी थी। वहीं बचे हुए 66 हजार पदों के बारे में सरकार ने कोई वर्गीकरण (किस विभाग में कितने पद) तक नहीं किया। 48 हजार पदों पर तृतीय श्रेणी अध्यापकों की नियुक्ति होनी थी।

निष्कर्ष : सरकार आचार संहिता लागू होने से पहले नियुक्तियां नहीं कर पाई। ऐसे में बेरोजगारों का नौकरी का सपना पूरा नहीं हो पाएगा।

सरकारी कर्मचारियों को दीपावली पर बोनस मिलेगा या नहीं

राजस्थान में पिछले छह चुनाव नवंबर-दिसंबर में ही हुए हैं। दीपावली अक्टूबर या नवंबर में होती है। सरकार किसी भी पार्टी की हो, उसे सरकारी कर्मचारियों के लिए बोनस की घोषणा करनी होती है। इस बार दीपावली 12 नवंबर को है और उस दौरान आचार संहिता लगी होगी।

राज्य सरकार को करीब साढ़े तीन लाख कर्मचारियों के लिए बोनस की घोषणा करनी थी। करीब एक लाख कर्मचारी विभिन्न बोर्ड-निगम के भी हैं।

निष्कर्ष : सरकार अगर आचार संहिता लगने से पहले बोनस की घोषणा करती तो उसे आयोग से पूछने की जरूरत नहीं होती। अब आचार संहिता लगने के बाद सरकार को बोनस के लिए चुनाव आयोग से अनुमति लेनी पड़ेगी।

महिलाओं को मुफ्त मोबाइल मिलेंगे या नहीं

राजस्थान सरकार ने महिलाओं को इंटरनेट सेवा के साथ स्मार्टफोन उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल सेवा योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना नाम से फ्री मोबाइल योजना शुरू की गई। इस योजना के तहत प्रदेशभर में 1.35 करोड़ चिरंजीवी परिवार की महिला मुखिया और जनाधार कार्ड धारक महिलाओं को मुफ्त स्मार्टफोन दिए जा रहे हैं।

निष्कर्ष : अब आचार संहिता लगने के बाद फ्री मोबाइल को लेकर चुनाव आयोग ही निर्णय लेगा।

कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग क्लासेस का शानदार आगाज

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संचालित एवं तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद द्वारा आयोजित कॉन्फिडेंस पब्लिक स्पीकिंग कॉर्स का सप्त दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी की प्रेरणा से शत प्रतिशत सफल रहा। कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग की सात दिवसीय कार्यशाला की शुरुवात तेरापंथ भवन डीवी कॉलोनी सिकंदराबाद में हुई। कार्यशाला की शुरुआत साध्वी श्री सुदर्शनप्रभाजी ओर साध्वीश्री चैतन्यप्रभाजी के मंगलपाठ से हुई। तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के अध्यक्ष बाबुलाल बैद एवं तेयुप अध्यक्ष निर्मल दुगड़ ने सभी संस्थाओं की तरफ से सभी प्रतिभागियों का और प्रक्षिशक जिनेश हीरावत का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन दीक्षान्त समारोह में उपस्थित सीपीएस के प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री मंगलप्रज्ञाजी ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने की कोई निर्धारित उम्र नहीं होती। ज्ञान पिपासु और ज्ञान जिज्ञासुओं के लिए उड़ने को विकास का खुला वितान होता है।

उत्साह और पुरुषार्थ के संगम से वह सफलता भी प्राप्त कर लेता है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद का व्यक्तित्व निर्माण के लिए सीपीएस का आयाम महत्वपूर्ण है। वक्तृत्व कला के विकास के लिए यह कॉर्स वर्तमान की महनीय जरूरत है। ट्रेनर्स द्वारा ट्रेनिंग प्राप्त कर संभागीगण अपने भीतर विश्वास जागृत करते हैं। आत्मविश्वास जगाने वाली और यह प्रक्रिया काफी जनप्रिय बन रही है। ज्ञान के प्रति हमेशा आकर्षण का भाव बना रहना चाहिए।

तेयुप हैदराबाद कोषाध्यक्ष ललित लूणिया ने अभातेयुप उपाध्यक्ष रमेश डागा का परिचय दिया। आज के कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय तेयुप उपाध्यक्ष रमेश डागा उपस्थित रहे। कार्यशाला के संयोजक प्रकाश दूगड़, विशाल भंडारी, ऋषभ मेहता ने संयोजन किया। साध्वी सुदर्शनप्रभाजी, साध्वी सिद्धियशाजी, साध्वी राजुलप्रभाजी साध्वी चैतन्यप्रभाजी एवं साध्वी शौर्यप्रभाजी ने संस्कार पूर्ण ही लाइफ लेशन गीत का संगान किया। किशोर मंण्डल संयोजक खुशाल भंसाली एवं श्रद्धा पुगलिया, रुचि सेठिया ने सप्त दिवसीय ट्रेनिंग के पश्चात अपने भाव प्रस्तुत किए।

30 नवंबर को तेलंगाना आजाद होने जा रहा है : रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली/हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि तेलगाना 30 नवंबर को आजाद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के संकट से मुक्त हो जाएगा। चुनाव आयोग द्वारा तेलंगाना के साथ पांच राज्यों के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद उन्होंने दिल्ली में मीडिया से बात की। रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार में छह गारंटी से लोगों का जीवन रोशन होगा। तेलंगाना के लिए अच्छे दिन आ रहे हैं, केंद्रीय चुनाव आयोग ने तेलंगाना की मुक्ति की तारीख की घोषणा कर दी है। 30 नवंबर को, तेलंगाना में फैले प्लेग का अंत होने जा रहा है। तेलंगाना के लोगों को आगामी विजयदशमी को उत्साह के साथ मनाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने आलोचना की कि बिल्ला-रंगा (केसीआर- हरीश राव) में सत्ता खोने का डर शुरू हो गया है और उन्होंने कहा कि उन्होंने सोनिया गांधी और राहुल गांधी की आलोचना करना शुरू कर दिया, भले ही वे उस स्तर के न हों।

रेवंत रेड्डी ने आलोचना की कि केसीआर परिवार ने तेलंगाना में लाखों करोड़ रुपये की लूट की और दस हजार एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शहीद स्मारक और सचिवालय के निर्माण में भी लूटपाट की गयी है। उन्होंने केसीआर पर भ्रष्ट पैसे से चुनाव जीतने की कोशिश करने का आरोप लगाया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि दिसंबर में चमत्कार होने वाला है और कहा कि कांग्रेस सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि केसीआर के दस साल के शासनकाल में तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाएं पूरी नहीं हुईं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इन दस सालों में केसीआर का परिवार तो अमीर हो गया लेकिन लोगों को कुछ हासिल नहीं हुआ।

रेवंत रेड्डी ने सवाल किया कि अगर वे बीजेपी और बीआरएस की आलोचना कर रहे हैं, तो उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अकबरुद्दीन और असदुद्दीन असहिष्णुता क्यों दिखा रहे हैं? उन्होंने कहा कि उन्हें तय करना चाहिए कि वे किसके पक्ष में खड़े हैं और किसका समर्थन करेंगे। उन्होंने बीजेपी और बीआरएस पर तेलंगाना में कांग्रेस को सत्ता में आने से रोकने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

प्राप्त शिकायतों को सौ मिनट के भीतर हल किया जाएगा : रोनाल्ड रोज

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की आयुक्त और हैदराबाद के जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रोज ने कहा कि सुविधा केंद्र के माध्यम से राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को शीघ्र सिंगल विंडो अनुमति देने के लिए जीएचएमसी मुख्यालय में व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि अनियंत्रित वायु सेना, हेली पैड, वाणिज्यिक, रैली, लाउडस्पीकर और सार्वजनिक बैठक के लिए अनुमति अनिवार्य है। उन्होंने एक बैठक में कहा कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया विज्ञापन प्रमाण पत्र के लिए एमसीएमसी समिति की पूर्व अनुमति लेनी होगी, इसी प्रकार प्रिंटिंग प्रेस द्वारा मुद्रित पोस्टर, पैम्फलेट आदि, प्रकाशक, प्रकाशित राशि और उसके बिल का बिल एमसीएमसी समिति द्वारा किया जाएगा। को सौंपने का अनुरोध किया उन्होंने कहा कि इनका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चुनाव आचार संहिता के तहत कार्रवाई की जायेगी।

चुनाव आचार संहिता के अनुसार धन, शराब और तस्करी को रोकने के लिए 90 उड़नदस्तों का गठन किया गया है. उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों द्वारा आयोजित रैलियों और बैठकों की वीडियोग्राफी के लिए 15 विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक वीडियो निगरानी टीम का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान आचार संहिता की प्रक्रिया का पालन किया जाये। पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कहा कि हैदराबाद शहर में 1587 समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों की पहचान की गई है। चुनाव के दौरान हैदराबाद शहर में स्थापित की जाने वाली एकीकृत जांच चौकियों में जी.एस.टी. उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक कर, जीएचएमसी, आरटीए, उत्पाद शुल्क और नारकोटिक्स के अधिकारी 24 घंटे मौजूद रहेंगे। शराब की दुकानों पर शराबखोरी रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मनी ट्रांसफर वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया जायेगा. उन्होंने कहा कि जो लोग बड़ी मात्रा में धन का लेन-देन करते हैं, उन्हें संबंधित प्रमाण पत्र दिखाना चाहिए और इस बात का पूरा विवरण देना चाहिए कि धन का उपयोग किस लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन खातों में तय सीमा से अधिक रकम ट्रांसफर की गई है, उनकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि आरबीआई इसके लिए संबंधित बैंकरों के साथ बैठक की व्यवस्था करेगा। उन्होंने कहा कि एक बार फिर उनके साथ बैठक की जायेगी और मौद्रिक नियंत्रण के उपाय किये जायेंगे. उन्होंने कहा कि मतदाताओं को मुफ्त बसें देने पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

भगवान शंकर का अभिषेक करते हुए आचार्य प्रमोद शास्त्री, नरेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती माया देवी, पूजा अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, निशिता अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल व अन्स।

तेलंगाना बजरंग सेना के संयुक्त सचिव के रूप में सुनील अग्रवाल को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर उनका स्वागत करते हुए तेलंगाना राज्य के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने उन्हें शॉल भेंट कर सम्मानित किया और महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती रजनी श्रीरामोजू ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा।

कुमावत सेवा समिति उप्पल चेंगीचेरला द्वारा राजस्थानी व हरियाणा समाज का सशक्त संगठन आप और हम के अध्यक्ष बनने पर धर्मीचन्द कुमावत को बधाई देते हुए अध्यक्ष पारसमल रेणवाल, उपाध्यक्ष आसुराम रेणवाल, महामंत्री सी.आर. कुमावत, सचिव बाबुलाल खरनालिया, कोषाध्यक्ष झुन्जाराराम अडाणियां एवं अन्य।

उज्जैन में महाकाल का दर्शन करते हुए समाजसेवी नरेंद्र कुमार गोयल। साथ में हैं भाजपा नेता अशोक सेन, ओम पुजारी, पवन पुजारी व अन्य।

केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी एवं विजय सुराणा का अभिनंदन करते हुए लव फॉर काऊ के जमसत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश छौहान, सतीश जाजू, पारस सुराणा, सत्यनारायण शर्मा, दिनेश जैन, प्रदीप जाजू, आनंद बोहरा, नित्या परीक, राधीका देशपांडे, सविता रायसोनी, छंदना जैन एवं अन्य।

अग्र भागवत कथा वाचक उज्ज्वल गर्ग का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5147वीं जयंती के संदर्भ में अग्र भागवत कथा का आयोजन शमशाबाद स्थित अतिथि कन्वेंशन हॉल में किया गया था। इसके कथा वाचक श्री उज्वल जी गर्ग द्वारा हैदराबाद में स्थित महाराजा अग्रसेन जी की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण की इच्छा व्यक्त की गई थी, जिसके फलस्वरूप अग्रवाल समाज तेलंगाना के निवर्तमान उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार पंसारी के निवेदन पर महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा, बंजारा हिल्स द्वारा एक कार्यक्रम रखा गया, जिसमें कथा वाचक उज्वल गर्ग द्वारा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा के अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल द्वारा गर्ग का सम्मान किया गाया। अवसर पर डॉक्टर दिलीप कुमार पंसारी का सम्मान शाखा के मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले द्वारा किया गया। सम्मान कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन मार्ग के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सहमंत्री कैलाश चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल, शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल एवं सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले आदि उपस्थित थे।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में बीआईएस मानक महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 9 अक्तूबर(स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय में बीआईएस मानक महोत्सव समारोह का शानदार आयोजन हुआ। इस संदर्भ में, बीआईएस के वरिष्ठ आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, रविवार 9 अक्तूबर को तेलंगाना के ग्रेटर हैदराबाद स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय(ओयु)के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो)मानक महोत्सव-2023 समारोह का आयोजन किया गया। बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) ने दुनिया भर में गुणवत्ता मानकों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे वैज्ञानिकों और व्यावसायिकों के सम्मान में उक्त शानदार समारोह का आयोजन किया गया। इस रंगारंग समारोह में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के पारंपरिक नृत्य लुभावने व प्रभावशाली रहे। इस मानक समारोह कार्यक्रम भाग लेनेवाले गणमान्य व्यक्तियों में बीआईएस के निदेशक केवी राव, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक एएनएसपी शास्त्री, संयुक्त सचिव राकेश तन्निरु शामिल रहे।

कार्यक्रम में तत्संबंधित बीआईएस निदेशक आदि ने छात्र- छात्राओं को बीआईएस द्वारा आयोजित कार्यक्रमों, मार्केट में गुणवत्तायुक्त सामग्री की पहचान करने की प्रक्रिया, बीआईएस केयर ऐप और आईएसआई सील के माध्यम से सोने की हॉलमार्किंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अन्य वस्तुओं पर जैसे घटिया, नकली, घटिया सामान या सामग्री आदि के खिलाफ शिकायतें पीपीटी के माध्यम से विषयों को समझाया गया।

नाबालिग से बलात्कार कर उसे गर्भवती करने के जुर्म में व्यक्ति को उम्रकैद

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को 2018 में शादनगर में दर्ज एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और धोखाधड़ी के मामले में एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 32,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। दोषी व्यक्ति पी.पांडु (30) है, जो शादनगर के फरूरनगर का एक कृषि श्रमिक है।

पांडु ने लड़की से शादी का वादा किया और उसके साथ बलात्कार किया। जब वह गर्भवती हो गई और उसने उससे शादी करने का अनुरोध किया, तो पांडु ने उससे बचना शुरू कर दिया और धोखा दिया। बाद में उसने एक बच्चे को जन्म दिया। उसकी शिकायत के आधार पर, शादनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया और पांडु को गिरफ्तार कर लिया।

महिला से बलात्कार और धोखाधड़ी के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसआर नगर पुलिस ने सोमवार को एक व्यक्ति को शादी का वादा करके एक महिला को गर्भवती करने और धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आंध्र प्रदेश के गुंटूर के संदिग्ध ए. चिन्ना बाबू (28) ने एक साल पहले उसी कार्यालय में काम करने वाली 26 वर्षीय महिला से दोस्ती की। चिन्ना बाबू ने उससे शादी करने का वादा किया और कथित तौर पर कई बार उसके साथ बलात्कार किया।

पार्षद राकेश जायसवाल ने किया कई विकास कार्यों का शुभारंभ

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने जामबाग मंडल, गोशामहल विधानसभा में 1.25 लाख की लागत से विकास कार्यों का उद्घाटन किया। जामबाग मंडल के भीतर 16 से अधिक स्थानों पर विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, मयूर कालेकर, बसंत, दसारी अनिल, अनिल यादव, रघु कांबले, रामकृष्ण, प्रवीण बाबू, सन्नी, अरुण जगपति, साई किरण, प्रमोद, विजय साहू, शेखर, शंकर, राज कुमार, बलराज, आनंद बोरा, सतीश जैन, विनोद, विश्वत यादव, संदीप जैन, अरुण, अपुर मिश्रा, महाराज, और स्थानीय आवासीय अध्यक्षों और समिति के सदस्यों और स्थानीय क्षेत्र के लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अग्रवाल समाज कोत्तापेट शाखा द्वारा 3 दिवसीय डांडिया धमाल

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना कोत्तापेट शाखा द्वारा अक्टूबर 20, 21, 22 को तीन दिवसीय डांडिया धमाल कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को चैतन्यपुरी स्थित भाग्यश्री फ़ंक्शन हॉल में आयोजित किया जाएगा। इस संदर्भ में अग्रवाल समाज, तेलंगाना की कोत्तापेट शाखा एवं मलकपेट शाखा के बीच एक संयुक्त बैठक मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज संघी के निवास स्थान पर आयोजित की गई।

बैठक में कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेंद्र कुमार अग्रवाल के आग्रह पर मलकपेट शाखा के पदाधिकारियों ने इस डांडिया कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए यथा-संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया है। बैठक में मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य लाजपत राय गुप्ता, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेंद्र कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरुण गोयल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, दीपक बंसल आदि उपस्थित थे।

विकास का केंद्र बना करीमनगर : गंगुला

करीमनगर, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि अलग तेलंगाना राज्य के गठन के बाद 10 साल की अवधि के भीतर करीमनगर जिला विकास का केंद्र बन गया है। लोगों को स्वास्थ्य और फिटनेस के बारे में शिक्षित करने के लिए 'मानकोसम मन करीमनगर कोसम' के नारे के साथ करीमनगर रनर्स एंड साइक्लिस्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित मैराथन में भाग लेते हुए, कमलाकर ने कहा कि मनेयर रिवर फ्रंट शुरू होने के बाद शहर अपने भक्तिमय और सुखद माहौल के लिए जाना जाएगा। भूमिगत जल निकासी व्यवस्था विकसित करने के साथ-साथ सड़कों का विकास किया गया तथा प्रकाश व्यवस्था की भी व्यवस्था की गयी। केबल ब्रिज के निर्माण के साथ ही करीमनगर हैदराबाद के बाद राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर बनकर उभरा है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ बी. गोपी, पुलिस आयुक्त एल. सुब्बारायुडु, धावक और साइकिलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष पी. महेश और अन्य उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सर्व ब्राह्मण परिषद ने की बैठक

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सर्व ब्राह्मण परिषद ने पारीक भवन बेगम बेगम बाजार में सभा का आयोजन किया, जिसमें आगामी दशहरा, दीपावली, और सदस्यता अभियान, परशुराम मंदिर के विषय में चर्चा की गई। सर्व सहमति से यह निर्णय लिया गया कि हर रविवार परशुराम मंदिर के सामने बैठक होगी और अधिक से अधिक सदस्यों को परिषद में जोड़ा जाएगा।

आगामी चुनाव के लिए ब्राह्मण समाज का सर्व सहमति से मांगों पर उचित सहमति पत्र बनाया जाएगा। इस सभा को संबोधित करते हुए पवन मिश्रा ने कहा कि आज ब्राह्मण पिछड़ा है, क्योंकि समाज में बिखवाव है। हमें एक मंच के लिए सहमत होना होगा, तभी समाज की उन्नति हो सकती है और समाज के युवाओं को सामाजिक कार्य के लिए समाज के समितियों से जुड़ने की अपील की। सभा में परिषद के अध्यक्ष पवन मिश्रा, महामंत्री विशाल शर्मा, रामदेव नगला, नारायणदास शर्मा, धनंजय मनसबदार, संदीप जयलवाल, लड्डू ओझा, लक्ष्मीकांत पांडेय, जितेंद्र शर्मा, संदेश उपाध्याय, पूर्णाजी, भगवान ओझा आदि उपस्थित थे।

कट्टलमंडी में संबंधित अधिकारियों के साथ तेलंगाना सरकार द्वारा दी जा रही बतुकम्मा साड़ियों का वितरण करते हुए स्थानीय नेता आनंद कुमार गौड़ व अन्य।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी
9810940158

सिर्फ एक 'कोहली' काफी है: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुश्किल सिचुएशन से निकाला, करियर में कई बार कर चुके कारनामा ; टॉप-7 पारियां

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रेशर सिचुएशन, टॉप ऑर्डर फ्लॉप और एक एंड पर खड़े विराट कोहली का मैच जिता देना। इंडियन फैंस को अब ये नजारा देखने की आदत सी हो चुकी है। कोहली ने एक बार फिर मुश्किल हालातों के बीच भारत को निकाला और टीम को 6 विकेट से जीत मिली। चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली को विकेटकीपर केएल राहुल का भी बखूबी साथ मिला। विराट अपने करियर में कई बार अकेले दम पर भी प्रेशर सिचुएशन में भारत को मैच जिता चुके हैं, खासकर ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ। 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ 82 रन हों, या 2012 के एशिया कप में 183 रन, कोहली कम ही मौकों पर इंडियन फैंस को निराश छोड़ते हैं बड़े टूर्नामेंट और बड़ी टीमों के खिलाफ कोहली की ऐसी ही टॉप-10 मैच विनिंग पारियों को इस स्टोरी में हम जानेंगे। शुरुआत 2012 की ट्राई सीरीज में श्रीलंका के खिलाफ शतकीय पारी से करते हैं...

1. 40 ओवर में बनाने थे 321 रन, भारत ने 10 ओवर में 2 विकेट गंवा दिए

28 फरवरी 2012 को भारत-श्रीलंका के बीच ट्राई सीरीज का मुकाबला खेला गया। होबार्ट में श्रीलंका ने 50 ओवर में 320 रन बनाए। फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को 40 ओवर में टारगेट चेज करना था। यहां 10वें ओवर में भारत ने सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग के विकेट गंवा दिए। टीम को अब भी 30 ओवर में 235 रन की जरूरत, 23 साल के कोहली क्रीज पर आए।

लसिथ मलिंगा और रंगना हेराथ जैसे टॉप क्लास बॉलर्स के सामने कोहली ने गौतम गंभीर के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप की। गंभीर 28वें ओवर में आउट हो गए, लेकिन कोहली टिक रहे। उन्होंने महज 86 गेंद पर 133 रन की नॉटआउट पारी खेली और भारत को 36.4 ओवर में ही जीत दिला दी। इंटरनेशनल स्टेज के प्रेशर में ये कोहली की पहली यादगार पारी थी।

2. पाकिस्तान ने दिया 331 का टारगेट, भारत ने जीरो पर गंवाया विकेट

18 मार्च 2012 को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप ग्रुप स्टेज का मैच खेला गया। मीरपुर में पाकिस्तान ने 50 ओवर में 329 रन बना दिए। फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को जीत चाहिए थी। टीम ने पहले ही ओवर में गौतम गंभीर का विकेट गंवा दिया। 0 रन के टीम स्कोर पर विराट कोहली बैटिंग करने आए। उन्होंने सिचुएशन संभाली और सचिन के साथ 133 रन की पार्टनरशिप की।

सचिन 52 रन बनाकर आउट हो गए, कोहली फिर भी टिक रहे। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ 172 रन की पार्टनरशिप की, जिनमें 103 रन कोहली के ही थे। उमर गुल, शाहिद अफरीदी, वहाब रियाज और सईद अजमल जैसे गेंदबाजों के सामने कोहली ने 183 रन की पारी खेली और टीम को जीत की दहलीज पर ला दिया। कोहली 48वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुए और पांचवीं गेंद पर भारत ने मैच जीत लिया। इस एशिया कप में बांग्लादेश ने श्रीलंका को आखिरी मैच हराकर फाइनल में जगह बनाई। जिस कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच सचिन तेंदुलकर के वनडे करियर का आखिरी मैच साबित हुआ, जिसे विराट ने अपनी पारी से यादगार बनाया।

3. मेजबान इंग्लैंड के सामने ICC फाइनल में चमके विराट

23 जून 2013 को भारत-इंग्लैंड के बीच ICC चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेला गया। बारिश के कारण 50-50 ओवर के मुकाबले को 20-20 ओवर का किया गया। बर्मिंघम में भारत की पहले बैटिंग आई और ओपनर रोहित शर्मा चौथे ही ओवर में आउट हो गए। स्कोर महज 19 रन, नंबर-3 पर उतरे विराट कोहली ने शिखर धवन के

साथ पारी संभाली। धवन 31 रन बनाकर आउट हुए, उनके बाद तो जैसे एक एंड पर लगातार विकेट गिरते ही चले गए। दिनेश कार्तिक 6, सुरेश रैना 1 और कप्तान एमएस धोनी 0 ही रन बना सके।

कोहली एक एंड पर टिके रहे, उन्होंने रवींद्र जडेजा के साथ 47 रन की अहम पार्टनरशिप कर स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। कोहली 19वें ओवर में 43 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन टीम को सम्मानजनक स्कोर तक ले गए। भारत ने 7 विकेट पर 129 रन बनाए और इंग्लैंड को 124 रन पर रोक दिया। टीम इंडिया ने 5 रन से मुकाबला जीत कर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया।

4. स्टेन-ताहिर के सामने ICC सेमीफाइनल जिताया

वनडे के साथ टी-20 फॉर्मेट में भी कोहली प्रेशर सिचुएशन में भारत को उबार चुके हैं। 4 अप्रैल 2014 को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल खेला गया। मीरपुर में साउथ अफ्रीका ने 4 विकेट पर 172 रन बना दिए। भारत का पहला विकेट चौथे ही ओवर में गिर गया। रोहित शर्मा आउट हुए और नंबर-3 पर कोहली उतरे। डेल स्टेन और इमरान ताहिर जैसे गेंदबाजों के ओवर बाकी थे।

कोहली ने अजिंक्य रहाणे के साथ 38 और फिर युवराज सिंह के साथ 56 रन की पार्टनरशिप की। युवी आउट और टीम को 4 ओवर में 40 रन की जरूरत। तब पीक फॉर्म में चल रहे डेल स्टेन के 2 ओवर बाकी थे। कोहली ने यहां से गियर बदले, 17वें ओवर में 17 रन, 18वें ओवर में 13 रन और 19वें ओवर में 9 रन बनाकर भारत को जीत की दहलीज पर ला दिया। आखिरी ओवर में एक रन की जरूरत और कोहली ने स्टेन की बॉल पर चौका लगाकर भारत को फाइनल में पहुंचा दिया।

5. पाकिस्तान के सामने भारत का स्कोर 8/3, कोहली ने अकेले दम पर मैच निकाला

27 फरवरी 2016 को एशिया कप ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान भिड़े। मीरपुर में पाकिस्तान पहले बैटिंग करते हुए 83 रन ही बना सका। लगा जैसे टीम इंडिया आसानी से टारगेट हासिल कर लेगी, लेकिन मोहम्मद आमिर और मोहम्मद सामी के सामने भारत ने 8 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। ओपनर रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे तो खाता भी नहीं खोल सके। नंबर-3 पर उतरे कोहली को पहले ही ओवर में क्रीज पर आना पड़ा।

कोहली ने पिच और पाकिस्तान गेंदबाजों को भांपा और धीरे-धीरे पारी आगे बढ़ाई। आमिर और सामी के साथ मोहम्मद इरफान और वहाब रियाज भी बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे थे। लेकिन कोहली ने सेट होने के बाद बाउंड्री लगानी शुरू कर दीं, उन्होंने 7 चौके लगाकर टीम का स्कोर 76 रन तक पहुंचा दिया। वे 49 रन बनाकर 15वें ओवर में आउट हुए और टीम ने 16वें ओवर में 5 विकेट से मैच जीत लिया।

6. होम ग्राउंड पर पाकिस्तान के सामने नाक कटने से बचाई

एशिया कप के बाद टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान का सामना हुआ। 19 मार्च 2016 को कोलकाता में बारिश के कारण मुकाबला 18-18 ओवर का किया गया। पाकिस्तान 5 विकेट पर 118 रन ही बना सका। लेकिन भारत की शुरुआत इस बार भी खराब रही। रोहित, शिखर धवन और सुरेश रैना 23 रन के अंदर ही पवेलियन लौट गए। आमिर, सामी, इरफान और वहाब के साथ इस बार शाहिद अफरीदी भी थे। कोहली को तीसरे ही ओवर में बैटिंग करने आना पड़ा। उन्होंने घरेलू दर्शकों के सामने युवराज सिंह के साथ पारी आगे बढ़ाई और 61 रन की पार्टनरशिप कर ली। युवी 12वें ओवर में आउट हुए, लेकिन कोहली टिके रहे। कोहली ने 37 बॉल में 55 रन की नॉटआउट पारी खेली और टीम को 16वें ओवर में ही 6 विकेट से जीत दिला दी।

7. ऑस्ट्रेलिया के सामने असंभव सी लग रही जीत दिलाई

साल 2016 कोहली के लिए कुछ ज्यादा ही खास रहा। IPL में 4 सेंचुरी के साथ उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर भी कई यादगार पारियां खेलीं। 27 मार्च को टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-ऑस्ट्रेलिया का सामना हुआ। मोहाली में ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर 160 रन बना लिए। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को जीत चाहिए ही थी। लेकिन टॉप ऑर्डर फिर फ्लॉप, रोहित 12, धवन 13 और रैना 10 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे ओवर में बैटिंग करने आए कोहली के सामने स्कोर 49 रन पर 3 विकेट हो गया। जोश हेजलवुड, शेन वॉटसन, एडम जम्पा और जेम्स फॉकनर जैसे गेंदबाजों के सामने कोहली ने युवराज सिंह के पारी आगे बढ़ाई। दोनों पार्टनरशिप बिल्ड कर चुके थे, तभी युवी 21 रन बनाकर आउट हो गए। वह 14वें ओवर में आउट हुए और टीम को 36 बॉल में 67 रन की जरूरत। कोहली के सामने धोनी ने सेट होने का समय लिया और टीम को 18 बॉल पर 39 रन की जरूरत आ गई। कोहली ने 18वें ओवर में 19 रन और 19वें ओवर में 16 रन बना दिए। आखिरी 6 बॉल पर 4 रन की जरूरत और धोनी ने चौका लगाकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। कोहली 51 बॉल पर 82 रन बनाकर नॉटआउट रहे। वह इस पारी को अपने जीवन की बेस्ट

तेंदुलकर ने वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलियाई हार की बताई वजह

बोले-एक स्पेशलिस्ट स्पिनर के साथ खेलने पर मैं हैरान था, राहुल-कोहली की भी की तारीफ

चेन्नई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ वर्ल्ड कप के खेले गए मैच में 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सचिन तेंदुलकर ने इस जीत पर भारतीय टीम को बधाई देने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की हार की वजह भी बताई। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में ऑस्ट्रेलिया की हार के पीछे उनकी दो गलतियों को अहम माना। सचिन ने उन्होंने केएल राहुल और विराट कोहली की तारीफ भी की।

अब जानते हैं सचिन ने ऑस्ट्रेलियाई हार की क्या दो वजह बताई।

सचिन ने अपने पोस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पहली गलती टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को बताया। उन्होंने पोस्ट

में लिखा-मैं हैरान था कि ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को 199 रन पर ही समेत दिया।

तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी गलती प्लेइंग इलेवन में केवल एक स्पिनर स्पेशलिस्ट को शामिल किया जाना बताया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया को एक बाएं हाथ के स्पिनर की कमी खेली। दरअसल चेन्नई में स्पिन गेंदबाजों को मदद करने वाली एमए चिंदबरम स्टेडियम में टीम इंडिया जहां तीन स्पिन स्पेशलिस्ट कुलदीप यादव, आर अश्विन और रविंद्र जडेजा के साथ उतरी। तीनों स्पिनरों ने मिलकर ऑस्ट्रेलिया के 6 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा ने 3, कुलदीप यादव ने 2 और आर अश्विन ने एक विकेट लिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया अपने प्लेइंग इलेवन में केवल एक स्पिन स्पेशलिस्ट एडम जम्पा को ही शामिल किया था।

सचिन ने विराट कोहली और केएल राहुल की तारीफ की

तेंदुलकर ने विराट कोहली और केएल राहुल की तारीफ की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा-विराट और राहुल के बीच साझेदारी ने हमारे लिए मैच जीत लिया। उन्होंने बहुत चुतराई से अपना समय लिया और कुछ शानदार शॉट लगाने में सफल रहे। खेल के दूसरे भाग में गेंद निश्चित रूप से बेहतर तरीके से बल्ले पर आई। टीम इंडिया को अच्छी शुरआत के लिए बधाई।

इस मैच में भारत के तीन बल्लेबाज रोहित शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर 2 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुके थे। उसके बाद विराट कोहली और केएल राहुल ने भारतीय पारी को संभाला और दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 165 रन जोड़े। जब कोहली 85 रन बनाकर आउट हुए, तब टीम इंडिया को 74 बॉल पर 33 रनों की जरूरत थी। वहीं केएल राहुल ने नाबाद 97 रन की पारी खेली।

बजरंग पूनिया को रेसलर गीता फोगाट का सपोर्ट

बोलीं- एशियन गेम्स की हार से इतिहास नहीं मिटेगा पेरिस ओलिंपिक आपका इंतजार कर रहा

चरखी दादरी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रेसलर बजरंग पूनिया की एशियन गेम्स में हुई हार पर बहस थम नहीं रही है। बजरंग पूनिया को अब दंगल गर्ल गीता फोगाट का सपोर्ट मिला है।

गीता ने कहा कि बजरंग पूनिया कुश्ती के इतिहास के मोस्ट सक्सेसफुल रेसलर हैं। एक हार से इतिहास नहीं मिट सकता। पेरिस ओलिंपिक आपका इंतजार कर रहा है।

बता दें कि एशियन गेम्स के सेमीफाइनल मुकाबले में बजरंग ईरान के पहलवान अमजद खलीली रहमान से 1-8 से हार गए। इसके बाद ब्रॉन्ज मेडल मैच में जापान के यामागुची के खिलाफ बजरंग एकतरफा मुकाबले में 10-0 से हार गए।

बजरंग को टारगेट करने की 2 वजहें

1. बजरंग पूनिया को 65KG कैटेगरी में बिना ट्रायल भेजा गया था। ट्रायल हिसार के पहलवान विशाल कालीरमन ने जीता, लेकिन बजरंग को डायरेक्ट एंट्री मिली।

2. भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण के खिलाफ धरना देने वालों की अगुआई करने वालों में बजरंग पूनिया भी शामिल थे। यह धरना जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों के यौन शोषण के खिलाफ हुआ था।

बजरंग को पत्नी का भी सपोर्ट मिला

बजरंग की पत्नी संगीता फोगाट ने भी पति को सपोर्ट किया। संगीता फोगाट ने बजरंग की हार के बाद लिखा-" कोई फर्क नहीं पड़ता आप हारे हो या जीते हो। हमें पता है आपने इस साल क्या खोया और क्या पाया है। आप हमेशा से देश के लिए मेडल लाए हो और लाते रहोगे। कुछ लोग हैं जो सच्चाई से छुपकर आपकी बुराई कर रहे हैं। पर इससे हम रुकेंगे नहीं। आगे बढ़ते रहेंगे, जब तक हमें जीत नहीं मिल जाती।

विनेश और साक्षी भी सपोर्ट कर चुकी

विनेश फोगाट ने बजरंग के सपोर्ट में कहा था कि बजरंग हमेशा चैंपियन था, अभी भी है और हमेशा रहेगा। कुश्ती की महिला खिलाड़ियों के लिए जो उसने किया, किसी ने आज तक सोचा भी नहीं।

साक्षी मलिक ने कहा कि कुछ गलत मानसिकता के लोग जश्न मना रहे हैं। बजरंग ने अपना करियर दांव पर लगा कर महिला पहलवानों की लड़ाई में सहयोग दिया। यह सब के बस की बात नहीं थी।

अफगानिस्तान के खिलाफ भी बाहर रह सकते हैं गिल

कोहली को बेहतरीन फील्डिंग के लिए मेडल मिला

चेन्नई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। विराट कोहली को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन फील्डिंग के लिए बेस्ट फील्डर अवॉर्ड दिया गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक वीडियो ट्वीट किया है। जिसमें मैच के बाद टीम के ड्रेसिंग रूम में कोहली को बेस्ट फील्डर अवॉर्ड दिया जा रहा है।

यह अवॉर्ड फील्डिंग कोच टी दिलीप ने दिया। दिलीप ने टीम के फील्डिंग की काफी तारीफ की। उन्होंने कहा 'ईशान किशन ने शानदार डाइव लगाए। श्रेयस अय्यर ने दो बेहतरीन कैच लिए। लेकिन यह अवॉर्ड उस खिलाड़ी

को मिलेगा जो फील्डिंग में निरंतर रहा।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम निरंतरता की टीम में हमेशा बात करते हैं। यहां अपने साथ दूसरे की मदद के लिए तैयार रहना और सभी समय पर सही जगह रहना भी जरूरी है। इसलिए यह अवॉर्ड विराट को मिलता है।'

अफगानिस्तान के खिलाफ खेलने की संभावना कम

शुभमन गिल रिकवर हो रहे है। वह टीम इंडिया के साथ दिल्ली जा रहे है। वह पूरे वक्त टीम के साथ ही होंगे। वह चंडीगढ़ में अपने घर पर आराम करने नहीं जाएंगे। हम उम्मीद करते हैं कि वह पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में खेलेंगे। उनके अफगानिस्तान के खिलाफ खेलने की संभावना अगली मेडिकल रिपोर्ट पर निर्भर करती है।

वर्ल्ड कप 2023 में भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला 11 अक्टूबर को होना है।

श्रेयस अय्यर पर जमकर भड़के युवराज सिंह, नंबर 4 पर इस प्लेयर को खिलाने की उठाई मांग

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के टॉप बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन पर युवराज सिंह ने निराशा जताई है।

रोहित शर्मा एंड कंपनी आईसीसी विश्व कप 2023 के पहले ही मैच में एक समय शर्मनाक हार के कगार पर थी, हालांकि बाद में विराट कोहली और केएल राहुल ने चेपॉक में भारत की शानदार वापसी कराई। घरेलू मैदान पर भारत के विश्व कप के सूखे को खत्म करने के इरादे से उतरी रोहित की टीम 1.6 ओवर में 2-3 रन पर लड़खड़ा रही थी। टीम इंडिया ने अपने तीन प्रमुख बल्लेबाजों को खो दिया और विश्व कप इतिहास में दूसरा सबसे कम स्कोर दर्ज किया था। टीम की इस बुरी स्थिति पर युवराज सिंह भड़क गए।

युवराज सिंह ने श्रेयस अय्यर को घेरा

भारत की मिनी-बल्लेबाजी में चौंकाने वाली गिरावट के बाद एक्स पर 2011 विश्व कप विजेता ने भारत के लाइनअप में नंबर 4 बल्लेबाज की भूमिका के बारे में बात की। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने यह भी कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल को अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए था। उन्होंने अय्यर को लपेटे में लेते हुए खिलाड़ी से बेहतर सोच की उम्मीद जताई।

अय्यर को बेहतर सोच की जरुरत- युवराज

युवराज सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि "नंबर 4 के बल्लेबाज को दबाव सहना होगा !! @ShreyasIyer15 को बेहतर सोच की जरूरत है जब टीम अपनी पारी को फिर से बनाने की कोशिश कर रही है! अभी भी समझ में नहीं आ रहा है कि केएल राहुल नंबर 4 पर बल्लेबाजी क्यों नहीं कर रहे हैं! पाकिस्तान के खिलाफ 100 रन बनाने के बाद! कोहली के कैच को ड्रॉप करने के कारण ऑस्ट्रेलिया को बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है, किंग को मत हटाओ क्योंकि वह गेम छीन सकता है। गेम ऑन!

युवराज की भविष्यवाणी हुई सच

कोहली के ड्रॉप कैच के बारे में युवराज की भविष्यवाणी सच साबित हुई क्योंकि भारत के पूर्व कप्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार पारी खेलने के लिए जीवनदान का भरपूर फायदा उठाया। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 116 गेंदों में 85 रन बनाए, जबकि राहुल 97 (115) रन बनाकर नाबाद रहे और भारत की पांच बार के विश्व चैंपियन पर छह विकेट से जीत दर्ज की।

भारतीय एथलीटों पर उंगलियां उठाने से पहले 100 बार सोचिएगा

हर एक मेडल है आलोचकों के लिए मुंहतोड़ जवाब

एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब भारत ने मेडल्स का शतक लगाया है. इस कामयाबी की चर्चा पूरे देश में है. ये चर्चा उन लोगों तक भी पहुंचनी चाहिए जिन्हें इन एथलीटों में स्टार नहीं दिखते, जो ये लिखने में देर नहीं लगाते कि भारतीय एथलीट ओलंपिक्स में जाते ही क्यों हैं?

ये सच है कि एशियन गेम्स और ओलंपिक में फर्क है. ओलंपिक एशियन गेम्स के मुकाबले और बड़ा मंच है. बल्कि सबसे बड़ा मंच है. लेकिन ये भी सच है कि एशियन गेम्स भी आसान नहीं. बड़े बड़े दिग्गजों को यहां खाली हाथ लौटना पड़ता है. एशियन गेम्स की कामयाबी ओलंपिक में जगह बनाने का जरिया भी होती है. मसलन- भारतीय हॉकी टीम ने एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल जीता तो पेरिस ओलंपिक में उसकी जगह पक्की हो गई. ऐसा हॉकी के अलावा दूसरे खेलों में भी होता है. ओलंपिक की तैयारी में जुटे एथलीटों के लिए एशियन गेम्स एक 'ड्रेस रिहर्सल' की तरह होता है. जहां खिलाड़ी अपनी तैयारी का सही आंकलन कर सकते हैं. इस बात का अंदाजा लगा सकते हैं कि ओलंपिक का मेडल उनसे कितनी दूर है. अभी कितनी मेहनत और करनी है. ओलंपिक और एशियन गेम्स के बीच के इस रिश्ते पर हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि ओलंपिक के समय ये सवाल बहुत आम होता है कि इतनी बड़ी जनसंख्या वाले देश में इतने कम मेडल क्यों आते हैं?

इस सवाल का जवाब खोजने के लिए जब आप गहराई में जाएंगे तो आपको समझ आएगा कि किसी भी क्षेत्र में बदलाव रातों-रात नहीं होते. हालात बदलने में समय लगता है और इस दौरान खेलप्रेमियों को अपने एथलीटों का हौसला बढ़ाना होता है, उन्हें सवालों के कटघरे में खड़ा नहीं करना होता. एशियन गेम्स में भारतीय एथलीटों की शानदार कामयाबी ने इसी विषय पर चर्चा का मंच खोल दिया है.

2016 ओलंपिक में गर्मागर्म बहस हुई थी

ओलंपिक और एशियन गेम्स के संबंध हम आपको समझा चुके हैं. अब थोड़ी देर के लिए आपको 2016 ओलंपिक में ले चलते हैं. 2016 ओलंपिक में सेलिब्रिटी राइटर शोभा डे ने एक ट्वीट किया था. उन्होंने लिखा था कि भारतीय टीम का ओलंपिक में एक ही गोल होता है. रियो जाओ, सेल्फी लो, खाली हाथ वापस आओ. पैसे और मौके की जबरदस्त बर्बादी. उनके इस ट्वीट के बाद सोशल मीडिया में काफी हो-हल्ला हुआ था. इस हो-हल्ले से पहले आपको ये भी बता दें कि ऐसा लिखने वाली सिर्फ शोभा डे ही नहीं थीं. एथलीटों के संघर्ष को जाने बगैर मीन-मेख निकालने वाले कई और तथाकथित खेलप्रेमी भी ये सवाल पूछते रहते हैं. खैर, शोभा डे के ट्वीट के बाद वीरेंद्र सहवाग जैसे तमाम बड़े नाम खुलकर सामने आए थे. सहवाग ने

तो यहां तक लिखा था कि ये आपको 'शोभा' नहीं देता. आज हम इस बहस के जरिए गड़े मुर्दे उखाड़ने के लिए नहीं बैठे बल्कि ये समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ग्लास को आधा खाली देखने की बजाए आधा भरा देखना जरूरी है. इस बात में कोई दोराय नहीं है कि जो कामयाबी एशियन गेम्स में मिली है वैसी ओलंपिक में बिल्कुल नहीं मिलने वाली. लेकिन सकारात्मक बात ये है कि इस बार ओलंपिक में कई खेलों में हमारी दावेदारी और बढ़ेगी. एक ओलंपियन बनना भी बहुत बड़ी उपलब्धि होती है. बस इसी उपलब्धि को समझना वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है.

खेलों में सुधरते हालात पर भी चर्चा जरूरी है

एक वक्त था जब इस देश में ये खबर बहुत आम थी कि फलां एथलीट को घर चलाने के लिए अपना मेडल बेचना पड़ा. खिलाड़ियों के संघर्षों की लंबी फेहरिस्त थी. एथलीट संघर्ष अब भी करते हैं. कोई किसान का बेटा है, कोई मजदूर का किसी के पास दोनों वक्त के खाने का जुगाड़ है तो किसी के पास नहीं. लेकिन अब एक लेवल पर प्रदर्शन करने के बाद एथलीटों को मदद मिलने लगती है. सरकारी स्तर पर तमाम ऐसी सहूलियतें मिल जाती हैं जो पहले नहीं थीं. बड़े कॉरपोरेट्स को अभी इस दिशा में और ध्यान देने की जरूरत है. क्रिकेट के अलावा भी खेलों की दुनिया है. क्रिकेटर्स के अलावा भी स्टार्स हैं. बशर्ते उन्हें 'इग्नोर' ना किया जाए. आज एशियन गेम्स, ओलंपिक या कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल्स लाने पर एथलीटों को नौकरी मिलती है, अच्छी खासी रकम इनाम में मिलती है. पिछले कुछ साल में खेल सिर्फ एक 'हॉबी' नहीं बल्कि एक करियर की तरह सामने आया है. हालात अब यहां से बदलेंगे, लेकिन इंतजार करना होगा. आज लोग अपने बच्चों के खेलने पर जोर दे रहे हैं. वो कहावत अब बेमानी लगने लगी है कि खेलो कूदोगे तो होगे खराब, पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब.

खेलों के कल्चर को समझिए, कामयाबी आना तय है

आज भारतीय एथलीटों की कामयाबी पर बधाई देने वालों में देश की राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर सचिन तेंदुलकर जैसे स्टार खिलाड़ी हैं. इस फेहरिस्त में हमें भी शामिल होना चाहिए. एक देश के तौर पर हमें खेलों की उस संस्कृति को समझना होगा जो जीत या हार के बीच का फर्क है. इस बात को और आसान तरीके से समझाते हैं. हाल ही वर्ल्ड कप से पहले विराट कोहली ने सोशल मीडिया में लिखा कि उनसे वर्ल्ड कप मैच के पास ना मांगे और दूसरी तरफ दिल्ली के स्टेडियम में हमारे बड़े बड़े स्टार एथलीट खेलकर चले जाते हैं हम उन्हें देखने तक नहीं जाते. ये बात सिर्फ दिल्ली पर नहीं बल्कि हर उस शहर पर लागू होती है जहां किसी भी खेल की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं. अगर आप खेलप्रेमी हैं तो अगली बार जाइए अपने पड़ोस के स्टेडियम में इन एथलीटों का हौसला बढ़ाइए. हॉकी टीम के खेल का स्तर सिर्फ ओलंपिक में या एशियन गेम्स में ही क्यों आंकना है कभी नेशनल स्टेडियम में जाकर किसी घरेलू टूर्नामेंट में भी इनका खेल देखिए. यकीन मानिए अगर हम ऐसा करते हैं तो एक नीरज चोपड़ा के पीछे कई नीरज होंगे, एक अभिनव बिंद्रा के पीछे कई अभिनव और एक पीवी सिंधु के पीछे कई पीवी नजर आएंगी. बस इनकी मेहनत, जोश, जज्बे को सम्मान कीजिए. आज एशियन गेम्स में इन एथलीटों ने इतिहास रचा है. यही एथलीट ओलंपिक्स में भी इतिहास रचेंगे.

आगामी चुनावों में बीआरएस की निर्णायक जीत : केटीआर

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामाराव ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ बीआरएस की निर्णायक जीत की भविष्यवाणी की। उन्होंने घोषणा की कि आगामी विधानसभा चुनाव सत्तारूढ़ दल के पक्ष में एकतरफा होगा।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के कुछ मिनट बाद, रामाराव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) का सहारा लिया और विश्वास जताया कि बीआरएस लगातार तीसरी बार विजयी होगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और उसके लोगों का इतिहास और भविष्य बीआरएस और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के साथ जुड़ा हुआ है और कोई भी इस बंधन को नहीं तोड़ सकता है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव दक्षिण भारत में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा, जहां लोग तीसरे कार्यकाल के लिए "सक्षम और कुशल नेतृत्व" का चुनाव करेंगे, साथ ही मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव राज्य को प्रगतिशील पथ पर ले जाएंगे। रामाराव ने कहा कि गुलाबी गुलाब (बीआरएस) लोगों के आशीर्वाद से खिलेगा, जबकि विपक्षी दलों के लिए हार एक बार फिर अपरिहार्य है।

चुनाव प्रचार का माहौल तैयार करते हुए, रामाराव ने कहा कि राज्य ने चंद्रशेखर राव सरकार के तहत व्यापक प्रगति देखी है। जबकि तेलंगाना आंदोलन की आकांक्षाओं ने 2014 में पहले विधानसभा चुनावों का नेतृत्व किया, 2018 में हुआ दूसरा विधानसभा चुनाव "कल्याण का जश्न मनाने" के बारे में था। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों के नतीजे बीआरएस के दशक लंबे शासन से तय होंगे। मंत्री ने विपक्ष पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ने युद्ध शुरू होने से पहले ही हार मान ली। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीआरएस अपने पिछले चुनावी रिकॉर्ड को पार करने के लिए तैयार है।

सीएम केसीआर 15 को जारी करेंगे बीआरएस घोषणापत्र

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के साथ अपना चुनाव अभियान शुरू करने के लिए तैयार हैं, जिसकी शुरुआत 15 अक्टूबर को तेलंगाना भवन में पार्टी के विधायक उम्मीदवारों के साथ बैठक से होगी। पार्टी उम्मीदवारों को बी-फॉर्म पेश करने के अलावा, वह आगामी चुनावों के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी करेंगे, जिसमें तेलंगाना के लोगों के लिए पार्टी के दृष्टिकोण और वादों को रेखांकित किया जाएगा। इस अवसर पर, चन्द्रशेखर राव पार्टी उम्मीदवारों को चुनाव रणनीतियों पर निर्देश देंगे और चुनाव प्रक्रिया के दौरान पालन किए जाने वाले नियमों और विनियमों के बारे में भी जानकारी देंगे।

इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री तेलंगाना के कई निर्वाचन क्षेत्रों के चार दिवसीय तूफानी दौरे पर निकलेंगे। 15 अक्टूबर को हैदराबाद में पार्टी विधायक उम्मीदवारों की बैठक के बाद वह शाम 4 बजे हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र मुख्यालय में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में भाग लेंगे. वह गति बनाए रखेंगे और 16 अक्टूबर को जनगांव और भोंगिर निर्वाचन क्षेत्रों में दो सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करेंगे। 17 अक्टूबर को, चंद्रशेखर राव सिद्दीपेट और सिरसिला निर्वाचन क्षेत्र मुख्यालय में विशाल सार्वजनिक रैलियों को संबोधित करेंगे। उनका 18 अक्टूबर को जडचेरला और मेडचल में सार्वजनिक बैठकों में भाग लेने का कार्यक्रम है।

नामांकन दाखिल करेंगे सीएम केसीआर

चंद्रशेखर राव ने 9 नवंबर को एक ही दिन दो निर्वाचन क्षेत्रों, गजवेल और कामारेड्डी से बीआरएस उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल करने का फैसला किया है। परंपरा के अनुसार, वह सबसे पहले सिद्दीपेट विधानसभा क्षेत्र के कोन्यापल्ली में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर जाएंगे, जहां वह एक विशेष पूजा करेंगे। इसके बाद वह दोपहर से पहले गजवेल में अपना पहला नामांकन दाखिल करेंगे, उसके बाद दोपहर करीब 2 बजे कामारेड्डी में दूसरा नामांकन दाखिल करेंगे। वह दिन का समापन कामारेड्डी में दोपहर 3 बजे शुरू होने वाली एक सार्वजनिक बैठक के साथ करेंगे।

ईडी व सीबीआई ने चंद्रबाबू को भ्रष्ट होने के कारण नोटिस जारी किया : जगन

विजयवाड़ा, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने कहा कि ईडी और सीबीआई ने पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायुडू को केवल इसलिए नोटिस जारी किया है, क्योंकि वह भ्रष्ट हैं। सोमवार को यहां नगरपालिका स्टेडियम में पार्टी नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर चंद्रबाबू को राजनीतिक प्रतिशोध के कारण गिरफ्तार किया गया होता, तो केंद्र में भाजपा चुप नहीं बैठती। भाजपा में आधे लोग केवल टीडीपी के लोग हैं। उनका कहना है कि स्पष्ट सबूत होने के बावजूद चंद्रबाबू को गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए. पीले डाकुओं का ही कहना है कि चंद्रबाबू की गिरफ्तारी अवैध है। उन्होंने टिप्पणी की कि चंद्रबाबू का समर्थन करने का मतलब है गरीबों का विरोध करना और अमीरों का समर्थन करना है।

जन सेना पार्टी और टीडीपी के बीच चुनावी गठबंधन पर जगन ने कहा कि दो शून्य या चार शून्य जोड़ने पर पूर्ण शून्य ही आएगा। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे उन्हें तभी समर्थन दें, जब उन्होंने उनके लिए कुछ अच्छा किया हो। उन्होंने कहा कि वे फरवरी में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र के साथ लोगों से मिलेंगे और मार्च में चुनाव की तैयारी करेंगे। पार्टी कार्यकर्ता ग्राम स्तर से जुट जाएं और एकजुटता के साथ आगे बढ़ें।

चुनाव की लड़ाई में, वाईएसआरसीपी की सहयोगी जनता थी और वह किसी अन्य चुनावी समझौते पर निर्भर नहीं थे, उन्होंने बताया और कहा कि उन्हें केवल लोगों पर भरोसा है। मैं भगवान और लोगों में विश्वास करता हूं। हमारी सरकार ने हर घर तक कल्याणकारी योजनाएं लागू कीं और 87 प्रतिशत परिवारों को कल्याणकारी लाभ मिला। इसमें भ्रष्टाचार या भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। हमारा हर कार्यक्रम क्रांतिकारी है. हर घर में जाना और उनका कुशलक्षेम पूछना इतिहास में एक नया अध्याय है।

टीटीडी ने फुटपाथ आश्रयों के निर्माण को मंजूरी दी

तिरुमाला, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने कई फैसले लिए हैं, जिसमें पहले घाट रोड पर श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर से मोकालिमेट्टु तक 2.81 करोड़ रुपये की लागत से तिरुमाला के फुटपाथ आश्रयों के निर्माण के लिए निविदाओं को मंजूरी देना शामिल है। टीटीडी के अध्यक्ष बी करुणाकर रेड्डी, जिन्होंने सोमवार को तिरुमाला के अन्नामैया भवन में आयोजित ट्रस्ट बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की, ने टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड द्वारा पारित प्रमुख निर्णयों और प्रस्तावों के बारे में रिपोर्ट की जानकारी दी। टीटीडी ने अलीपिरी में सप्त गोप्रदक्षिण मंदिरम में एक विशेष होम, श्री श्रीनिवास दिव्यनुग्रह विशेष होम आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसी प्रकार, तिरुमाला में 63 वर्ष पूर्व निर्मित 13 विश्रामगृहों जैसे गायत्री सदन, श्रीवारी कुटीर, टीबीसी-53 तथा टीबीसी-64 आदि का भी कुटीर दान योजना के तहत वर्तमान परिस्थितियों में पुनर्निर्माण करने की मंजूरी दी गई है। टीटीडी ने तिरुमाला के पहले घाट रोड पर श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर से मोकालिमेट्टु तक 2.81 करोड़ रुपये की लागत से फुटपाथ आश्रयों के निर्माण के लिए निविदाएं बुलाने की भी अनुमति दे दी है ताकि सड़क के किनारे चलने वाले भक्तों को सुविधा हो सके। धूप और बारिश से कष्ट न हो।

तिरुमाला में जपाली तीर्थम, श्री वेणुगोपालस्वामी मंदिर, अंजनाद्री आकाशगंगा और पापविनासनम के रास्ते पर यातायात बढ़ने के साथ, आकाशगंगा से बाहरी रिंग रोड तक मौजूदा दो-लेन से चार-लेन सड़क के विस्तार की अनुमति दी गई है। इसी तरह, 40 करोड़ रुपये का गोगरभम बांध की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए योजना बनाई गई ताकि सड़क का निर्माण बांध के नीचे हो।

केएस रामाराव कनक दुर्गा मंदिर का ईओ नियुक्त

विजयवाड़ा, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दशहरा नजदीक आने के साथ, राज्य सरकार ने श्रीकालाहस्ती राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) के.एस. को नियुक्त किया। रामा राव कनक दुर्गा मंदिर के नए ईओ नियुक्त। राज्य के मुख्य सचिव जवाहर रेड्डी ने इस संबंध में आदेश जारी किया।

नौ दिवसीय दशहरा उत्सव 15 अक्टूबर को शुरू होगा और 23 अक्टूबर को समाप्त होगा। कनक दुर्गा मंदिर द्वारा आयोजित दो मुख्य त्योहार दशहरा और भवानी दीक्षा राज्य के सबसे बड़े मंदिरों में से एक, हैं।

मल्लाराम के युवाओं ने फिर बनाया रिकॉर्ड, 13 कांस्टेबल पदों पर चयनित

खम्मम, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तल्लाडा मंडल के मल्लाराम गांव के युवाओं ने इसे फिर से किया है। गांव के कम से कम 13 युवाओं, 12 पुरुषों और एक महिला को स्टाइपेंडरी कैडेट ट्रेनी (एससीटी) कांस्टेबल पदों के लिए चुना गया है, जिसके लिए हाल ही में टीएसएलपीआरबी द्वारा चयनित उम्मीदवारों की अनंतिम सूची घोषित की गई है। मल्लाराम का एक अनूठा इतिहास है कि जब भी नौकरी के लिए चयन होता है तो बड़ी संख्या में युवा कांस्टेबल पदों के लिए चयनित होते हैं। 2019 में गांव के 17 युवा कांस्टेबल पद के लिए चयनित हुए और इतने ही अभ्यर्थी 2018 की पुलिस भर्ती में चयनित हुए, जबकि 2008 में चार युवा कांस्टेबल पद के लिए चयनित हुए।

पुलिस विभाग के प्रति गाँव के युवाओं का जुनून 1999-2000 में शुरू हुआ, जिसके दौरान दसारी वीरभद्र राव यूथ क्लब और पुलिस मैत्री संघम ने युवाओं को अवैध शराब और अन्य जैसी बुराइयों के खिलाफ लड़ने के लिए शामिल किया। युवाओं ने खम्मम के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक वीवी श्रीनिवास राव, जो अब तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड (टीएसएलपीआरबी) के अध्यक्ष हैं, के आदेश पर स्थापित पुलिस नेत्र निधि (द आई बैंक सोसाइटी ऑफ खम्मम) में भी सक्रिय रूप से काम किया। श्रीनिवास राव के नेतृत्व में युवा कॉर्निया दान को बढ़ावा देते थे और इस तरह वे पुलिस विभाग की ओर आकर्षित हुए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जी. सुधीर बाबू, जो उस समय खम्मम में एक अतिरिक्त एसपी के रूप में कार्यरत थे, ने युवाओं को शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे पुलिस विभाग में नौकरी सुरक्षित कर सकें। गांव के सरपंच दुग्गीदेवरा साम्राज्यम ने कहा, उनसे प्रेरित होकर पहली बार 2003 में चार युवाओं को कांस्टेबल के रूप में चुना गया। उन्होंने खुलासा किया कि नव चयनित उम्मीदवारों और होम गार्डों सहित, लगभग 4346 की आबादी वाले गांव से लगभग 65 लोग अब पुलिस विभाग में हैं। गांव के 12 व्यक्ति विभिन्न सरकारी विभागों में सेवारत हैं।

कांग्रेस पार्टी से हाथ मिलाएंगे वामपंथी दल!

खम्मम, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कम्युनिस्ट-सीपीआई और सीपीएम- तेलंगाना में आगामी चुनावों में कांग्रेस के साथ चलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सोमवार को कांग्रेस पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हुई। बैठक में वाम दलों को लेकर अहम फैसला लिया गया। कांग्रेस ने सीपीआई और सीपीएम पार्टियों को दो-दो सीटें देने का फैसला किया है. सबसे पहले कांग्रेस पार्टी ने दोनों पार्टियों के लिए एक-एक सीट का प्रस्ताव रखा था। हालाँकि, कम्युनिस्टों ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने दो-दो सीटों पर टिकट देने का फैसला किया।

कांग्रेस कोत्तागुडेम और मुनुगोडु निर्वाचन क्षेत्र सीपीआई को देने की योजना बना रही है। हालाँकि, सीपीएम ने भद्राचलम और मिर्यालागुडा देने की मांग की। हालांकि भद्राचलम निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के पास पहले से ही एक मौजूदा विधायक है। स्क्रीनिंग कमेटी ने इसे सीपीएम को देने का फैसला किया है. कांग्रेस पार्टी ने भद्राचलम के मौजूदा विधायक पोडेम वीरैया को पिनपाका निर्वाचन क्षेत्र में भेजने का फैसला किया है। कम्युनिस्टों ने पलेरू और खम्मम से टिकट पर जोर दिया। हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पलेरू से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। वह पहले से ही पलेरू निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार कर रहे हैं। तुम्मला नागेश्वर राव खम्मम से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी ने वहां से कम्युनिस्टों को टिकट देने से इनकार कर दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.